सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईसी मतदाता सूची से हटाए वोटरों के नाम करें प्रकाशित - 12

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- भारत अमेरिका व्यापार समझौते के करीब- 12

ट्रंप का रुख बदला, अब बोले- ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं - 13

लक्ष्य सेन इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत व प्रणय बाहर- 14

आज का मौसम 18.0^0 अधिकतम तापमान 8.0^0 न्यूनतम तापमान सूर्योदय 07.07 सूर्यास्त 05.37

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 16 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 327, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

16 विशेष न्यायालयों में 144 पद सृजित, उपनल में समान कार्य के लिए समान वेतन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में 19 प्रस्तावों को स्वीकृति
- किसान-कर्मचारी से लेकर न्याय, पर्यटन पर्यावरण व संस्कृति से जुड़े फैसले

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में गुरुवार को राज्य सचिवालय में आयोजित हुई कैबिनेट की बैठक में किसान, कर्मचारी, न्याय, पर्यटन, पर्यावरण और संस्कृति से जुड़े कई जनहितकारी निर्णय लिए गए।

मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि, निश्चित तौर पर यह निर्णय प्रदेश के समग्र विकास और सुशासन को और मजबूत करेंगे। बैठक में 19 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें अहम निर्णयों में राज्य में 16 विशेष न्यायालयों में 144 पद सृजित होंगे तो उपनल में समान कार्य के लिए समान वेतन को भी स्वीकृति दी है। वहीं, उत्तराखंड पर्यटन, यात्रा व्यवसाय, होम स्टे एवं बेड-एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण नियमावली-2026 का प्रख्यापन करने का निर्णय हुआ है, जिसके तहत अब होम स्टे योजना का लाभ राज्य के स्थायी निवासी ही ले सकेंगे।

समान कार्य–समान वेतन पर कैबिनेट के निर्णय के लिए सीएम धामी का आभार जताते उपनल कर्मी। ● अमृत विचार

कैबिनेट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में योजित क्रिमिनल रिट याचिका सतेन्द्र कुमार अंतिल बनाम सीबीआई में 6 अगस्त 2024 को पारित निर्णय के अनुपालन में उत्तराखंड उच्च न्यायालय, नैनीताल के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय कमेटी की संस्तुतियों के क्रम में एनडीपीएस एक्ट, पॉक्सो एक्ट, एनआई एक्ट, प्रीवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट एंड पीएमएलए एक्ट से सम्बन्धित वादों के शीघ्र निस्तारण के लिए राज्य में प्रथम चरण में जनपद देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल एवं ऊधमसिंह नगर में 16 विशेष न्यायालयों (7 एडीजे एवं 9 एसीजेएम विशेष न्यायालय) के लिए 144 पद सृजित करने के लिए मंत्रिमंडल ने अनुमोदन प्रदान कर दिया है। दूसरे अहम फैसले में उपनल द्वारा प्रायोजित कर्मियों को प्रथम चरण में 10 वर्ष की निरंतर सेवा पूर्ण करने वाले उपनल कर्मियों को समान कार्य के लिए समान वेतन से संबंधित लाभ प्रदान करने का निर्णय है। इसमें कैबिनेट की उप समिति द्वारा की गई संस्तुतियों पर कैबिनेट द्वारा विचार कर निर्णय लिया गया कि राज्य की आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए उपनल के माध्यम से कार्यरत उपनल कर्मियों को चरणबद्ध रूप से समान कार्य के लिए समान वेतन से संबंधित लाभ प्रदान किए जाएंगे और प्रथम चरण में उपनल द्वारा प्रायोजित ऐसे उपनल कर्मियों, जिनके द्वारा 10 वर्ष की निरन्तर सेवायें पूर्ण कर ली गई हों, को वेतन से संबंधित लाभ अनुमन्स कराए जाने का निर्णय लिया गया।

(संबंधित पेज-2)

यूसीसी उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2025 पर बनी सहमति

समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड 2024, 27 जनवरी 2025 से सम्पूर्ण प्रदेश में लागू है। समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड 2024 के लिए गठित समिति द्वारा की गयी संस्तुति/अनुशंसाओं के आधार पर तथा मूल संहिता के कतिपय प्रावधानों के क्रियान्वयन में आ रही व्यावहारिक कठिनाईयों व लिपिकीय त्रुटियों के समाधान हेतु मूल संहिता में अध्यादेश के माध्यम से आवश्यक संशोधन किए जाने का कैबिनेट ने अनुमोदन प्रदान किया है।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली : लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटर पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े बाइक सवार दो शार्पशूटरों को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों पर राष्ट्रीय राजधानी में हाल ही में हुई गोलीबारी की दो घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। आरोपियों ने सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात दो अलग-अलग जगहों पर गोलीबारी की थी। पकड़े गए आरोपियों में से एक व्यक्ति नाबालिग है और दूसरे की पहचान दीपक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उत्तरी दिल्ली में एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद दोनों को पकड़ा गया।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने पुंछ में आतंकी सरगना की संपत्ति कुर्क की

मेंढर/पुंछ। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को पुंछ जिले में, पाकिस्तान में मौजूद एक आतंकी सरगना की अचल संपत्ति कुर्क कर दी। मंडी पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में अदालत के निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की गई। कुर्क की गई संपत्ति मंडी तहसील में स्थित 10 कनाल और 14 मरला (लगभग 58,261.5 वर्ग फुट) जमीन है, जिसका अनुमानित मूल्य 22.05 लाख रुपये है। यह जमीन चैंबर कनारी निवासी अब्दुल अजीज की है। वह वर्तमान में पाकिस्तान में आतंकी सरगना के रूप में सक्रिय है।

ईडी अधिकारियों पर दर्ज प्राथमिकी पर सुप्रीम रोक, ममता को नोटिस

शीर्ष कोर्ट बोली- एजेंसी के काम में रुकावट न डालें, अन्य शीर्ष अधिकारियों से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने ईडी के इस आरोप को गुरुवार को बेहद गंभीर बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उसकी जांच में बाधा पैदा की। कोर्ट ने इस बात की समीक्षा करने पर सहमति जताई कि क्या किसी राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियां किसी गंभीर अपराध के मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में हस्तक्षेप कर सकती हैं। कोर्ट ने बंगाल में उन ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगा दी है जिन्होंने आठ जनवरी को आई-पैक कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा था।

उसने राज्य पुलिस को छापेमारी की कार्रवाई की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने मुख्यमंत्री बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, डीजीपी राजीव कुमार और शीर्ष पुलिस अधिकारियों को ईडी की उन याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है, जिनमें आई-पैक परिसर में छापेमारी में बाधा डालने के आरोप में उनके खिलाफ सीबीआई की जांच का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा, हमें लगता है कि देश में कानून के शासन का पालन सुनिश्चित करने और प्रत्येक अंग को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति देने के लिए इस मुद्दे की समीक्षा करना आवश्यक है ताकि अपराधियों को किसी विशेष राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की छत्रछाया में संरक्षण न मिल सके। उसने कहा, इसमें बड़े सवाल शामिल हैं और उठाए गए हैं, जिन्हें अगर अनसुलझा छोड़ दिया जाए तो स्थिति और बिगड़ जाएगी तथा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग संगठनों के शासन को देखते हुए किसी न किसी राज्य में अराजकता की स्थिति बनी रहेगी। कहा कि किसी राजनीतिक दल के चुनावी काम में हस्तक्षेप करने की शक्ति किसी केंद्रीय एजेंसी के पास नहीं है लेकिन साथ ही यदि केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए सद्भावना से काम कर रही हैं, तो सवाल उठता है कि क्या दलगत गतिविधि की आड़ में एजेंसियों को अपने कर्तव्य निभाने से रोका जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन फरवरी की तारीख तय की गई है।

आई-पैक छापेमारी मामला

हाईकोर्ट में भीड़ के उमड़ने पर शीर्ष कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- जैसे कि यह जंतर-मंतर हो

नई दिल्ली। कलकत्ता हाईकोर्ट में नौ जनवरी को अनियंत्रित भीड़ के कारण हुई अव्यवस्था और हंगामे पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चिंता जताई। ईडी द्वारा आई-पैक के कार्यालय में की गई तलाशी और जब्ती से संबंधित मामलों की निर्धारित सुनवाई हंगामे के कारण स्थगित करनी पड़ी थी। ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि तृणमूल कांग्रेस के कानूनी प्रकोष्ठ ने व्हाट्सएप संदेश प्रसारित किए थे, जिसमें लोगों से अदालत में इकट्ठा होने के लिए कहा गया था। मेहता ने कहा, कृपया इस मामले में जो हुआ उसे देखें। हमने उच्च न्यायालय का रुख किया। यही होता है जब भीड़तंत्र लोकतंत्र की जगह ले लेता है। उच्च न्यायालय में यही चीज हुई। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में वकील और अन्य लोग अदालत कक्ष में घुस आए और हंगामा किया।

ममता बोलीं-आई-पैक परिसर में सीएम के तौर पर नहीं, बल्कि तृणमूल अध्यक्ष के तौर पर गई थी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शीर्ष कोर्ट से कहा कि वह तृणमूल कांग्रेस के चुनावी कार्य का जिम्मा संभाल रहे प्रतीक जैन के कार्यालय में कुछ अनधिकृत व्यक्तियों के घुसने की सूचना मिलने के बाद आई-पैक परिसर गईं थीं। बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा कि उनकी मुवक्किल आई-पैक के परिसर में मुख्यमंत्री की हैसियत से नहीं, बल्कि तृणमूल की अध्यक्ष के रूप में गई थीं। आई-पैक पश्चिम बंगाल में चुनावों का काम देखता है। पार्टी ने 2021 में आई-पैक के साथ एक औपचारिक अनुबंध किया था। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि ईडी को इसके बारे में पता है। आई-पैक के पास डेटा की एक श्रृंखला रखी है।

अब हाईलेवल एसआईटी 12 पुलिसकर्मी गढ़वाल रेंज में किए स्थानांतरित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: काशीपुर के किसान सुखवंत सिंह आत्महत्या प्रकरण में अब आईजी एसटीएफ डॉ. नीलेश आनंद भरणे की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। वहीं, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए 12 पुलिसकर्मियों को तत्काल कुमाऊं रेंज से गढ़वाल रेंज के चमोली एवं रुद्रप्रयाग जिले में ट्रांसफर किया गया है।

जनपद ऊधमसिंह नगर के ग्राम पैगा (थाना आईटीआई) निवासी सुखवंत सिंह ने विगत 10/11 जनवरी की रात काठगोदाम के एक होटल में कथित तौर पर जमीन से जुड़े विवाद में स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। अपर पुलिस महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) डॉ. वी मुरूगेशन की तरफ से गुरुचार को जारी आदेश में सुखवंत द्वारा मरने से पूर्व जारी वीडियो और ई-मेल में अंकित तथ्यों के विस्तृत परीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रकरण से संबंन्धित अभियोगों की गहन विवेचना के लिए पुलिस महानिरीक्षक एसटीएफ डॉ. नीलेश आनन्द भरणे की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय एसआईटी में एसपी चम्पावत अजय गणपति, क्षेत्राधिकारी टनकपुर वन्दना, निरीक्षक/विवेचक दिवान सिंह, जनपद चम्पावत एवं उपनिरीक्षक मनीष खत्री, चम्पावत को शामिल किया गया है।

सुखवंत सुसाइड केस

- आईजी एसटीएफ नीलेश आनंद होंगे 5 सदस्यीय एसआईटी के प्रभारी

इन पर हुई कार्रवाई

एडीजी के अनुसार, इस प्रकरण में थाना आईटीआई और चौकी पैगा के निलंबित और लाइन हाजिर किए पुलिसकर्मियों– एसआई कुंदन सिंह रौतेला, प्रकाश बिष्ट, हेड कांस्टेबल शेखर बनकोटी कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह, दिनेश तिवारी व सुरेश चंद्र को चमोली जबकि एसआई जितेंद्र कुमार, एएसआई सोमवीर सिंह, कांस्टेबल योगेश चौधरी, राजेंद्र गिरी, दीपक प्रसाद और संजय कुमार को रुद्रप्रयाग ट्रांसफर किया गया है। इस प्रकरण से सम्बन्धित सोशल मीडिया में प्रसारित वीडियो एवं मृतक द्वारा ई-मेल के माध्यम से की गयी शिकायत, जिसमें स्थानीय व्यक्तियों तथा जनपद ऊधमसिंह नगर पुलिस के अधिकारियों/कर्मियों के विरुद्ध कतिपय आरोप लगाए गए हैं, उक्त आरोपों के तथ्यों का विस्तृत परीक्षण कर कार्रवाई की जाएगी।

कंटेनर से टकराया एआई का विमान, इंजन क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

- पार्किंग के लिए ले जाते समय कोहरे के कारण हुआ हादसा, यात्री-क्रू सुरक्षित

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को सुबह घने कोहरे के बीच, कार्गो कंटेनर से टकराकर एअर इंडिया का ए350 विमान का दाहिना इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। एयरलाइन ने कहा कि विमान को विस्तृत जांच के लिए उड़ान सेवा से अस्थायी रूप से हटा दिया गया है और ए350 विमान की उड़ान वाले कुछ मार्गों पर संभवतः व्यवधान आ सकता है।

एयरलाइन ने कहा, दिल्ली से न्यूयॉर्क (जेएफके) जाने वाली उड़ान एआई101 को ईरान के हवाई क्षेत्र के अप्रत्याशित रूप से बंद होने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद, दिल्ली लौटना पड़ा, जिससे उसका निर्धारित मार्ग प्रभावित हुआ। दिल्ली में उतरने पर, घने कोहरे के बीच, विमान को टर्मिनल तक ले जाने के दौरान यह एक वस्तु से टकरा गया, जिसके परिणामस्वरूप उसके दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा। विमान को निर्धारित पार्किंग स्थल पर सुरक्षित रूप से खड़ा कर दिया गया, जिससे विमान में सवार सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

ईरान का हवाई क्षेत्र बंद होने से एअर इंडिया और इंडिगो की कई उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। ईरान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण एअर इंडिया और इंडिगो ने गुरुवार को अपनी कुछ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि कई सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

अधिकारियों के अनुसार, अमेरिका और यूरोप जाने वाली एअर इंडिया की उड़ानें व सीआईएस देशों, यूरोप और तुर्किये के लिए इंडिगो की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। स्पाइसजेट ने भी परामर्श जारी करते हुए कहा कि ईरान का हवाई क्षेत्र बंद होने से कुछ उड़ानों पर असर पड़ेगा। टाटा समूह की एअर इंडिया ने अमेरिका के लिए तीन उड़ानें रद्द कर दी हैं, जबकि यूरोप के लिए उसकी कुछ सेवाओं के संचालन में देरी होगी।

रामनगर में युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या

संवाददाता, रामनगर

- बुधवार से था लापता, गूलरघट्टी क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात

अमृत विचार : रामनगर में बुधवार शाम से लापता एक युवक का गुरुवार सुबह खून से लथपथ हालत में शव मिलने से सनसनी फैल गई। दिल दहलाने वाली इस घटना में युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, समीर उर्फ लक्की (18) पुत्र छिद्दन निवासी आदर्श नगर कॉलोनी, रामनगर बुधवार शाम करीब सात बजे घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा था। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, मगर कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह रामनगर के मोहल्ला गूलरघट्टी के पास भगवान दास की चक्की के पीछे, सिंचाई नहर के किनारे एक युवक का खून से लथपथ शव पड़े होने की सूचना स्थानीय लोगों ने कोतवाली पुलिस को दी। रामनगर कोतवाल सुशील कुमार मौके पर पहुंचे। शव की शिनाख्त लापता समीर के रूप में की गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक समीर के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। समीर के बड़े भाई इमरान ने आरोप लगाया कि उसके भाई की अज्ञात लोगों ने बेरहमी से हत्या की है। दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि, युवक के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने मौके से कई साक्ष्य एकत्रित किए हैं। प्रारंभिक जांच में यह आपसी विवाद का मामला माना जा रहा है।

एग्जिट पोल में बीजेपी-शिंदे सेना का बीएमसी पर कब्जा

मुंबई, एजेंसी

- उद्धव और राज ठाकरे रहेंगे विपक्ष में, शाम साढ़े पांच बजे तक 50 प्रतिशत हुआ मतदान

महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में गुरुवार को वोटिंग खत्म हो गई है। मतदान के बाद आए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के 3 एग्जिट पोल में भाजपा गठबंधन को बहुमत मिलने का अनुमान है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवेसना को 130 से 150 सीटें मिल सकती हैं।

बहुमत के लिए 114 की जरूरत है। वहीं, कांग्रेस गठबंधन को 60 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य के खाते में 5 से 7 सीटें आ सकती हैं। नतीजे शुक्रवार को आएंगे। स्टेट इलेक्शमन कमिश्नर दिनेश वाघमारे ने कहा कि सभी नगर निगम में शाम 5:30 वोटिंग खत्म हुई। करीब 50% मतदान का अनुमान है हालांकि अंतिम आंकड़े बाद में जारी होंगे।

उंगली की स्याही मिटाने का वीडियो वायरल होने पर बवाल, जांच शुरू

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा कि बीएमसी चुनाव में मतदान के दौरान उंगलियों पर लगाई गई स्याही लोगों द्वारा मिटाए जाने के वायरल वीडियो की जांच चल रही है और झूठा विमर्श फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर आम मतदाताओं, नेताओं के ऐसे कई वीडियो सामने आये, जिनमें वे मतदान के बाद अपनी उंगलियों पर लगी पक्की स्याही को एसीटोन से मिटाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वाघमारे ने कहा कि स्याही को सूखने में समय लगता है और इसे मिटाना नहीं चाहिए।

सम्मेलन

प्रधानमंत्री ने कहा– भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया

भारत में लोकतंत्र सफल है क्योंकि शासन के केंद्र में जनता है : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया है और दुनिया को दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं उसके विकास को स्थिरता, गति तथा स्तर (स्केल) प्रदान करते हैं। राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) का उद्घाटन करते हुए, मोदी ने यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र सफल है क्योंकि शासन के केंद्र में देश की जनता है।

भारतीय लोकतंत्र एक बड़े पेड़ की तरह है जिसकी जड़ें गहरी हैं। मोदी ने कहा, भारत में, लोकतंत्र का मतलब है अंतिम पायदान तक सेवाओं की पहुंच। उन्होंने कहा कि जन कल्याण की भावना के साथ उठाए गए सरकार के कल्याणकारी कदम बिना भेदभाव के सभी लोगों तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा, इस भावना की वजह से 25 करोड़ लोग पिछले कुछ साल में गरीबी से बाहर आए हैं। भारत में लोकतंत्र सफल है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब भारत को आजादी मिली, तो कई लोगों को संदेह था कि देश की इतनी अधिक विविधता के बीच लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। हालांकि, यही विविधता भारतीय लोकतंत्र की शक्ति बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा, यह भी संशय था कि लोकतंत्र ने जड़ें जमा भी लीं, तो भी भारत को आगे बढ़ने में मुश्किल होगी। इन संशयों के उलट, भारत ने दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं उसके विकास को स्थिरता, स्केल और गति प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है जहां यूपीआई के साथ सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान प्रणाली भी है। उन्होंने कहा कि भारत सबसे बड़ा वैक्सीन विनिर्माता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता भी है और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम है। मोदी ने कहा कि देश में तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार, चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है।

यह सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा धान उत्पादक देश भी है। संविधान सदन (पुराने संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में 14 से 16 जनवरी तक आयोजित हो रहे सीएसपीओसी में 42 राष्ट्रमंडल देशों के 61 स्पीकर और पीठासीन अधिकारी भाग ले रहे हैं। चौथी बार भारत इस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

भारत दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता भी है और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम है। मोदी ने कहा कि देश में तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार, चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। यह सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा धान उत्पादक देश भी है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

स्टेट ब्रीफ

कैबिनेट मंत्री ने किया शिलान्यास

देहरादून : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के भगवन्तपुर स्थित वैभव फार्म में 54.49 लाख रुपये की लागत से आंतरिक सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। इस मौके पर जोशी ने कहा कि क्षेत्र में आंतरिक सड़कों के निर्माण से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के समग्र विकास को गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण होगा। कैबिनेट मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने को कहा है, ताकि जनता को इसका जल्द लाभ मिल सके। उन्होंने मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजना के तहत वाणी स्वयं सहायता समूह को 80 प्रतिशत अनुदान पर फार्म मशीनरी बैंक का वितरण भी किया।

पौड़ी में शिविर का आयोजन

पौड़ी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में चलाए जा रहे जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड एकेश्वर की न्याय पंचायत पंचुर के पंचायत भवन इसोटी में गुरुवार को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया, जहां 26 शिकायतें दर्ज हुईं, जबकि विभिन्न विभागीय योजनाओं के माध्यम से 182 से अधिक ग्रामीणों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। शिविर में लगभग 531 ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया। शिविर में स्वास्थ्य, समाज कल्याण, बाल विकास, वन, राजस्व, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, पशुपालन, कृषि, उद्यान सहित कुल 23 विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए।

आज पुलिस मुख्यालय घेरेगी कांग्रेस

देहरादून : किसान आत्महत्या मामले में कांग्रेस ने आज शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय का घेराव करने का एलान किया है। प्रदेश महामंत्री संगठन राजेंद्र भंडारी ने गुरुवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि ऊधमसिंह नगर में किसान के आत्महत्या किए जाने का मामला काफी गंभीर है। वहां के किसान सुखवंत सिंह ने चार करोड रुपए की वित्तीय धोखाधड़ी होने के बाद आत्महत्या करके अपनी जान दे दी, जिसके बाद से यह मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आह्वान किया है कि सभी कांग्रेसी इस गंभीर विषय पर राज्य के पुलिस मुख्यालय का घेराव करेंगे, और राज्य के पुलिस महानिदेशक से मुलाकात करके उन्हें ज्ञापन सौंपेंगे।

पीएसडी कैबिनेट के हर वर्ग के लिए अहम फैसले

सेंटर ऑफ हिंदू स्टडीज की स्थापना व संचालन के लिए 6 पदों का सृजन, सीएम चैम्पियन ट्रॉफी को 5 लाख का पुरस्कार होगा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में जनहित से जुड़े 19 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी।

कैबिनेट ने दी 18 पदों को मंजूरीः कैबिनेट ने दून विवि देहरादून में हिन्दू अध्ययन केंद्र (सेंटर ऑफ हिंदू स्टडीज) की स्थापना एवं संचालन हेतु 4 शैक्षिक (प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर 1-1 पद एवं असिस्टेंट प्रोफेसर 2 पद) तथा 2 शिक्षणेत्तर सहित 6 पदों का सृजन करने का अनुमोदन दिया है जबकि यू-कॉस्ट में उप आंचलिक विज्ञान केन्द्र, अल्मोड़ा एवं विज्ञान केन्द्र, चम्पावत के लिए 12 पद सृजित होंगे।

खेल महाकुंभ में ट्रॉफी व पुरस्कार राशि को मंजूरीः युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग में संचालित योजना खेल महाकुम्भ के अन्तर्गत होने वाली खेलकूद प्रतियोगिताओं में विधानसभा स्तर पर विधायक चैम्पियनशिप ट्रॉफी तथा एक लाख की प्रोत्साहन राशि, संसदीय क्षेत्र स्तर पर सांसद चैम्पियनशिप ट्राफी तथा दो लाख की प्रोत्साहन राशि एवं राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी तथा पांच लाख रुपये की पुरस्कार धनराशि प्रदान करने की कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

ब्रिडकुल के कार्यों का विस्तारः उत्तराखंड राज्य अवस्थापना विकास निगम (ब्रिडकुल) के कार्यों में विस्तार करते हुए ब्रिडकुल को रोपवे, आटोमेटेड/मैकेनाइज्ड कार पार्किंग, टनल/कैविटी पार्किंग से सम्बन्धित निर्माण कार्यों हेतु राज्य की कार्यदायी संस्थाओं की सूची में सम्मिलित किया जाएगा।

कैबिनेट में लिए गये निर्णयों की जानकारी देते शासन के वरिष्ठ अधिकारी।

चीनी मिलों को शासकीय प्रत्याभूति

पेराई सत्र 2025-26 में राज्य की सहकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की चीनी मिलों को बैंको से ऋण लेने हेतु शासकीय प्रत्याभूति प्रदान करने का अनुमोदन दिया गया। इसमें डोईवाला, किच्छा, नादेही व बाजपुर मिलों को 270.28 करोड़ रुपये की शासकीय प्रत्याभूति प्रदान की है। यानी मौजूदा पेराई सत्र के लिए प्रदेश की चीनी मिलों को बैंकों से ऋण लेने के लिए शासकीय प्रतिभूति प्रदान की जाएगी।

मंत्रिमंडल की बैठक में ये भी हुए फैसले

- निर्वाचन विभाग में निजी सचिव संवर्ग की सेवा नियमावली अनुमोदित।
- संस्कृत प्रदेश उत्तराखंड में संस्कृत प्रचार-प्रसार हेतु संस्थापित प्रतिष्ठान का नाम शुद्ध, संस्कारित व संस्कृतनिष्ठ करने के लिए उत्तराखंड संस्कृत अकादमी का नाम अब 'उत्तराखंड संस्कृत संस्थानम्' होगा।
- पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लि. के वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक वित्तीय प्रतिवेदन को विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा।
- उत्तराखंड वन विकास निगम के वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं वर्ष 2022-23 के वार्षिक लेखों की सम्परीक्षा विधानसभा को प्रस्तुत होगी
- बागवानी मिशन योजनान्तर्गत एन्टीहेल नेट योजना पर भारत सरकार द्वारा देय 50 प्रतिशत राज्य सहायता के अतिरिक्त राज्यांश के रूप में 25 प्रतिशत अतिरिक्त राज सहायता प्रदान की जाएगी।
- उत्तराखंड की पंचम विधानसभा के वर्ष 2026 का प्रथम सत्र आहूत करने हेतु कैबिनेट ने मुख्यमंत्री को अधिकृत किया।
- उत्तराखंड दस्तावेजों की सूची प्रारूप नियमावली, 2025 का अनुमोदन।
- श्री केदारनाथ धाम में खच्चर के गोबर को पर्यावरण अनुकूल ईंधन पेलेट में परिवर्तित करने सम्बन्धित पायलट प्रोजेक्ट को संचालित करने का हुआ अनुमोदन।

उत्तराखंड पर्यटन पंजीकरण नियमावली-2026 को मंजूरी

राज्य में पर्यटन व्यवसाय के पंजीकरण एवं विनियमन हेतु उत्तराखंड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली-2014 तथा संशोधन नियमावली-2016 पूर्व से प्रभावी है। साथ ही, होम स्टे के विनियमन हेतु एक पृथक अतिथि उत्तराखंड गृह आवास (होम-स्टे) पंजीकरण नियमावली-2015 (समय-समय पर यथासंशोधित), उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद द्वारा अधिसूचित की गई है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में पर्यटन गतिविधियों के पंजीकरण हेतु एकाधिक नियमावलियां प्रभावी होने जैसी स्थिति बन रही थी। उक्त स्थिति का समुचित समाधान करते हुए तथा उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय निवासियों के अपने स्वामित्व वाले परिसर में स्वावलंबी स्व-रोजगार अव्यवसायिक दरों पर प्रदान किये जाने एवं उत्तराखंड के स्थानीय निवासियों के इतर व्यक्तियों हेतु रोजगार/व्यवसाय प्रदान करने के लिए उत्तराखंड पर्यटन, यात्रा व्यवसाय, होम स्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण नियमावली-2026 प्रख्यापित करने का कैबिनेट ने अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

गन्ना कमीशन की दर पर सहमति

राज्य की चीनी मिलों द्वारा पेराई सत्र 2025-26 में क्रय किए जाने वाले गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य एवं गन्ना विकास अंशदान (कमीशन) की दर निर्धारित। गन्ने की अगेती प्रजाति हेतु 405 रुपये क्विंटल और सामान्य प्रजाति 395 रुपये प्रति क्विंटल परामर्शित मूल्य को मिली मंजूरी

सीएस ने परखी पीएम मोदी की परियोजनाओं की प्रगति

देहरादूनः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न अवसरों पर शिलान्यास की गयी परियोजनाओं की प्रगति की गुरुवार को मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में समीक्षा की। साथ ही, विभिन्न विभागों के अंतर्गत इन योजनाओं से सम्बन्धित भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने सम्बन्धित विभागों को इन परियोजनाओं की निरन्तर निगरानी कर निर्धारित समय पर पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए हैं।

कहा कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो गयी हैं, परन्तु अभी लोकार्पण नहीं हुआ है, ऐसी परियोजनाओं का शीघ्र से शीघ्र लोकार्पण कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को परियोजना का उचित लाभ मिल सके। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री द्वारा विभिन्न विभागों की 22015.76 करोड़ लागत की 91 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है, जिनमें से 18 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। छह का लोकार्पण हो चुका है, 12 लोकार्पण होना अभी बाकी है।

268 असिस्टेंट प्रोफेसर के स्थायीकरण को मिली मंजूरी

- द्विवर्षीय परवीक्षा अवधि पूर्ण कर चुके हैं ये असिस्टेंट प्रोफेसर

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः उच्च शिक्षा विभाग के 268 असिस्टेंट प्रोफेसर के स्थायीकरण को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विभाग द्वारा प्रस्तुत स्थायीकरण प्रस्ताव को अनुमोदन दे दिया है।

प्रदेशभर के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों में तैनात विभिन्न विषयों के इन असिस्टेंट प्रोफेसर ने दो वर्ष की परवीक्षा अवधि संतोषजनक पूर्ण कर दी है। स्थायीकरण का लाभ लेने वाले असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति विभागान्तर्गत वर्ष 2020 से वर्ष 2022 में हुई है जिन्हें सरकार द्वारा उत्तराखंड सरकारी सेवकों की स्थायीकरण नियमावली-2002 के तहत लाभान्वित किया गया है। 13 विभिन्न विषयों के इन असिस्टेंट प्रोफेसर में राजनीति विज्ञान के 71, शिक्षा शास्त्र 26, संस्कृत 35, हिन्दी 71, समाजशास्त्र 5, इतिहास 4, भूगोल व भौतिक विज्ञान 2-2, अर्थशास्त्र 35, गृह विज्ञान 13 तथा रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान व अंग्रेजी में 1-1 असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल है।

उच्चतर शिक्षा (समूह 'क') सेवा नियमावली-2003 के तहत ऐसे शिक्षकों की नियुक्ति को स्थायी करने का प्रावधान है, जिनका कार्य और आचरण अच्छा हो, उनकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित हो और नियुक्ति प्राधिकारी को यह समाधान हो कि शिक्षक को स्थायी करना उपयुक्त है। राज्य सरकार का स्पष्ट मानना है कि शिक्षकों को सुरक्षित, स्थायी एवं सम्मानजनक सेवा वातावरण उपलब्ध कराना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बुनियाद है। प्राध्यापकों के स्थायीकरण से न केवल उनकी सेवा सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षणिक निरंतरता और अकादमिक गुणवत्ता भी और अधिक मजबूत होगी।

आईटीबीपी और सरकार के बीच हुआ समझौता

- सीएम धामी की मौजूदगी में हुए दोनों विभागों की तरफ से एमओयू पर हस्ताक्षर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास पर उत्तराखंड शासन और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के बीच स्वस्थ सीमा अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उद्देश्य पिथौरागढ़, चमोली एवं उत्तरकाशी जिलों में स्थित 108 सीमावर्ती गांवों में रहने वाली नागरिक आबादी को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। यह अभियान पहले चरण के रूप में शुरू किया जा रहा है, जिसके माध्यम से दुर्गम एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित किया जाएगा। समझौता ज्ञापन के तहत देहरादून स्थित आईटीबीपी मुख्यालय उत्तरी सीमांत को प्रथम पक्ष और चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखंड सरकार को द्वितीय पक्ष के रूप में नामित किया गया है। समझौते के अनुसार, आईटीबीपी की तरफ से योग्य चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ तथा उपलब्ध एमआई रूम, टेली-मेडिसिन सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीमावर्ती गांवों का नियमित भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। साथ ही लाभार्थियों के मेडिकल हेल्थ कार्ड,रिकॉर्ड का रख-रखाव, उपकरणों, दवाइयों तथा चिकित्सा सामग्रियों का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ सीमा अभियान सीमावर्ती क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल है। यह स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ सीमावर्ती गांवों में विश्वास, सुरक्षा और स्थायित्व को भी बढ़ावा देगा। सरकार सीमांत क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और यह एमओयू उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कहा कि यह पहल वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को प्रभावी रूप से सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है तथा 'वोकल फॉर लोकल' की अवधारणा को व्यवहारिक धरातल पर साकार कर रही है। पॉइंट टू पॉइंट मॉडल के माध्यम से किसानों से सीधी खरीद सुनिश्चित की गई है, जिससे 550 से अधिक सीमावर्ती निवासी लाभान्वित हुए हैं और ठेकेदार एवं दलाल प्रणाली को पूर्णतः समाप्त करते हुए किसी भी प्रकार के मिडिल मैन की भूमिका नहीं रही है।

सीएम ने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है तथा पूरे वर्ष ऑर्गेनिक, ताज़ी एवं निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जिसमें बरसात एवं सर्दियों जैसे कठिन मौसम भी शामिल हैं। यह पहल रिवर्स माइग्रेशन को प्रोत्साहित करने में सहायक सिद्ध हो रही है, क्योंकि स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्रों में आजीविका के स्थायी अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह व्यवस्था अत्यंत लाभकारी है, क्योंकि इससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। समग्र रूप से यह पहल 17 सतत विकास लक्ष्यों में से 10 लक्ष्यों की सफल प्राप्ति में योगदान देती है, जो इसे सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से एक प्रभावशाली और सतत मॉडल बनाती है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सौरभ बहुगुणा, सचिव डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, आईजी आईटीबीपी संजय गुंज्याल व आईटीबीपी के अधिकारी उपस्थित रहे।

आईटीबीपी और सरकार के बीच हुए समझौते के दौरान मौजूद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और विभागीय अधिकारी।

उपनल कर्मियों ने सीएम का जताया आभार

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय में गुरुवार को उपनल कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। इस अवसर पर उपनल कर्मचारियों ने समान कार्य-समान वेतन के संबंध में राज्य मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री एवं प्रदेश सरकार के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

उपनल कर्मचारियों ने कहा कि यह निर्णय लंबे समय से चली आ रही उनकी मांगों को पूरा करने के साथ-साथ उनके सम्मान और आर्थिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस फैसले से प्रदेश के हजारों उपनल कर्मचारियों में उत्साह एवं विश्वास का वातावरण बना है। मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार उपनल कर्मियों के हितों की रक्षा, उनके सम्मान और भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उपनल कर्मचारी राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनके योगदान को सरकार पूरी गंभीरता से मान्यता देती है। सरकार कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े सभी मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित अनुसंधान बढ़ाएं

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि, आईआईटी रुड़की के व्यावहारिक और जनोपयोगी शोध समाज, कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विशेष रूप से शहद, मिलेट्स, बद्री तुलसी और उत्तराखंड की पारंपरिक फसलों, स्थानीय उत्पादों और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित अनुसंधान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से गुरुवार को आईआईटी रुड़की के डीन (अकादमिक) प्रो. डॉ. नवीन के. नवानी तथा विजिटिंग प्रोफेसर डॉ. एचसी. पोखरियाल ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने आईआईटी रुड़की में किए जा रहे उन प्रमुख शोध कार्यों की जानकारी दी, जो आम जनजीवन से सीधे जुड़े हुए हैं। इन शोधों का उद्देश्य बेहतर पोषण, सुरक्षित भोजन, किसानों की आय में वृद्धि, पशुपालन में सुधार तथा एंटीबायोटिक के अनावश्यक उपयोग को कम करना है।

प्रो. नवानी ने बताया कि मोटे अनाजों से तैयार प्रोबायोटिक युक्त मिलेट ब्रेड स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होने के कारण यह मधुमेह रोगियों के लिए भी उपयोगी हो सकती है। उन्होंने बुरांश से तैयार स्वदेशी पेय 'रोडोबूस्ट' के बारे में भी जानकारी दी, जो आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा खाद्य जनित रोगों से बचाव में सहायक है।

उत्तराखंड की स्थानीय लाखोरी मिर्च पर किए गए शोध का उल्लेख करते हुए बताया कि इसमें पाए जाने वाले प्राकृतिक तत्वों में रोगाणुरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जिससे इसकी औषधीय और पोषण संबंधी उपयोगिता सिद्ध होती है। इसके अतिरिक्त शहद की शुद्धता और मिलावट की पहचान से जुड़े शोध के बारे में बताया गया, जिससे उपभाक्ताओं को शुद्ध शहद उपलब्ध कराने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

राज्यपाल गुरमीत सिंह के साथ डीन डॉ. नवीन के. नवानी व डॉ. एचसी पोखरियाल।

कुंभ से पहले हरिद्वार में गैर हिंदू प्रवेश निषेध हो

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचारः हरिद्वार में आगामी कुंभ मेले से पहले कुंभ क्षेत्र और हर की पौड़ी सहित गंगा घाटों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की मांग तेज हो गई है।

श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने इस संबंध में गुरुवार को कहा कि गैर हिंदू प्रवेश निषेध की मांग किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन परंपरा, मां गंगा की धार्मिक अस्मिता और हर की पौड़ी की पवित्र व्यवस्था से जुड़ा विषय है। गौतम ने कहा कि कुंभ क्षेत्र, हर की पौड़ी और आसपास के घाटों में किसी भी गैर-हिंदू व्यक्ति का प्रवेश नहीं होना चाहिए, चाहे वह सरकारी विभाग का कर्मचारी हो, किसी संस्था से जुड़ा हो या मीडिया कर्मी ही क्यों न हो।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1916 के म्युनिसिपल बायलॉज श्रद्धालुओं की भावनाओं के आधार पर बनाए गए थे और संवैधानिक अधिकारों के तहत इस व्यवस्था को लागू किया जाना चाहिए। गंगा सभा अध्यक्ष ने हाल की घटनाओं का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि कुछ लोग भेष बदलकर क्षेत्र में प्रवेश कर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दुविधा

वैज्ञानिकों का हौसला और दृढ़ इच्छाशक्ति पर निर्भर होगा जीवन

आसान नहीं मंगल पर जीवन बसाने की राह

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः मंगल ही एकमात्र हमारा नजदीकी ग्रह है, जहां खगोल वैज्ञानिक जीवन बसाने का सपना संजोए हुए हैं मगर इस वीरान भूमि में जीवन की राह आसान नहीं है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह ऐसी चुनौती है जो वैज्ञानिकों के बुलंद हौसले और दृश्य इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार, मंगल ग्रह का वातावरण अत्यंत कठोर है। वहां जीवन सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक बेहद जरूरी है। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगल पर वातावरण पृथ्वी की तुलना में सौ गुना पतला है, जो सांस लेने के लायक नहीं है। कम दबाव के कारण खून गर्म होने लगेगा और कुछ ही मिनटों में दम घुट जाएगा। घातक विकिरण (रेडिएशन) एक बड़ी बाधा है। इसका पतला वातावरण कॉस्मिक किरणों और सौर विकिरण से बहुत कम सुरक्षा दे पाता है जिस कारण कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। अत्यधिक ठंडा तापमान भी बड़ी समस्या है। शीतकाल में औसत तापमान लगभग माइनस 63 से 100 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है।

जहरीली धूल और बारीक तूफान, धूल में जहरीले रसायन होते हैं। धूल भरे तूफान महीनों तक चल सकते हैं, जो सूर्य की रोशनी तक रोक देते हैं। मंगल पर कम गुरुत्वाकर्षण भी एक बड़ा कारण है, जो जीवन की राह मुश्किल बनाता है। मंगल पर गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी का केवल 38 प्रतिशत है। जिससे लंबे समय में हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर होना, दिल की समस्याएं और प्रजनन जैसी समस्या उत्पन्न करता है। इन परिस्थितियों में जीवन आसान नहीं है।

नासा द्वारा जारी मंगल ग्रह की तस्वीर।

मंगल की परिस्थितियों को आसान बनाने में जुटा नासा

नैनीताल : वैज्ञानिक डॉ. पांडे कहते हैं कि मंगल की चुनौतियों से पार पाने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिक जुटे हुए हैं। इसके लिए नासा ने आर्टेमिस मिशन बनाया है। मिशन में मंगल ग्रह की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कई वर्षों से मिशन की तैयारियां चल रही हैं। आर्टेमिस पहला मानव मिशन होगा, जो मानव को मंगल की धरती पर पहुंचाएगा।

8 फरवरी को होगी महापंचायत, एलान

देहरादूनः चर्चित अंकिता प्रकरण में अंकिता न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष समिति मंच ने देहरादून में आठ फरवरी को महापंचायत बुलाने का ऐलान किया है।

देहरादून के कचहरी परिसर स्थित शहीद स्मारक में गुरुवार को मंच की बैठक में सर्वसम्मति से सामाजिक संगठनों और जन सरोकारों से जुड़े संगठनों की तरफ से यह निर्णय लिया गया कि आठ फरवरी को देहरादून में एक विशाल महा पंचायत आयोजित की जाएगी। मंच से जुड़ी कमला पंत ने कहा कि जब तक अंकिता को पूरा न्याय नहीं मिल जाता है तब तक संघर्ष जारी रहेगा। सभी संगठनों ने इस मामले की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की निगरानी में सीबीआई जांच कराने की मांग उठायी है।

संगध सेक्टर में मिलेगा डिप्लोमा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सगंध पौधा केंद्र का निरीक्षण करने के दौरान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में तैयार किए जा रहे सेटेलाइट सेंटर्स को शीघ्र शुरू करने और परफ्यूमरी एंड ऐरोमेटिक सेक्टर में उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास के अंतर्गत डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेशन कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए।

सीएस ने केंद्र को और मजबूत करने पर जोर दिया ताकि वह प्रदेश भर में अपनी गतिविधियां बढ़ा सके। कहा कि हाई वैल्यू फसलों के उत्पादन और प्रसंस्करण से किसानों की आर्थिकी में बेहतर सुधार हो सकता है। उन्होंने केंद्र द्वारा प्रदेश के किसानों को डोर स्टेप सहायता उपलब्ध कराने पर बल दिया। सभी जनपदों में उनकी जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप एरोमैटिक फसलों का चयन कर प्रदेश के अधिक से अधिक किसानों को इसमें जोड़े जाने के निर्देशों के साथ कहा कि किसानों को सगंध फसलों के उत्पादन में अपेक्षित सहयोग उपलब्ध कराया जाए। सीएस ने अन्य विभागों द्वारा संचालित फल एवं सब्जियों से जुड़े आजीविका योजनाएं भी इसमें शामिल करने को कहा। ज्यादा से ज्यादा किसान इस सगंध पौध उत्पादन और प्रसंस्करण कार्य से जुड़ें, इसके लिए सभी जनपदों में प्रशिक्षण और जागरुकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए।

सगंध पौधा केंद्र का निरीक्षण करते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन।

सिटी ब्रीफ

कक्षा एक से पांच तक के स्कूल आज व कल रहेंगे बंद

हल्द्वानी : डीएम ललित मोहन रयाल ने शीत लहर को देखते हुए 16 व 17 जनवरी को कक्षा एक से पांच तक के बच्चों का अवकाश घोषित किया है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि आज व कल हल्द्वानी, लालकुआं, कालाढूंगी और रामनगर में सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी, निजी स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश रहेगा। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि इसकी सूचना अभिभावकों को समय से दी जाए ताकि बच्चों को सर्दी के प्रकोप से बचाया जा सके।

बुलेट सवार दंपति को कार ने मारी टक्कर

हल्द्वानी : शनि बाजार रोड पर बुधवार रात एक कार सवार ने बुलेट सवार दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में बुलेट सवार दंपति समेत उनके छोटे बच्चे को चोट आ गई। घायलों का उपचार कर घर भेजा गया। जबकि चालक को हिरासत में लिया गया। पुलिस के मुताबिक देर रात को हादसा हुआ। कार का एक कोना पास लेने के चक्कर में शनि बाजार के पास बुलेट से लग गया। जिससे बुलेट सवार दंपति गिर गए। बुलेट चालक हसरत ने कहा कि कार चालक नशे में था। कोतवाल विजय मेहता का कहना है कि कार चालक हिरासत में है।

बनभूलपुरा से किशोर लापता, गुमशुदगी दर्ज

हल्द्वानी : बनभूलपुरा कोतवाली क्षेत्र से एक किशोर लापता हो गया। सुराग नहीं लगने पर परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक शायदा नाम की महिला ने तहरीर देकर कहा कि उनका 13 साल का बेटा मो. अली 13 जनवरी की रात आठ बजे घर से कहीं चला गया। तब से घर नहीं लौटा है, उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। एसएचओ डीएस फर्त्याल ने बताया कि मामले में तलाश चल रही है, शीघ्र किशोर को बरामद किया जाएगा।

आज के कार्यक्रम

1. कॉर्बेट क्रिकेट ग्राउंड चकलुवा में कोल्टस क्रिकेट क्लब व एचसीएफ के बीच मुकाबला 9 बजे
2. भाजपा की वीबी जीरामजी विधेयक को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला समर्थ गार्डन कमलुवागांजा में होगी 11 :30 बजे
3. भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रुचि चौहान भट्ट का वोटर संवाद कार्यक्रम मुखानी स्थित कुमाऊं संभाग कार्यालय में 4 बजे

सूखी ठंड से बेहाल हो गए मैदानी क्षेत्र, सुबह और शाम के समय छा रहा है कोहरा जो बढ़ा रहा है सर्दी का सितम

मुक्तेश्वर से ज्यादा ठंडा है हल्द्वानी, न्यूनतम पारा पहुंचा 0.5 डिग्री

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राज्य के मैदानी इलाकों में रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हल्द्वानी में भी यही हाल बना हुआ है। दोपहर के समय निकल रही धूप से राहत है लेकिन रात के समय पारे में भारी गिरावट आ रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार हल्द्वानी में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री दर्ज किया गया है जो सामान्य से पांच डिग्री कम है। जनवरी माह में दर्ज किया गया अभी तक का सबसे कम तापमान है। सर्दियों के मौसम में इस बार दूसरी बार ऐसा हुआ है कि रात को पारा एक डिग्री से नीचे पहुंचा है। दिन के समय धूप निकलने से लोगों को राहत मिल रही है।

अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री के आसपास है। रात और दिन के तापमान में करीब 10 डिग्री का अंतर दर्ज किया जा रहा है। मैदानी इलाकों में यह हाल हैं कि यहां पर पहाड़ों से भी कम न्यूनतम तापमान दर्ज हो रहा है। यहां सुबह और शाम के समय कोहरा भी छा रहा है। मैदानी इलाकों में घने कोहरे का ओरेंज अलर्ट 16 जनवरी को भी है। मुक्तेश्वर में गुरुवार को अधिकतम तापमान 17.9 डिग्री रहा तो वहीं न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री दर्ज किया गया है।

हल्द्वानी में गुरुवार को कोहरा छाने से दिन में लाइट चालू कर जाते वाहन चालक।

शीतलहर के प्रकोप से बचने के लिए घर के बाहर आग जलाकर हाथ तापते लोग।

21 जनवरी तक सक्रिय हो रहा है पश्चिमी विक्षोभ

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार शुक्रवार से राज्य के कई पर्वतीय जिलों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर आदि जिलों में बारिश होने के आसार बन रहे हैं और साथ ही 3200 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है। 21 जनवरी तक मौसम इसी तरह का बना रहेगा। हिमालय में कम बर्फ का जो माहौल बना हुआ है, ऐसे में अगले पांच दिन बहुत ही उम्मीद भरे हैं। हालांकि अगर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई तो आने वाले दिनों में मैदानी इलाकों में सर्द हवा से पारा और गिरेगा।

11.4 डिग्री अधिकतम दर्ज किया गया पारा

हल्द्वानी में पिछले 7 दिनों का न्यूनतम तापमान

15 जनवरी	0 .5 डिग्री
14 जनवरी	2 .3 डिग्री
13 जनवरी	5 .6 डिग्री
12 जनवरी	5 .2 डिग्री
11 जनवरी	1.8 डिग्री
10 जनवरी	1 .4 डिग्री
9 जनवरी	2 .5 डिग्री

(स्रोत-मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून)

दो बिजलीघर से 7 घंटे हुई बिजली कटौती

हल्द्वानी : लाइन मेंटेनेंस के लिए गुरुवार को ऊर्जा निगम ने सोमवार को दो बिजलीघरों से सात घंटे आपूर्ति बंद रखी। सुबह नौ बजे से शुरू हुई कटौती देर शाम चार बजे बहाल हो सकी। लोगों को दिनभर दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस दौरान प्रभावित क्षेत्र में ट्यूबवेल नहीं चलने से पानी की आपूर्ति भी ठप हो गई। इस कारण बिजली के साथ पानी का भी संकट बना रहा। वहीं, सर्दी में हीटर और ब्लोयर नहीं चलने से लोगों को सर्दी का सितम भी झेलना पड़ा।

ऊर्जा निगम के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि मेंटीनेस का कार्य पूरा होते ही सप्लाई शुरू कर दी गई। पहले से निर्धारित रोस्टर के अनुसार काम किया जा रहा है। कटौती की जानकारी उपभोक्ताओं को पहले दी जा रही है।

आरोपी हाईकोर्ट पहुंचे, गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग

हाईकोर्ट ने मांगी सरकार से रिपोर्ट, आज होगी विस्तृत सुनवाई, काशीपुर के किसान ने काठगोदाम में की थी गोली मारकर आत्महत्या

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: बहुचर्चित किसान आत्महत्या मामले के छह आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अदालत में इस मामले में आज सुनवाई होगी। फिलहाल अदालत ने सरकार से मामले में वस्तुस्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

कुलविंदर सिंह समेत कुल छह आरोपियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आरोपियों ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को निरस्त करने की मांग की है। न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकलपीठ ने फिलहाल उन्हें कोई राहत न देते हुए सरकार को वस्तुस्थिति से अवगत कराने को कहा है। अब इस मामले में शुक्रवार को विस्तृत सुनवाई होगी। पुलिस ने मृतक किसान के भाई की शिकायत पर काशीपुर के 26 आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस महकमे ने इस प्रकरण की गहन जांच के लिए एसटीएफ के आईजी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय एसआईटी भी गठित की है जबकि सरकार की ओर से भी कुमाऊं आयुक्त को भी जांच की जिम्मेदारी सौंपी है।

- कोर्ट ने सरकार से मामले में वस्तुस्थिति स्पष्ट करने को कहा

गौरतलब है कि ऊधमसिंह नगर जिले के पैगा गांव निवासी किसान सुखवंत सिंह ने विगत 10 जनवरी की रात हल्द्वानी के एक होटल में गोली मारकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। उसने मौत को गले लगाने से पहले भूमि खरीद के नाम पर चार करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप लगाने के साथ ही ऊधमसिंह नगर पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया था। सरकार ने भी इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सख्ती के संकेत दिए थे। पुलिस ने भी हरकत में आते हुए आईटीआई थाना प्रभारी समेत दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया था और पूरी पैगा पुलिस चौकी को लाइन हाजिर कर दिया था।

पूर्व एसओ रौतेला समेत पांच से हुई पूछताछ

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने किसान सुखवंत सिंह की आत्महत्या केस में मजिस्ट्रेट जांच शुरू कर दी है। आयुक्त ने गुरुवार को काशीपुर के इस प्रकरण से संबंधित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से पूछताछ की और बयान दर्ज किए। आज भी इस प्रकरण के अन्य आरोपियों से पूछताछ का क्रम जारी रहेगा।

अधिकारियों के अनुसार, शासन ने आयुक्त दीपक रावत को इस प्रकरण में मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए हैं। इसके बाद आयुक्त ने बीते मंगलवार को किसान ने वीडियो में जिन-जिन लोगों के नाम लिए थे, उन सभी को नोटिस भेजकर तलब किया था। इसी के साथ ही इस वाद से जुड़े अन्य को भी नोटिस जारी किए थे। सभी को गुरुवार-शुक्रवार को तलब किया गया था। इधर गुरुवार को काशीपुर एसडीएम अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार पंकज चंदोला, आईटीआई का पूर्व एसएचओ कुंदन रौतेला व पैगा चौकी के पूर्व इंचार्ज प्रकाश बिष्ट और सब रजिस्ट्रार आयुक्त रावत के हल्द्वानी स्थित कैंप कार्यालय पहुंचें। सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी सुबह 10:30 बजे पहुंच गए थे। इसके बाद लगभग दो से तीन घंटे तक कार्यालय में आयुक्त रावत ने सभी से पूछताछ की और बयान भी दर्ज किए।

आयुक्त कैंप कार्यालय से पूछताछ के बाद बाहर आते प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

- आयुक्त दीपक रावत ने शुरू की मजिस्ट्रेट जांच, आज भी इस केस से जुड़े अन्य आरोपियों से होगी पूछताछ

इस जांच में जमीन धोखाधड़ी के आरोप, किसान के अपने अंतिम वीडियो में लगाए गए आरोपों वगैरह बिंदुओं को जांच में शामिल किया गया है। आरोपियों से पूछताछ का क्रम आज भी जारी रहेगा। संभावना है कि आज ऊधम सिंह नगर एसएसपी मणिकांत मिश्रा भी पहुंच सकते हैं हालांकि इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों की मानें तो अभी जांच शुरू हुई है, जैसे-जैसे जांच होती जाएगी वैसे-वैसे कई परतें भी खुलेंगी। इसमें कई लोग कटघरे में आ सकते हैं। आज निजी लोगों से पूछताछ के बाद भी इस प्रकरण की तस्वीर साफ होगी और पुलिस-प्रशासन व भूमाफियाओं के गठजोड़ की पोल खुल सकती है।

आयुक्त रावत ने कहा कि इस प्रकरण में अभी जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी। जांच पूरी तरह से पारदर्शी, निष्पक्ष करने पर जोर है। उन्होंने कहा कि आयुक्त कार्यालय का फोन, ई-मेल भी जारी किया है, यदि कोई भी व्यक्ति इस प्रकरण में सबूत या जानकारी देना चाहता है, तो संपर्क कर सकता है।

फॉलोअप

काठगोदाम पुलिस ने मुर्दे पर लिखा मुकदमा

हल्द्वानी : खुद को गोली से उड़ाने वाले किसान सुखवंत सिंह की मौत के पांच दिन बाद काठगोदाम पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। ऐसे में न तो मुर्दे की गिरफ्तारी हो सकती है और न ही गवाही।

पुलिस के मुताबिक, 11 जनवरी की रात करीब 2 :33 बजे सूचना मिली थी कि गौलापार स्थित देवभूमि होटल में किसी व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली है। सूचना पर एसआई दिलीप कुमार होटल के कमरा नंबर 101 में पंहुचे। फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण करने के दौरान कमरे में मृतक सुखवंत सिंह पुत्र तेजा सिंह निवासी ग्राम पैगा, ऊधमसिंह नगर बेड पर मृत पड़ा था, जिसने अपने सिर में गोली मारकर आत्महत्या की थी। जांच में कमरे से 315 बोर का तमंचा, 2 जिंदा कारतूस और कारतूस के 2 खोखे बरामद किए। मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मत्यु का कारण गन शॉट इन्जरी बताया गया। थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि अब तक की जांच में यह भी सामने आया कि कमरे में दो फायर किए गए थे। जिसके बाद मामले में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

---

18 सूत्रीय मांगों को लेकर 13 विभागों के कर्मियों ने की गेट मीटिंग, प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के आह्वान पर गुरुवार से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू हो गया है। केंद्र की तर्ज पर मकान किराया भत्ता और पुरानी पेंशन बहाली सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारियों ने हल्द्वानी ब्लॉक कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान 13 अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों ने गेट मीटिंग कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरजेश कांडपाल ने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से मांगों के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं लेकिन शासन स्तर पर उनकी फाइलों को दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्य मांगों में तीन पदोन्नति न पाने वाले कार्मिकों को पदोन्नत वेतनमान का लाभ देना, गोल्डन कार्ड के तहत ओपीडी में जन औषधि केंद्रों से कैशलेस दवा उपलब्ध कराना और वेतन विसंगति दूर करने के लिए गठित समिति की रिपोर्ट को तत्काल सार्वजनिक करना शामिल है। साथ ही, 10 साल की सेवा पूरी कर चुके कर्मियों की पदोन्नति प्रक्रिया को सरल बनाने और अन्य राज्यों की तरह एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि यह विरोध जारी रहेगा। अगले कदम के रूप में आगामी 31 जनवरी को पूरे प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में गेट मीटिंग आयोजित कर शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारियों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे कामकाज ठप कर सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

- 31 जनवरी को प्रदेश भर के कार्यालयों में होगी गेट मीटिंग, पुरानी पेंशन और भत्ते प्रमुख मांग

खनन वाहन स्वामियों ने निगम को सौंपा ज्ञापन

हल्द्वानी : गौला खनन मजदूर संघर्ष समिति ने विभिन्न मांगों को लेकर वन विकास निगम को ज्ञापन सौंपा है।

गुरुवार को समिति पदाधिकारियों ने डीएलएम कार्यालय पहुंच कर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एडी जोशी को ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा गया कि अब तक शीशमहल, राजपुरा तथा अन्य गेटों में मजदूरों को कंबल नहीं बांटे गए हैं। मजदूरों को सर्दी से बचने के लिए जलौनी लकड़ी, दवाइयां, गमछा, धोती जूते देने, पानी पीने के लिए भी टैंकर व शीशमहल गेट में पानी छिड़काव की मांग की। इस दौरान अध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट, डॉ. बालम बिष्ट, तारा बिष्ट, पप्पू दरम्वाल, राजेश बिष्ट, मनोज पांडे, मोहन आदि रहे।

छर्रे और खून के धब्बे देंगे कत्ल की गवाही

फॉलोअप

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नितिन लोहनी हत्याकांड में पुलिस हत्यारोपी पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू की चौतरफा घेराबंदी कर रही है। पुलिस सुबूतों की ऐसी दीवार खड़ी कर जिसे लांघना हत्यारोपी के लिए नामुमकिन होगा। ऐसे ही सुबूत हैं मृतक नितिन के जिस्म से निकले छर्रे। ये छर्रे चिंटू की पौनिया से निकली गोली के हैं और इन पर खून नितिन का है। इन छर्रों के साथ पुलिस चिंटू और नितिन के रक्तरंजित कपड़ों को भी एफएसएल भेज रही है।

- वारदात में इस्तेमाल असलहा पहले ही एफएसएल भेज चुकी है पुलिस
- छर्रों पर लगे खून का मृतक और आरोपी के कपड़ों पर लगे खून से होगा मिलान

बीती 4 जनवरी की रात जज फार्म निवासी नितिन लोहनी की डहरिया निवासी पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या की इस वारदात के दौरान अमित के साथ उसका 19 वर्षीय बेटा जय भी साथ था और उसके हाथ में भी पिता की लाइसेंसी पिस्टल थी। नितिन पर फायर अमित ने अपनी पौनिया बंदूक (शॉट गन) से किया था। इन दोनों असलहों और घटना स्थल से मिले छर्रों को पहले ही एफएसएल भेजा जा चुका है।

नितिन लोहनी। (फाइल फोटो)

हत्या का आरोपी अमित बिष्ट उर्फ चिंटू।

कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि अब नितिन के शरीर से निकले गोली के छर्रों को एफएसएल रुद्रपुर भेजा जाएगा। छर्रों के साथ नितिन और अमित के उन कपड़ों को भी एफएसएल भेजा जाएगा, जो उन्होंने घटना के दिन पहने थे। नितिन के कपड़े तो खून से पूरी तरह सने थे। अब एफएसएल इस बात की तस्दीक करेगा कि क्या अमित के कपड़ों भी खून के छींटे थे। यदि ऐसा हुआ और नितिन के कपड़ों पर लगा खून अमित के कपड़ों पर लगे खून से मैच हुआ तो अमित का जेल से बाहर आना मुश्किल हो जाएगा। इसको लेकर पुलिस भरसक प्रयासत है।

वन्य अपराध

तल्ली दीनी में तेंदुआ पकड़े जाने के दौरान हंगामा, ग्रामीण के खिलाफ वन कर्मी ने दी थाने में तहरीर

तेंदुए के आतंक की आड़ में संरक्षित हरे पेड़ों पर चली आरी

दानसिंह लोधियाल, धानाचूली

अमृत विचार : नैनीताल जिले के धारी ब्लॉक के तल्ली दीनी गांव में बाघ के आतंक के नाम पर आरक्षित वन क्षेत्र में अवैध कटान और वन कर्मियों से मारपीट का मामला सामने आया है। मामला पुलिस तक पहुंच चुका है, सीओ स्तर पर जांच किए जाने की बात कही जा रही है।

बीते बुधवार को तल्ली दीनी में एक तेंदुआ वन विभाग के पिंजड़े में कैद हुआ। इसे वही आदमखोर तेंदुआ माना जा रहा है, जिसने गांव की हेमा देवी को अपना शिकार बनाया था हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इधर, एक ओर जहां तेंदुए को पकड़ने की कार्रवाई चल रही थी तो दूसरी ओर जंगल में बांज, तिलोंज, खरसू, काफल और बुरांश जैसे संरक्षित प्रजातियों के 20 से अधिक हरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी चला दी गई। वन विभाग के कर्मियों ने ग्रामीणों को बताया कि विभाग ने केवल रास्ते से झाड़ियों की कटाई की अनुमति दी थी, न कि आरक्षित वन से पेड़ों को काटने की। जब वन कर्मियों ने इस पर आपत्ति जताते हुए चलानी कार्रवाई की बात कही तो मामला बिगड़ गया। गुस्साए ग्रामीण वीरेन्द्र सिंह बर्गली ने वन दरोगा पूरन चंद्र मेलकानी के साथ हाथापाई कर दी।

घटना के बाद वन कर्मियों में आक्रोश फैल गया और आनन-फानन में मुक्तेश्वर थाने में तहरीर सौंपी गई। घटना के बाद ग्रामीणों व वन विभाग के कर्मचारियों में तनाव हो गया है। वहीं, मामले कि गंभीरता को देखते हुए सीओ स्तर पर अब पुलिस जांच करने की बात कह रही है। जांच के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

धारी तहसील के तल्ली दीनी क्षेत्र में काटे गए पेड़। ● अमृत विचार

> वन दरोगा पूरन मेलकानी के साथ हुई मारपीट की घटना के बारे में मुक्तेश्वर थाने में तहरीर सौंप दी गई है, लेकिन अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं हो पाया है। पेड़ काटे जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। **-विजय भट्ट,** वन क्षेत्राधिकारी उत्तरी गौला रेंज, नथुवाखान

> जब तेंदुआ पिंजड़े में फंसा उस दिन वन विभाग व स्थानीय लोगों में कुछ कहा- सुनी हुई थी। यह बात मेरे को भी पता चली लेकिन पेड़ काटने जाने का मामला मेरे संज्ञान में नही है। अगर ऐसा किया गया तो गलत है। **-रामसिंह कैड़ा** , विधायक भीमताल

> पीड़ित व्यक्ति की ओर से तहरीर आयी है, मामला गंभीर होने के कारण पुलिस क्षेत्राधिकारी भवाली द्वारा जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। **-जगदीप नेगी,** थानाध्यक्ष ,मुक्तेश्वर

तीन घटनाओं से फैला था तीन ब्लॉकों में खौफ

26 दिसंबर को तल्ली दीनी की हेमा देवी तेंदुए का शिकार बनीं। 30 दिसंबर को ओखलकांडा के चमोली गांव में रेखा देवी को तेंदुए ने मार डाला। इसके बाद 11 जनवरी को धारी के खुटियाखाल में गंगा देवी तेंदुए का निवाला बनीं।

चोर ने आईजी बंगले के पास से दिनदहाड़े लाखों का माल उड़ाया

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक वारदातों के बीच गुरुवार को दिन-दहाड़े एक शातिर ने आईजी बंगले के पीछे बड़ी घटना को अंजाम दे डाला। किराएदार बन कर एक घर में घुसा वृद्ध मकान मालकिन की आंख में धूल झोंककर दूसरी मंजिल पर चढ़ गया और जेवर, नगदी व दस्तावेज से भरा बक्सा उठा ले गया। यह पूरी घटना वहीं लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गई।

बद्रीपुरा वार्ड-11 निवासी दया नेगी पत्नी स्व.जगत सिंह नेगी यहां अकेली रहती हैं। उनके दो बेटे इंजीनियर हैं। एक बेटा लखनऊ और दूसरा देहरादून में काम करता है। दया ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे एक व्यक्ति उनके घर पहुंचा और कमरा किराए पर लेने की बात कही। शातिर ने बुजुर्ग महिला को अपना परिचय अल्मोड़ा निवासी के रूप में दिया। शातिर ने बताया कि उसकी बहन कुसुमखेड़ा में रहती है। दया नेगी उसे मकान की पहली मंजिल दिखाने ले गईं, जबकि वह खुद ऊपर सेकेंड फ्लोर पर रहती हैं। कमरा देखने के बाद आरोपी ने कहा कि वह जल्द ही परिवार और सामान के साथ आएगा। इसी बीच जैसे ही महिला कुछ पल के लिए पड़ोसियों से बात करने घर से बाहर निकलीं, चोर चुपके से घर की ऊपरी मंजिल पर पहुंच गया और कमरे में रखा बक्सा पीठ पर लाद कर फरार हो गया। बक्से में सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायल, महंगी साड़ियां, नकदी और घर के महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। सीसीटीवी में कैद हुई वारदात का पता चलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। दया ने भी शोर मचाया, लेकिन शातिर तब तक फरार हो चुका था। पार्षद रवि जोशी ने तत्काल घटना की सूचना एसएसपी मंजूनाथ टीसी को दी। सूचना मिलते ही कोतवाल विजय मेहता और एसएसआई रोहताश सागर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि घटना सीसीटीवी में कैद है। आरोपी की शिनाख्त के साथ ही उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

- किराए पर कमरा लेने के बहाने पहुंचे शातिर ने की वारदात

योजनाओं में शत-प्रतिशत धनराशि करें व्यय: रयाल

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर उरेडा के परियोजना अधिकारी से मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जिला सेक्टर, राज्य सेक्टर, केंद्र पोषित, बाह्य सहायतित एवं बीस सूत्रीय कार्यक्रमों की मासिक प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी रयाल ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करते हुए शत-प्रतिशत बजट व्यय सुनिश्चित करें। बैठक में उरेडा विभाग का कोई भी अधिकारी अथवा समकक्ष प्रतिनिधि उपस्थित न होने के कारण विभाग की समीक्षा नहीं हो सकी। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए परियोजना अधिकारी, उरेडा से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।

विकास भवन भीमताल सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद को आवंटित बजट का वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पूर्व पूर्ण उपयोग किया जाए, ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर प्राप्त किया जा सके। उन्होंने सभी विभागों को भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के साथ-साथ पारदर्शिता बनाए रखते हुए समय से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बीस सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि विगत महीनों में विभागों द्वारा बेहतर कार्य करते हुए ए-श्रेणी की प्रगति बनाए रखी गई है, जिसे मार्च माह तक भी बनाए रखा जाए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण में लक्ष्य के सापेक्ष धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि तत्काल सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं एपीके केंद्रों का केंद्र-वार टीकाकरण रोस्टर तैयार कर शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि पर्वतीय क्षेत्रों में वन्यजीवों की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए पशुपालकों को जंगल में चारा लाने से रोका जाए। इसके लिए आपदा निधि से उपलब्ध कराई गई धनराशि से प्रभावित क्षेत्रों के पशुपालकों (पुरुष/महिला) को तत्काल पशु आहार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

विकास भवन में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल। ● अमृत विचार

पेयजल लाइनों में लीकेज पर डीएम ने जताई नाराजगी

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने हल्द्वानी एवं नैनीताल नगर क्षेत्र में पेयजल लाइनों में बार-बार हो रहे लीकेज की शिकायतों पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने जल संस्थान के अधिकारियों को सभी क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी/जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरि गोस्वामी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ. मुकेश सिंह नेगी सहित समस्त विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपदीय औसत से कम वसूली करने वाले संग्रह अमीनों को कारण बताओ नोटिस जारी करें

हल्द्वानी : डीएम रयाल ने नैनीताल रोड स्थित कैंप कार्यालय में राजस्व विभाग की ओर से जारी होने वाले प्रमाण पत्रों को निर्धारित समय पर जारी करने, पुराने राजस्व वादों का निष्पादन, लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत राजस्व वसूली के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन संग्रह अमीनों की वसूली जनपदीय औसत से कम है, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। डीएम ने कहा कि जिन बैंकों की वसूली 79% से कम है, उन बैंकर्स के साथ बैठक कर प्रभावी रणनीति बना वसूली की जाए। आरसी जारी होने के बाद वन टाइम सेटलमेंट के मामलों में बैंकर्स से नियमानुसार 10 प्रतिशत राशि राजकोष में जमा कराई जाए। यह भी स्पष्ट किया कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर बैंकर्स की सभी आरसी तत्काल वापस की जाए। उन्होंने राजस्व वादो की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि तीन माह से अधिक समय से लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें। लंबित मजिस्ट्रियल जांचों को भी समयबद्धता से निस्तारित करने को कहा। आबकारी विभाग को जनपद में अवैध मदिरा की बिक्री एवं संचरण पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम विवेक राय व शैलेंद्र सिंह नेगी, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान रहे।

वनाग्नि रोकथाम के लिए जरूरी है जागरूकता

भीमताल : डीएम रयाल ने जिला स्तरीय वनाग्नि सुरक्षा समिति की बैठक की। इसमें आगामी वनाग्निकाल के लिए कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में नैनीताल डीएफओ आकाश गंगवार ने बताया कि जिले में वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम के लिए वन क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने, आग की सूचना पर तत्काल कार्रवाई को टीमों का गठन, वन समितियों एवं महिला समूहों, विभिन्न संगठनों के सहयोग के साथ ही स्थानीय लोगों को जागरूक करना शामिल है। डीएम ने कहा कि वनाग्नि रोकथाम को स्थानीय लोगों का सहयोग एवं विश्वास में लेना महत्वपूर्ण है, सामूहिक प्रयासों से ही वनाग्नि पर नियंत्रण पाया जा सकता है। स्थानीय लोगों को शामिल करते हुए जागरूकता बैठकें, कार्यक्रम लगातार किए जाए। स्थानीय वन समितियों, युवक एवं महिला मंगल दलों, आपदा मित्रों, महिला स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय किया जाए। पुरानी फायर लाइन की सफाई तेजी के साथ करने के अतिरिक्त जहां-जहां नई फायर लाइन का निर्माण किया जाना है, वनाग्नि से पूर्व कर लिया जाए। कंट्रोल बर्निंग भी 15 फरवरी तक किया जाए। उन्होंने जंगलों से चीड़ के पिरुल को युद्ध स्तर पर इकट्ठा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया, डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी आदि रहे।

कालाढूंगी की टीमों ने जीते तीन मेडल

कालाढूंगी: अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम गोलापुर में 11 से 14 जनवरी हुए संसदीय खेल महाकुंभ में कालाढूंगी के खिलाड़ियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मिनी स्टेडियम में विजेता खिलाड़ियों का स्वागत किया गया।

खो-खो अंडर 14 बालक और बालिका में गोल्ड मेडल, अंडर-18 बालक वर्ग में गोल्ड मेडल व बालिका वर्ग में सिल्वर मेडल जीता है। कोच राजेंद्र नेगी ने बताया की नैनीताल और ऊधमसिंह नगर विधानसभा क्षेत्र की 14 विधानसभा क्षेत्र से लगभग 56 टीमों ने विभिन्न आयु वर्ग में प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता में कालाढूंगी के खिलाड़ियों ने मेडल जीते हैं। विजेता टीमें फरवरी प्रथम सप्ताह देहरादून में होने वाले मुख्यमंत्री चैंपियन ट्रॉफी में प्रतिभाग करेंगे। खेल विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण कैम्प कालाढूंगी और भगवती साह खो-खो क्लब चकलुवा द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है।

अपर खेल निदेशक रसिका सिद्दीकी, जिला खेल अधिकारी निर्मला पंत, उप खेल अधिकारी वरुण बेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष रेखा कत्युरा, स्पोर्ट्स समिति के सचिव गोविंद पांडे, कोच मनमोहन बसेड़ा, राजेश बिष्ट, पीटीआई कलावती ने टीमों को बधाई दी है।

सिटी ब्रीफ

नशे में पति ने किया हंगामा, कार्रवाई

नैनीताल : नैनीताल के मल्लीताल क्षेत्र में बुधवार देर रात एक व्यक्ति ने नशे की हालत में अपने घर पर जमकर हंगामा किया। पति के उत्पात से परेशान पत्नी ने डायल 112 पर पुलिस से शिकायत की। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस से भी आरोपी ने अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर मल्लीताल कोतवाली पहुंचाया। एसएसआई दीपक कार्की ने बताया कि आरोपी की पहचान रुकुट कंपाउंड निवासी प्रवेश कुमार के रूप में हुई है। सुबह नशा उतरने के बाद आरोपी ने पुलिस से माफी मांगते हुए छोड़ने की गुहार लगाई। पुलिस ने आरोपी का पुलिस एक्ट में चालान कर उसे चेतावनी के साथ छोड़ दिया है।

नैनीताल में दुर्घटनाग्रस्त कार के टायर चोरी

नैनीताल : नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर हनुमानगढ़ी के समीप दुर्घटनाग्रस्त कार से टायर चोरी होने का मामला सामने आया है। वाहन स्वामी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मल्लीताल एटीआई निवासी प्रो. ओम प्रकाश बीती शाम हल्द्वानी से नैनीताल आ रहे थे। हनुमानगढ़ी के समीप उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद उन्होंने अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर घर लौट गए। गुरुवार को पाया कि कार के तीन टायर चोरी हो गए हैं। थाना प्रभारी श्याम सिंह बोरा ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी है।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन

लालकुआं : मकर संक्रांति एवं खिचड़ी पर्व के अवसर पर राधे-राधे सेवा समिति के तत्वावधान में क्षेत्र के 25 एकड़ रोड जाल में भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं महा खिचड़ी भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस मौके पर राधे-राधे सेवा समिति के अध्यक्ष संजीव शर्मा, जीवन कावड़वाल, उमेश तिवारी, भोला राम, रोहित सिंह, कुलदीप मिश्रा, महेश चौधरी, पंचम लाल, राजेंद्र अग्निहोत्री, हरीश नैनवाल, पूर्णिमा कश्यप, राजेश्वरी शर्मा, वैशाली मौर्य, सोनी कश्यप, बीएन शर्मा व महेश कश्यप रहे।

सीवर लाइन खोदे जाने से हो रही परेशानी

हल्द्वानी : दमुवाढूंगा क्षेत्र में सीवर लाइन खोदे जाने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लाइन खोदे जाने के कारण कई पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हो चुकी जिससे लोगों को पेयजल समस्या से जूझना पड़ रहा है। धीमी गति से चल रहे कार्य के कारण वाहनों की आवाजाही में भी परेशानी हो रही है।

अधिवक्ता के निधन पर फुल कोर्ट रेफरेंस आयोजित

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: अधिवक्ता रितेश सागर के आकस्मिक निधन पर न्यायालय परिवार एवं अधिवक्ता संघ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। अधिवक्ता रितेश सागर (49) का बुधवार तड़के हल्द्वानी स्थित नीलकंठ अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन पर प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में फुल कोर्ट रेफरेंस आयोजित कर शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

रितेश सागर। (फाइल)

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद एवं सचिव दीपक रुबाली ने उनके निधन अधिवक्ता समाज के लिए एक बड़ी क्षति है। मल्लीताल के एजहिल कंपाउंड निवासी रितेश सागर अधिवक्ता के साथ ही एक प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं पत्रकारिता व लेखन कार्यों से भी जुड़े रहे। उनका अंतिम संस्कार नैनीताल के पाइंस स्थित श्मशान घाट पर किया गया। वे अपने पीछे माता-पिता एवं एक भाई को छोड़ गए हैं। उनके निधन पर उपाध्यक्ष शंकर चौहान, वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर कंसल, ज्योति प्रकाश बोरा, मनीष मोहन जोशी, नीरज साह, राजेन्द्र कुमार पाठक, ओंकार गोस्वामी, भुवन जोशी, राजेश चंदोला, संजय सुयाल, पंकज कुलौरा, राजेन्द्र मेहरा, अखिलेश साह, कैलाश जोशी, हरीश पांडेय, प्रदीप परगाई, राकेश सुयाल, प्रीति साह, मंजू कोटलिया, दीपक पांडेय, गौरव कुमार, उमेश कांडपाल, शिवांशु जोशी, शशांक कुमार, गंगा सिंह बोरा आदि ने शोक जताया।

लाइसेंसधारी मंडी से बाहर न करें व्यापार

रामनगर: कृषि उत्पादन मंडी समिति कार्यालय में खाधान्न आढ़तियों और मंडी प्रशासन की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें मंडी सचिव सहील अहमद ने कहा कि मंडी अधिनियम 2021 की धारा 11(ख) के अन्तर्गत लाइसेंसधारी आढ़ती बाहर कारोबार नहीं कर सकता। उन्होंने सभी आढ़तियों से अपना कारोबार मंडी प्रागंण में ही करने को कहा। प्रांतीय व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष दिनेश चन्द्रा ने कहा कि यातायात की व्यवस्था को देखते हुए सभी आढ़तियों को मंडी में आना होगा इसके लिए मंडी समिति को बैंक, कैंटीन, गोदाम, अच्छी सड़क की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। उन्होंने इसी के साथ आढ़तियों को अनुरोध पत्र देने को कहा और व्यापार मंडल ने सहयोग करने आश्वासन दिया। मनमोहन अग्रवाल, विपिन काण्डपाल, राहुल अग्रवाल, पलक अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, बच्चे लाल दुबे रहे।

कर्मचारियों की मांगें जल्द पूरी करे सरकार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, जनपद नैनीताल के तत्वावधान में कुमाऊं विश्वविद्यालय, भीमताल में हुई गेट मीटिंग में कर्मचारियों ने सरकार से उनकी 18 सूत्रीय मांगों को शीघ्र मंजूर किए जाने का आह्वान किया।

गेट मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री लक्ष्मण सिंह रौतेला ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों की पुरानी एसीपी, गोल्डन कार्ड की विसंगतियों तथा वेतन विसंगतियों से जुड़े प्रकरणों पर राज्य सरकार द्वारा अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे प्रदेश भर के कर्मचारियों में व्यापक आक्रोश फैल गया है। इसी कारण प्रांतीय नेतृत्व द्वारा प्रथम चरण के अंतर्गत 15 जनवरी से प्रदेशव्यापी कर्मचारी आंदोलन शुरू किया जा रहा है।

भीमताल में गेट मीटिंग के दौरान प्रदर्शन करते राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से संबद्ध कर्मचारी। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि इसके तहत जनपद नैनीताल के विभिन्न संगठनों से जुड़े कर्मचारी आंदोलन में व्यापक भागीदारी निभाने के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं। बैठक में परिषद के वरिष्ठ सदस्य भूपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि शासन स्तर पर कर्मचारियों की जायज मांगों को सुनियोजित तरीके से निस्तारित करने के बजाय अनावश्यक रूप से लंबित रखा जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में लगातार रोष बढ़ता जा रहा है। बैठक का संचालन कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ, भीमताल के अध्यक्ष पीसी ध्यानी द्वारा किया गया। बैठक में परिषद के जिलाध्यक्ष असलम अली, राजेंद्र प्रसाद टम्टा, हीरा सिंह रौतेला, डॉ. कनिका साह, कमला रैखोला, शशि, रमेश चंद्र भट्ट, भूपेंद्र लाल, दलीप सिंह, पीसी. ध्यानी, मुकेश कुमार, अमरनाथ गोस्वामी, बिशन सिंह, शमशेर सिंह सहित कई कर्मचारी प्रतिनिधि रहे।

जरूरतमंद महिता को कंबल प्रदान करतीं इनरव्हील क्लब की पदाधिकारी।

इनरव्हील क्लब ने किया कंबल वितरण

हल्द्वानी : मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर भीषण सर्दी के सितम को ध्यान में रखते हुए इनर व्हील क्लब हल्द्वानी ने मेहनत कश रिक्शा चालकों को और दिव्यांग जनों को कम्बल वितरित किए गए। साथ ही, दिव्यांग समिति को खिचड़ी भोज में सहयोग हेतु आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष मधुर अग्रवाल, निवेदिता पांडे, दीपा तिवारी, कल्पना बंसल, शशि खंडेलवाल, सारिका अग्रवाल, राशि कौशल मौजूद रहीं।

श्री राम सेवक सभा ने मकर संक्रांति पर लगाया खिचड़ी भोग

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: श्री राम सेवक सभा द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी पर सभा भवन में सामूहिक उपनयन संस्कार का आयोजन होगा, जबकि शाम होली गायन का कार्यक्रम होगा।

माघ मास की मकर संक्रांति के अवसर पर पूरे माह खिचड़ी दान की परंपरा है। खिचड़ी का दान एवं ग्रहण करना ग्रह दोष निवारण के लिए प्रसाद स्वरूप माना जाता है। खिचड़ी भोज में विधायक सरिता आर्य, पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल, पूर्व विधायक डॉ. नारायण सिंह जंतवाल व सभा के पदाधिकारियों ने खिचड़ी प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर सभा के संरक्षक घनश्याम लाल साह, अध्यक्ष मनोज साह, महासचिव जगदीश बावड़ी, राजेंद्र बिष्ट, बिमल चौधरी, पूर्व अध्यक्ष मुकेश जोशी, भगवान, आशु बोरा, गोविंद सिंह, आनंद बिष्ट आदि रहे।

श्री राम सेवक सभा के खिचड़ी भोग में प्रसाद वितरित करतीं विधायक सरिता आर्या।

मकर संक्रांति के पर्व पर चाय-बिस्कुट बांटे

रामनगर: मकर संक्रांति के पर्व पर कहीं लोगों ने खिचड़ी भोज आयोजित किया तो कहीं लोगों को गरमा गर्म चाय-बिस्कुट का वितरण किया गया। कड़कड़ाती ठंड में राहत दिलाने के लिए स्टेट बैंक चौराहा पर पायनियर्स क्लब के सदस्यों ने चाय एवं रस का वितरण किया। कार्यक्रम में पायनियर अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, नवीन तिवारी, हेम भट्ट, विजय अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, दीपांशु अग्रवाल, अरविंद कुमार एवं रवींद्र वर्मा रहे। उधर भवानी गंज रानीखेत रोड के अलावा नंदा लाइन, गिरिजा मंदिर, हनुमान धाम आदि स्थानों पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। जिसमें सैंकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बाघ का जोड़ा दिखने से ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता, भीमताल

- ग्रामीणों ने की सौलर लाइटें लगाने की मांग

अमृत विचार: ग्राम पंचायत जंगलिया गांव के तोक शिमाला, नौली चनौती तथा एक्वा तोक में बाघ का जोड़ा दिखने से ग्रामीण भयभीत हैं। पिछले दिनों तेंदुए बाघ ने ओखलकांडा तथा धारी ब्लॉक में तीन महिलाओं को मौत के घाट उतार दिया था।

दिसंबर 2023 में तीन महिलाओं को निवाला बनाने वाले बाघ जंगलिया गांव में ही पकड़ा गया था। उस वक्त लोगों के मन में बैठा डर अभी दूर हुआ नहीं कि घरों के समीप फिर से बाघ को जोड़ा दिखाई देने से ग्रामीण दहशत में हैं। गत दिनों अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी के रात्रि विश्राम कार्यक्रम के दौरान भी ग्रामीणों इस बावत शिकायत दर्ज कराई थी। ग्राम प्रधान राधा कुल्याल ने बताया कि वन विभाग को उक्त जानकारी दे दी गई है। उन्होंने क्षेत्र में वन कर्मचारियों की गश्त कराने तथा ट्रैप कैमरे लगाने की मांग की है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम सिंह कुल्याल ने वन विभाग से गांवों में जंगल के किनारे निवास कर रहे लोगों के घरों के पास सौर ऊर्जा लाइट लगाने की मांग की है।

आयोजन — डांस, मैराथन व अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया सम्मानित, चार दिवसीय उत्तरायणी कौतिक का भव्य समापन

उत्तरायणी मेले में चंद्र प्रकाश व स्वाती के गीतों पर झूमे दर्शक

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: खेल एवं सांस्कृतिक चकलुवा समिति के तत्वावधान में रामलीला मैदान में आयोजित चार दिवसीय पंचम उत्तरायणी कौतिक महोत्सव का भव्य समापन हो गया। समापन अवसर पर लोक गायक कलाकार चंद्र प्रकाश और स्वाती भट्ट ने देर रात तक शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

महोत्सव के चौथे दिन मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट तथा विशिष्ट अतिथि राज्य दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट और पूर्व राज्य दर्जा मंत्री महेश शर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों ने एकल एवं समूह नृत्य, मैराथन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। महोत्सव में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हास्य कलाकार लच्छू पहाड़ी ने अपनी हास्य प्रस्तुति से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। वहीं लोक गायिका स्वाती भट्ट ने टूकर-टूकर क्या देखू छै घड़ी-घड़ी ऐनमा, दीदी तैरो देवर ल्ये रौछ हाथों की चूड़ियां, औ फौजी सूआ ड्यूटी लागी रे तैरी बॉडरा, मैं पहाड़न जैसे लोकप्रिय गीतों से माहौल बना दिया।

महोत्सव में प्रस्तुति देते लोक गायक चंद्र प्रकाश एवं स्वाती भट्ट। ● अमृत विचार

लोक गायक चंद्र प्रकाश ने तही मोर आशिकी, मैं दिया ताई मोर बाती, सारू पहाड़ मेरो, म्यर गाला मूंगे की माला, पारै भीड़े की लछिमा छोरी बांज नि काट सहित अनेक गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समिति के अध्यक्ष त्रिभुवन कन्याल एवं संयोजक कुंदन बसेड़ा ने सफल आयोजन के लिए क्षेत्रवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं समिति के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष पूरन सिंह मेहरा, सचिव विक्रम जंतवाल, ललित सिंह जंतवाल, पंकज नेगी, महेन्द्र सिंह बिष्ट, राजेन्द्र जंतवाल, भुवन कुमार, रवि बोरा, राम सिंह अटवाल, ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल, जिपंस अनीता आर्या, ग्राम प्रधान विदरामपुर किशोर देउपा, प्रधान रामपुर मोहन सैनी, प्रधान रतनपुर आशा मेहरा, प्रधान पूरनपूर राजेन्द्र कार्की, प्रधान गुलजापुरबंकी मिनीता बिष्ट, प्रधान देवलचौड़ नेहा पांडे, क्षेपंस स्वीटी देवी, क्षेपंस हेमा आर्या, ललित सत्याल, मनमोहन बसेड़ा, गिरीश पडलिया, विक्की मेहरा, ललिता बिष्ट, पूजा बसेड़ा, दीपक गोस्वामी, ज्योति चूफाल व कै. लक्ष्मण सिंह देउपा आदि लोग मौजूद रहे।

अंसारी वॉरियर्स ने जीता टूर्नामेंट

संवाददाता, चोरगलिया

अमृत विचार: इंटर कॉलेज लाखन मंडी चोरगलिया के प्रांगण में आयोजित चैलेंज कप टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला विनिंग एज हल्द्वानी और अंसारी वॉरियर्स मुरादाबाद के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में अंसारी वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। विनिंग एज हल्द्वानी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अंसारी वॉरियर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 213 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से अभय ने 48 गेंदों में शानदार 103 रनों की शतकीय पारी खेली। 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए विनिंग एज हल्द्वानी की टीम 17 ओवरों में 160 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह अंसारी वॉरियर्स ने 53 रनों से फाइनल मुकाबला जीत लिया। विजेता टीम अंसारी वॉरियर्स को 71 हजार की नगद धनराशि एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता टीम विनिंग एज हल्द्वानी को 41 हजार की नगद राशि व ट्रॉफी भेंट की। अभय को मैन ऑफ द मैच चुना गया, वहीं चार मैचों में कुल 240 रन बनाने के लिए उन्हें मैन ऑफ द सीरीज का खिताब भी प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि दर्जा राज्यमंत्री शंकर कोरंगा ने कहा कि चोरगलिया में उच्च स्तरीय क्रिकेट खेली जाती है। यहां से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं, जिनमें रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। क्रिकेट क्लब अध्यक्ष सुमित खानवल, प्रदीप फत्याल, किरण डालाकोटी एवं अध्यक्ष विनोद बजेठा ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। सोनू कुमार, दीपक जोशी रहे।

चोरगलिया में विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपते अतिथि। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

मकर संक्रांति पर आनंद आश्रम में सेवा व सहयोग

हल्द्वानी : मकर संक्रांति पर गुरुवार को इनर व्हील क्लब राइजिंग स्टार की ओर से आनंद आश्रम में डोनेशन ड्राइव की गई। इसका उद्देश्य वृद्धजनों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ उन्हें सम्मान और अपनत्व का एहसास कराना रहा। क्लब की ओर से वृद्धाश्रम को मिक्सी ग्राइंडर, टब, बाल्टियां और आवश्यक घरेलू सामान व राशन दिया गया। वरिष्ठ नागरिकों को चटाइयां, ऊनी टोपी व कंबल भी दिए। इस मौके पर क्लब की सदस्याओं ने बुजुर्गों से संवाद कर उनके अनुभव सुने।

युवक की जान लेने वाले वाहन चालक पर केस

हल्द्वानी : एक माह पहले सड़क हादसे में मृत व्यक्ति के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। चोरगलिया पुलिस को दी तहरीर में गोविंदपुर चोरगलिया निवासी ममता ने लिखा, बीते वर्ष 16 दिसंबर को उनके पति जगदीश प्रसाद सिडकुल की ओर काम करने गए थे। रात वह घर लौट रहे थे कि तभी कड़ापानी गेट के पास एक अज्ञात वाहन ने जगदीश को अपनी चपेट में ले लिया। डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में चिकित्सकों ने जगदीश को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष हरपाल सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

कैथलैब के निरीक्षण किया कमियां दूर करने के निर्देश

हल्द्वानी : एसटीएच में बनाई गई कैथलैब को शीघ्र शुरू करने का दबाव बन रहा है लेकिन अभी कैथलैब में कुछ कमियां हैं। प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल, एमएस डॉ. अरुण जोशी व अन्य स्टाफ के साथ कार्यदाई संस्था मंडी परिषद के अधिकारियों ने कैथलैब का निरीक्षण किया। प्राचार्य डॉ. तितियाल ने एजेंसी को निर्देश दिए कि कैथलैब में जो भी छोटी दिक्कते हैं उनको दूर किया जाए और अस्पताल को इसका हस्तांतरण किया जाए। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि कई मशीनें आ चुकी हैं। शीघ्र ही कैथलैब का संचालन शुरू किया जाएगा।

उक्रांद की जिला कार्यकारिणी का विस्तार

हल्द्वानी : आगामी विधानसभा चुनाव से पहले उत्तराखंड क्रांति दल ने संगठन विस्तार करना शुरू कर दिया है। जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि हेमचंद्र वरियाल को जिला महामंत्री, इंदर सिंह नेगी जिला मीडिया प्रभारी, पान सिंह सिजवाली जिला संगठन मंत्री, खीमराज सिंह जिला सचिव और यतेंद्र सिंह बोरा को जिला संगठन मंत्री बनाया गया है।

मुखानी की सड़कों पर सिस्टम ने टेके अतिक्रमण के आगे घुटने, पैदल राहगीरों के हक पर बेखौफ अतिक्रमणकारियों ने फिर से किया कब्जा

मुखानी-पनचक्की मार्ग, हवा में अतिक्रमण हटाने के दावे और फुटपाथ पर ठेले

संवाददाता, हल्द्वानी

मुखानी से पंनचक्की तक अतिक्रमण सड़क पर चलने को मजबूर लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर निगम की कार्रवाई का शोर जितना जोर-शोर से सुनाई देता है, जमीन पर उसका असर उतनी ही जल्दी हवा-हवाई हो जाता है। मुखानी चौराहे से पनचक्की तक जाने वाली मुख्य सड़क इसका ताजा सबूत है। यहां अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने न सिर्फ सड़क छीनी है बल्कि आमजन के पैदल चलने का हक भी छीन लिया है। अभी कुछ ही दिन बीते हैं जब इसी सड़क पर एक भीषण हादसे में एक युवती ने अपनी जान गंवाई थी। उस समय जनता के आक्रोश के बाद नगर निगम का अमला सड़कों पर उतरा था। मुनादी हुई और जेसीबी गरजी तब लगा कि अब सड़कें खुली-खुली दिखेंगी लेकिन युवती के खून के निशान अभी सड़क से पूरी तरह मिटे भी नहीं थे। प्रशासन की कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली गई। जैसे ही निगम की टीम दफ्तरों में दुबकी, अतिक्रमणकारियों ने फिर से सड़क पर कब्जा जमा लिया। मुखानी-पनचक्की मार्ग पर हालात अब यह है कि पैदल चलने वालों के लिए एक इंच जगह नहीं बची है। ठेले और अस्थाई दुकानों ने मुख्य मार्ग पर ही अतिक्रमण कर बैठे है। यहां कोई नियम नहीं, कोई डर नहीं, जिसकी जहां मर्जी है, वह वहीं दुकान सजाकर बैठ रहा है। लोग अपनी जान जोखिम में डालकर वाहनों के बीच से निकलने को मजबूर हैं। शहर का यह हिस्सा हर वक्त जाम के झाम में फंसा रहता है, जिसकी मुख्य जड़ यही बेखौफ अतिक्रमण है।

हम टैक्स देते हैं लेकिन हमें सड़कें जाम मिलती हैं। अतिक्रमणकारियों का हौसला इतना बढ़ गया है कि टोकने पर लड़ने को तैयार हो जाते हैं। ऐसा लगता है जैसे शहर में कोई सरकार या कानून ही नहीं है। पुलिस और निगम दोनों ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है।
-शगुन राठौर, स्थानीय निवासी

बाजार का सामान लेने निकलना किसी जंग जीतने जैसा है। फुटपाथ तो भूल जाइए, सड़क पर भी पैर रखने की जगह नहीं है। ठेलों और अवैध दुकानों के कारण पीछे से आ रहे वाहन का पता ही नहीं चलता। क्या निगम को हम नागरिकों की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है?
-आंचल भट्ट, स्थानीय निवासी

नगर निगम की कार्रवाई महज एक दिखावा है। जब कोई बड़ा हादसा होता है, तो दो दिन के लिए पीली मशीन सड़क पर दौड़ती है और फिर सब गायब हो जाते हैं। युवती की मौत के बाद लगा था कि अब बदलाव आएगा, लेकिन यहां तो प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों के आगे आत्मसमर्पण कर दिया है।
-कमल विनवाल, स्थानीय निवासी

नगर निगम अतिक्रमण के खिलाफ निरंतर अभियान चला रहा है। मुखानी-पनचक्की मार्ग की स्थिति हमारे संज्ञान में है। इस बार केवल अतिक्रमण नहीं हटाया जाएगा, बल्कि सड़क पर बार-बार कब्जा करने वालों पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। हम सुनिश्चित करेंगे कि चलने में परेशानी न हो।
-परितोष वर्मा, नगर आयुक्त, नगर निगम

जिम्मेदारों की आंखों पर बंधी काली पट्टी

हैरानी की बात तो यह है कि जिस सड़क पर आम जनता त्राहि-त्राहि कर रही है, वह जिम्मेदार अधिकारियों को नजर नहीं आती। ऐसा लगता है जैसे साहबों ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध ली है ताकि उन्हें जनता की परेशानी और नियमों की धज्जियां उड़ती न दिखें। एयरकंडीशंड दफ्तरों की फाइलों में तो अतिक्रमण मुक्त शहर का सपना बुना जा रहा है, लेकिन हकीकत में जनता को बेसहारा छोड़ दिया गया है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन और निगम किसी और बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? आखिर क्यों बार-बार कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है?

हेपेटाइटिस का उपचार एसटीएच में और जांच बेस में

गजब : वायरल लोड की जांच का ऐसा लोड, बेस अस्पताल को करना पड़ा आगाह, हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन टेस्ट के लिए कर रहे हैं रेफर

- उपचार के लिए मरीजों को काटने पड़ रहे दो अस्पतालों के चक्कर
- सुशीला तिवारी अस्पताल में जांच न होने से मरीज परेशान

नरेन्द्र देव सिंह, हल्द्वानी

अमृत विचार : हेपेटाइटिस जैसी बीमारी का उपचार तो डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में हो जाता है लेकिन इसी बीमारी से जुड़ी कई जांच ऐसी हैं, जिनको कराने के लिए मरीजों को बेस अस्पताल रेफर करना पड़ता है। गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज इसी परेशानी में घिरा रहता है।

हेपेटाइटिस बी और सी लीवर (यकृत) को संक्रमित करने वाले वायरल संक्रमण हैं, जो सूजन और क्षति का कारण बनते हैं। हैपेटाइटिस बी शारीरिक तरल पदार्थों से फैलता है, हालांकि इसके लिए टीका है। हेपेटाइटिस सी मुख्य रूप से रक्त-से-रक्त संपर्क से फैलता है। इसके लिए टीका नहीं है जिसके लिए टीका नहीं है लेकिन प्रभावी दवाएं मौजूद हैं। ये दोनों ही लंबे समय तक रहने पर सिरोसिस या लीवर कैंसर का कारण बन सकते हैं। इन बीमारियों का उपचार एसटीएच में हो जाता है। इन बीमारियों के उपचार के लिए कई तरह के टेस्ट होते हैं जैसे कि हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन टेस्ट, हेपेटाइटिस सी वायरस टेस्ट, वायरल लोड टेस्ट और आरएनए टेस्ट आदि। अब दिक्कत यह है कि इस बीमारी का उपचार डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में होता है लेकिन ये जांचें अस्पताल में नहीं होती हैं। इन जांचों के लिए एसटीएच से मरीज को बेस अस्पताल भेजना पड़ता है जबकि एसटीएच पूरे कुमाऊं मंडल का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है और बेस एक जिलास्तरीय अस्पताल है। मरीज उपचार एसटीएच में कराता है और जांच के लिए परेशान होकर बेस आता है। उसे यहां आकर पता चलता है कि जांचों के लिए अलग पर्चा बनवाना पड़ेगा। साथ ही मरीज को दो अस्पतालों की भीड़ से जूझना पड़ता है।

डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में हेपेटाइटिस से जुड़ी जो जांचें नहीं हैं, उनके लिए मरीजों को बेस अस्पताल भेजा जाता है क्योंकि वह भी सरकारी अस्पताल है। हालांकि बेस अस्पताल प्रशासन पूर्व में एक बार अपने वहां भीड़ का हवाला दे चुका है।
-डॉ. अरुण जोशी, एमएस, डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल

बेस अस्पताल में निजी कंपनी से अनुबंध है, इसलिए मरीजों की जो जांचें बेस अस्पताल में नहीं होती हैं, वे जांचें भी हो जाती हैं लेकिन हमारे अस्पताल में मरीजों का भार बहुत है।
-डॉ. केएस दत्ताल, पीएमएस, बेस अस्पताल, हल्द्वानी

बेस अस्पताल कर चुका है एसटीएच में जांच शुरू करने की मांग

हल्द्वानी : सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में पहले से ही मरीजों की भीड़ है। यहां पर स्वयं की पैथोलॉजी है और साथ ही एक निजी कंपनी के साथ पैथोलॉजी जांच का अनुबंध भी है। इसी अनुबंध के तहत यहां पर हेपेटाइटिस की सभी जांचें होती हैं लेकिन अस्पताल में भीड़ के चलते बेस अस्पताल एसटीएच से निवेदन कर चुका है वह भी अपने यहां इन जांचों को कराए जाने के लिए व्यवस्था कराएं।

अस्पताल प्रशासन अपने मद से करता है भुगतान

हल्द्वानी : निजी कंपनी से अनुबंध के बाद उसे जो भी भुगतान करना होता है, उसका भुगतान बेस अस्पताल प्रशासन अपने मद से देता है। इसमें ओपीडी के पर्चे से आना वाला राजस्व भी शामिल है। इस राजस्व का बड़ा हिस्सा में जाता है। अगर एसटीएच भी यह सुविधा अपने वहां करेगा तो वहां अस्पताल प्रशासन को अपने ही राजस्व से इसका भुगतान करना होगा।

सर्दियों में संभालें अपना दिल, हो सकता है खतरा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सर्दियों में हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। अभी हाल में कुछ हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। डॉक्टरों का भी कहना है कि सर्दियों में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक होने की संभावना ज्यादा रहती है। हृदय रोग से पीड़ित अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें तथा नियमित जांच कराएं तो इस खतरे से काफी हद तक बचा जा सकता है।

करीब एक सप्ताह पहले खनस्यू (ओखलकांडा) में 47 वर्षीय महिला की खेत में पानी लगाते समय दिमाग की ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई थी। उन्हें बेस अस्पताल और फिर डॉ. एसटीएच ले जाया गया, जहां सीटी स्कैन के बाद यह पुष्टि हुई। दो माह पूर्व मंगल पड़ाव निवासी व्यापारी की स्कूटी से घर जाते समय हार्ट अटैक से मौत हो गई। नवंबर 2025 में गौजाजाली मंडी चौकी निवासी एक 30 वर्षीय युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। मौत से पहले युवक के सीने में दर्द हुआ था। एसटीएच के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि यह सही है कि ठंड में हृदयरोग और स्ट्रोक की समस्या बढ़ती है। इन दिनों रोगियों की संख्या भी बढ़ रही है। ठंड के दिनों में हृदय रोगी बाहर न टहलें और घर में ही हल्की एक्सरसाइज करें। नियिमित तौर पर बीपी की जांच करें। डॉक्टर से मिलते रहें।

इसलिए बढ़ता है खतरा

ठंड में अटैक पड़ने का खतरा इसलिए बढ़ता है क्योंकि ठंडी हवा से शरीर की नसें सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ता है। हृदय को शरीर में खून पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, खून गाढ़ा हो सकता है और थक्के जमने का खतरा बढ़ जाता है, साथ ही शरीर को गर्म रखने के लिए ऑक्सीजन की खपत भी ज्यादा होती है, जिससे हृदय पर दबाव बढ़ता है और अटैक आ सकता है।

मेडिकल कॉलेज में बीसीएमई कार्यशाला का हुआ समापन

हल्द्वानी: राजकीय मेडिकल कॉलेज की मेडिकल एजुकेशन यूनिट (एमईयू) की तीन दिवसीय बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन (बीसीएमई) कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों से 28 चिकित्सकों और शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के नामित मेडिकल एजुकेशन यूनिट की रिसोर्स फैकल्टी ने प्रतिभागी चिकित्सकों को शिक्षण तकनीकों, प्रभावी टीचिंग-लर्निंग स्ट्रेटेजीज, पाठ्यक्रम नियोजन, मूल्यांकन के नवीन तरीकों के संबंध में प्रशिक्षण दिया। प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने तथा शिक्षकों के शैक्षणिक कौशल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी प्रतिभागी चिकित्सकों और रिसोर्स फैकल्टी को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान एनएमसी के नामित को-ऑर्डिनेटर डॉ. संजय दास (प्रोफेसर), डॉ. साधना अवस्थी, डॉ. ऋतु रखोलिया, डॉ. उमेश, डॉ. हरिशंकर पांडे, डॉ. रीना भारद्वाज, डॉ. परमजीत सिंह, डॉ. गणेश धर्मशक्तू रहे।

भीमताल क्षेत्र के कई मिनी स्टेडियम सीएम की घोषणाओं में हुए शामिल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जनपद नैनीताल के पर्वतीय ब्लॉक ओखलकांडा की ग्राम सभा डालकन्या में मिनी स्टेडियम मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल होने पर ग्रामीणों ने भीमताल विधायक का आभार जताया है।

विधायक राम सिंह कैड़ा ने बताया कि डालकन्या, देवनगर में ग्रामीण लंबे समय से मिनी स्टेडियम की मांग कर रहे थे। उनकी मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिनी स्टेडियम बनाने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि जनता की मांग पर सीएम ने देवनगर सहित अन्य स्थानों को मिनी स्टेडियम निर्माण को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल कर दिया है। अब जल्द ही भीड़ापानी, नाई, सिलोटी, सुन्दरखाल, भीमताल, लेटीबुंगा अन्य स्थानों पर मिनी स्टेडियम बनाए जाएंगे। इस पर ग्रामीणों ने विधायक का ढ़ोल नगाड़े बजाकर अभिनंदन किया। इसके अलावा, विधायक ने डालकन्या में मित्र मिलन क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। गुरुवार को रैकूना व ककोड़ के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें रैकूना की टीम ने विजय हासिल की। विधायक ने विजेता और उपविजेता को ट्रॉफी व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कहा कि सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है।

विधायक कैड़ा का आभार जताते ग्रामीण। ● अमृत विचार

नैनीताल में संतों ने भारत शुद्धिकरण यात्रा निकाली

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम से चली भारत शुद्धिकरण यात्रा गुरुवार को नैनीताल पहुंची। नैनीताल पहुंचे संत डॉ. सचिदानंद स्वामी ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य भारत को जिहादी मानसिकता से मुक्त बनाना है। भारत शुद्धिकरण यात्रा का पहला चरण शुक्रवार को नैनीताल में संपन्न हुआ। यात्रा के दौरान संत समाज ने लव जिहाद, लैंड जिहाद, थूक जिहाद आदि के खिलाफ जनजागरण का दावा करते हुए हिंदुओं को एकजुट होने का आह्वान किया।

यात्रा दल के नैनीताल पहुंचने पर पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था और धार्मिक सौहार्द बनाए रखने के मद्देनजर बाजार भ्रमण की अनुमति नहीं दी। इसके चलते पुलिस ने यात्रा को मल्लीताल रिक्शा स्टैंड के पास रोक दिया। इससे नाराज संतों और यात्रा में शामिल लोगों ने सड़क पर बैठकर लगभग एक घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। इस मौके पर डॉ. सचिदानंद स्वामी ने पुलिस प्रशासन पर यात्रा में बाधा डालने का आरोप लगाया। संतों और प्रशासन के बीच वार्ता भी हुई, लेकिन आगे बढ़ने की अनुमति नहीं मिलने पर यात्रा को सड़क पर ही समाप्त घोषित कर दिया गया। इसके बाद डीएसए मैदान में आयोजित कार्यक्रम में संतों ने संबोधन किया। कहा कि यात्रा का अगला चरण दिल्ली से शुरू किया जाएगा। यात्रा में लाल बाबा, भंडारी बाबा, हनुमान बाबा, दिनेश आर्या, हेमंत कनवाल, देवेंद्र नेगी, दीवान सिंह बिष्ट, मनोज बिष्ट, अनुराग शुक्ला, प्रकाश आर्या रहे।

उत्तरायणी मेले का रंगारंग समापन

पर्वतीय उत्थान मंच में विभिन्न प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विजेता बच्चो को संस्था द्वारा दिया गया मोमेंटो। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की ओर से आयोजित उत्तरायणी मेला-2026 का गुरुवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण के साथ विधिवत समापन हो गया। मेले के अंतिम दिन भारी जनसैलाब उमड़ा।

समापन अवसर पर लोक कलाकारों ने कुमाउनी संस्कृति के विभिन्न रंग बिखेरे। लोक गायिका बबीता देवी ने क्ये भालो लगे सो मेरे पहाड़ा बनी बनी का, सनाया का बार त्यौहार जैसे गीतों से खूब वाहवाही लूटी। लोक गायक रोशन बनोला ने अल्मोड़ा की नंदा मां, ऐजा मेरा दानपुरा आदि गीत पेश किए। खेल प्रतियोगिताओं और शोभायात्रा में शामिल बेहतरीन झांकियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर, अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल, उपाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, सचिव देवेंद्र तोलिया और कोषाध्यक्ष त्रिलोक बनोली, कैलाश जोशी, हेम भट्ट, शोभा बिष्ट, चंद्रशेखर परगई रहे।

चिंताजनक

नैनीताल समेत पहाड़ी क्षेत्रों में इस सीजन नहीं होगी बर्फबारी, मौसम में आए इस असामान्य बदलाव को विशेषज्ञ मान रहे पर्यावरण और जलस्रोतों के लिए गंभीर संकेत

पहाड़ों की बर्फबारी पर ला नीना का साया, वैज्ञानिकों के माथे पर भी बल

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल सहित आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में इस शीतकाल में बारिश और बर्फबारी न होने से वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ गई है। मौसम में आए इस असामान्य बदलाव को विशेषज्ञ पर्यावरण और जलस्रोतों के लिए गंभीर संकेत मान रहे हैं। आर्यभट्ट प्रशिक्षण संस्थान से जुड़े मौसम वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार मध्य हिमालयी क्षेत्र में ला नीना का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, जिसके चलते इस बार अपेक्षित वर्षा और हिमपात नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि यह स्थिति केवल मौसमी चक्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

डॉ. नरेंद्र सिंह का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ मानवीय हस्तक्षेप भी बर्फबारी के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है। पहाड़ों में लगातार हो रहा निर्माण कार्य, वनों पर बढ़ता दबाव और प्राकृतिक संतुलन में हो रहे बदलाव भविष्य के लिए गंभीर चेतावनी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि लंबे समय तक बारिश और बर्फबारी नहीं हुई तो इसका सीधा असर जलस्रोतों, पर्यावरण और पर्यटन गतिविधियों पर पड़ेगा। झीलों और प्राकृतिक जलधाराओं के जलस्तर में गिरावट आने की आशंका भी जताई जा रही है। वैज्ञानिकों ने प्रशासन और समाज से समय रहते सतर्कता और पर्यावरण संरक्षण के ठोस कदम उठाने की अपील की है, ताकि पहाड़ी क्षेत्रों के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सके।

नैनीताल में बर्फबारी की आस, पर्यटकों की निगाहें मौसम पर टिकीं

नैनीताल में इन दिनों शाम को पड़ रहे ठंड मौसम के बदलते मिजाज ने पर्यटकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। ठंडी हवाओं और बादलों की आवाजाही के बीच यहां घूमने आए सैलानी बर्फबारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दिल्ली से नैनीताल घूमने आई महिला पर्यटक शिखा ने बताया कि उन्होंने इससे पहले कश्मीर में बर्फबारी का अनुभव किया है, लेकिन नैनीताल की बर्फबारी देखने की उनकी पुरानी इच्छा है। शिखा का कहना है कि जिस तरह से तापमान गिर रहा है और मौसम ठंडा होता जा रहा है, उससे उन्हें पूरी उम्मीद है कि इस बार नैनीताल में बर्फ देखने का मौका जरूर मिलेगा। वहीं महाराष्ट्र से नैनीताल पहुंचीं पर्यटक विभा ने कहा कि उन्होंने आज तक कभी बर्फबारी नहीं देखी है। नैनीताल आकर उन्हें पहली बार पहाड़ों की ठंड और बदलता मौसम देखने को मिला है। विभा के अनुसार, इस बार मौसम में अचानक हो रहे बदलाव से उन्हें उम्मीद जगी है कि उनकी बर्फ देखने की ख्वाहिश नैनीताल में पूरी हो सकती है। पर्यटकों की बढ़ती आमद से नैनीताल के प्रमुख पर्यटन स्थल माल रोड, नैनी झील, स्नो व्यू और टिफिन टॉप में खासा रौनक देखने को मिल रही है। होटल व्यवसायियों और स्थानीय कारोबारियों को भी बर्फबारी की संभावना से अच्छी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है, जिससे पर्यटन कारोबार को और गति मिल सकती है। हालांकि मौसम विभाग की ओर से अभी बर्फबारी को लेकर कोई पुख्ता पूर्वानुमान जारी नहीं किया गया है, लेकिन तापमान में लगातार गिरावट और पहाड़ी क्षेत्रों में बदलते मौसम ने पर्यटकों की उम्मीदों को जरूर बढ़ा दिया है। अब सभी की नजरें आने वाले दिनों पर टिकी हैं कि क्या नैनीताल एक बार फिर सफेद चादर ओढ़ेगा।

कोसी का खड़ंजा गेट निकासी के लिए खुला

- विधायक प्रतिनिधि बिष्ट एवं डीएलएम ने किया उद्घाटन
- खनन कारोबारी लंबे अरसे से गेट को खोलने की कर रहे थे मांग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कोसी नदी के खड़ंजा गेट उपखनिज निकासी के लिए खोल दिया गया है। उपखनिज निकासी गेट निकासी का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि जगमोहन सिंह बिष्ट एवं वन विकास निगम के डीएलएम ललित आर्य ने संयुक्त रूप से किया।

पहले दिन सात वाहनों की निकासी हुई। बता दें कि खनन कारोबारी लंबे अरसे से इस गेट को खोलने की मांग कर रहे थे। विधायक प्रतिनिधि जगमोहन बिष्ट ने खनन कारोबारी से अनुरोध किया कि उपखनिज की निकासी मानकों के आधार पर कर विभाग का हरसंभव सहयोग करने के साथ ही वाहनों में ओवरलोडिंग न भरे। खनन व्यवसायियों ने खड़ंजा गेट खुलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि उपखनिज निकासी के दौरान शासन और विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। इस दौरान प्रधान अनिल चौधरी, क्षेत्र पंचायत सदस्य राम सिंह जलाल, प्रधान प्रतिनिधि मनमोहन चौधरी, क्षेत्र पंचायत सदस्य नंदलाल चौधरी मौजूद रहे।

अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

आदिवासी कांग्रेस की प्रदेश स्तरीय बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

बाजपुर : उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में ''अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस कमेटी'' की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद ऊधमसिंह नगर से जिला अध्यक्ष जीत सिंह (बाजपुर) के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदेश पर्यवेक्षक बंशीलाल मीणा ने पदाधिकारियों को ब्लॉक और जिला स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। प्रदेश अध्यक्ष व नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की समस्याओं के समाधान हेतु संगठन का विस्तार अनिवार्य है। उन्होंने जल्द ही पूरे प्रदेश में आदिवासी कांग्रेस को सशक्त बनाने का भरोसा दिलाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

दुकान की दीवार तोड़कर एक लाख की चोरी

बाजपुर : थाना केलाखेड़ा के फिदानगर चौराहे पर चोरों ने एक सैलून की दुकान में सेंधमारी कर नकदी पर हाथ साफ कर दिया। ग्राम भव्वानगला निवासी पीड़ित राशिद अली ने बताया कि चोरों ने दुकान की दीवार काटकर अंदर प्रवेश किया और गल्ले के ताले तोड़कर करीब एक लाख रुपये की नकदी चुरा ली। गुरुवार तड़के पड़ोसियों से सूचना मिलने पर पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों का सुराग लगाया जा सके। इस घटना से क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

दो घरों से हुई लाखों की चोरी

किच्छा : कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस व्यवस्था को चुनौती देते हुए चोरों ने एक पुलिसकर्मी के सहित दो मकानों को निशाना बनाकर लाखों के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। दोनों ही घटनाओं के समय गृहस्वामी परिवार सहित घर से बाहर गए हुए थे। पहली घटना राधा रेजिडेंसी कॉलोनी की है, जहां पुलिसकर्मी संदीप सिंह राणा के बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने करीब 4 लाख रुपये के आभूषण और 2.5 लाख की नकदी चुरा ली। इसके बाद चोरों ने इसी कॉलोनी के ललित कोहली के घर में धावा बोला और वहां से भी जेवर व नकदी समेट ले गए। वापस लौटने पर पीड़ितों ने घर का सामान अस्त-व्यस्त देख पुलिस को सूचना दी। एक ही रात में हुई दो बड़ी चोरियों से कॉलोनीवासियों में दहशत और आक्रोश है।

सोना वापस नहीं करने पर फाइनेंस बैंक के खिलाफ भड़क उठे व्यापारी

व्यापारियों ने बैंक के सामने दिया धरना, ताला लगाने की कोशिश फिर मिली स्वीकृति

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः काशीपुर फ्लाईओवर के समीप गोल्ड लोन फाइनेंस बैंक के सामने व्यापारियों की भीड़ उमड़ने लगी। बैंक द्वारा एक कारोबारी का सोना गिरवी रखने और उसके बाद पूर्ण भुगतान के बाद भी जब सोना वापस नहीं किया तो व्यापारियों ने जमकर हंगामा काटा और बैंक गेट में ताला लगाने की कोशिश की। धरना प्रदर्शन के आधे घंटे बाद ही बैंक प्रबंधन ने सोना लौटने की स्वीकृति देते हुए मामला शांत करवाया।

बताते चलें कि ट्रांजिट कैंप के रहने वाले कारोबारी विकास बंसल ने 15 माह पहले गाबा चौक स्थित गोल्ड लोन फाइनेंस बैंक से वर्तमान कीमत 60 लाख रुपये का सोना रखकर 32 लाख रुपये का गोल्ड लोन लिया था। नियमानुसार कारोबारी 15 माह तक सोना गिरवी में रखने की एवज में ईएमआई भरता रहा और 32 लाख रुपये जमा कर अपना सोना वापस करने का आवेदन किया। बैंक कर्मी सर्वर डाउन होने का बहाना बनाते हुए टालमटोली करने लगे।

बैंक का चैनल बंद कर विरोध जताते व्यापारी। ● अमृत विचार

हंगामा होता देख सामने आए कई पीड़ित

रुद्रपुर : गुरुवार को जैसे ही हंगामा और धरना प्रदर्शन प्रारंभ हुआ। उसके कुछ ही देर बाद गदरपुर के रहने वाले नवजोत सिंह भी सामने आए और बताया कि कुछ माह पहले उसने भी करीब 30 लाख कीमत का सोना रखकर 12 लाख रुपये का गोल्ड लोन लिया था और अब वह पूर्ण ऋण वापस कर सोना वापस का मुद्दा उठा रहा है, लेकिन बैंक कर्मी टालमटोल कर रहे हैं। अभी नवजोत ने बयान समाप्त भी नहीं किया था कि दीपक कुमार नाम का युवक आया और डेढ़ तोला सोना रखकर 65 हजार रुपये लोन लेने की बात कहता है। पीड़ित युवक का भी यही आरोप था कि बैंक सोना वापस लौटा नहीं रहा है। जिस पर व्यापारियों ने पीड़ितों का मुद्दा उठाया और सभी शिकायतकर्ताओं को बुलाकर बैंक ने सोना लौटना शुरू कर दिया।

कई चक्कर काटने के बाद भी कारोबारी का सोना वापस नहीं हुआ तो गुरुवार को गुस्साए व्यापारियों ने व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जुनेजा के साथ फाइनेंस बैंक के सामने धरना प्रदर्शन कर दिया और बैंक गेट पर ताला लगाने की कोशिश भी की। काफी बहसबाजी और जद्दोजहद के आधे घंटे बाद अचानक संबंधित बैंक प्रबंधक का मैसेज आया कि कारोबारी द्वारा गोल्ड लोन जमा कर शीघ्र ही गिरवी में रखा सोना वापस कर दिया जाएगा। जिसके बाद मामला शांत हुआ और बैंक ने भी राहत की सांस भरी। बैंक प्रकरण इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बैंक कर्मी की धमकी पर बिगड़ने लगा माहौल

रुद्रपुर : गाबा चौक स्थित बैंक के सामने धरना प्रदर्शन के दौरान अचानक बैंक के अंदर से एक बैंककर्मी धमकी देता है कि वह भी थाना ट्रांजिट कैंप इलाके का रहने वाला है और सभी व्यापारियों को जल्द देख लेने की धमकी देता है। इसके बाद व्यापारी नेता व कारोबारियों का पारा चढ़ गया और वह गेट चैनल खोलकर अंदर घुसने की कोशिश करने लगे, लेकिन तैनात गार्ड ने मुश्किल से समझा बुझाकर मामला शांत कराया और व्यापारी नेताओं ने पुलिस को सूचित कर दिया। पुलिस के आने से पहले ही मामला रफा दफा हो गया। मामले को लेकर अफरातफरी रही।

महिला ने मनचले को चप्पल से पीटा

रुद्रपुरः थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में छेड़छाड़ करने पर एक महिला ने मनचले की चप्पल से जमकर धुनाई कर दी। जिसे देखकर राहगीरों ने भी हाथ साफ करना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मनचले को हिरासत में ले लिया। फिलहाल अभी तक कोई शिकायती पत्र पुलिस को नहीं मिला है, लेकिन मामला सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोर रहा है।

बताते चलें कि बुधवार की देर रात्रि ट्रांजिट कैंप इलाके की रहने वाली एक महिला सिडकुल कंपनी से ड्यूटी कर लौट रही थी। इस बीच महिला ने सब्जी बाजार की ओर रुख ही किया था कि सड़क किनारे बैठे युवक ने महिला को देखते ही पहले गाना गाकर छेड़छाड़ शुरू कर दी और फिर अश्लील इशारे करने लगा। जब महिला ने मनचले की इस हरकत का विरोध किया तो युवक बहसबाजी करने लगा।

इसके बाद महिला का पारा चढ़ गया और उसने चप्पल निकालकर आशिकी का भूत उतारना शुरू कर दिया। जिसे देख वहां से गुजरने वाला हर राहगीर भी मनचले पर थप्पड़ों की बौछार कर निकलता हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। अब पुलिस तहरीर आने का इंतजार कर रही है। वहीं सबक सिखाने की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

141 मेधावी जयपुर भ्रमण के लिए रवाना

बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते विधायक अरोरा। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः जिले भर के 30 सरकारी इंटर कॉलेज में वर्ष 2025-26 में 8वीं व 10वीं कक्षा में (जो वर्तमान में 9वीं व 11वीं कक्षा में हैं) टॉपर रहकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 141 मेधावी छात्र-छात्राएं पांच दिवसीय जयपुर भ्रमण पर रवाना हुए। इसमें 75 छात्र और 66 छात्राएं शामिल हैं। दल को विधायक शिव अरोरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

गुरुवार को माध्यमिक विद्यालय पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज से दल को रवाना करने के दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार जो सदैव छात्र हित में कार्य कर रही है। उनके उत्साहवर्धन के लिए समय-समय पर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के तनाव को कम करने के साथ-साथ उनके मनोरंजन व खेल गतिविधियों का भी विशेष ध्यान रखती है।

उन्होंने बताया कि पांच दिन के इस टूर में छात्र जयपुर बिरला ऑडिटोरियम, हवा महल, जल महल, जंतर मंतर, एलवड म्यूजियम, सवाई मान सिंह स्टेडियम, संगीत कला अकादमी, नेशनल साइंस अकादमी, हाथी गांव, मोम फैक्ट्री, चोखी दाढ़ी जैसे अलग-अलग स्थानों का भ्रमण करेंगे। इस अवसर पर वित्त एवं लेखाधिकारी यूएस डांगी, मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा, जिला समन्वयक हिमांशु कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी सावेद आलम, राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार चौधरी, नरेश जोशी, अनुराग मिश्रा, मजरी मिश्रा, इजा आर्य, सुभाष सिंह मौजूद रहे।

हैंडबॉल प्रतिस्पर्धा के लिए चयनित छात्राएं। ● अमृत विचार

राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धा में खेलेंगी छात्राएं

रुद्रपुर : गुरुनानक बालिका इंटर कॉलेज में अध्ययनरत चार छात्राओं का राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली हैंडबॉल प्रतिस्पर्धा में चयन हुआ है। गुरुवार को गुरुनानक बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य एवं व्यायाम शिक्षिका अंजलि ने बताया कि 23 जनवरी को स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा गुजरात में 69वीं राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धा का आयोजन कर रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यालय की राधा रानी, अंशिका, दीक्षा राजपूत, काजल बिष्ट का हैंडबॉल प्रतिस्पर्धा में चयन हुआ है। इसके बाद मेधावी खिलाड़ी 16 जनवरी को गुजरात के सोमनाथ के लिए रवाना होगी और अंडर-17 वर्ग के राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करेगी। जिसकी तैयारी विद्यालय प्रबंधन ने कर ली और छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया गया है।

ट्रांसपोर्ट संचालक पर हमला किया

रुद्रपुरः नाली-सड़क चौड़ीकरण की चर्चा को लेकर हुए विवाद और ट्रांसपोर्ट संचालक पर हुए हमला प्रकरण में पुलिस ने सगे दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।खेड़ा बस्ती वार्ड-19 निवासी योगेश चौहान ने बताया कि 13 जनवरी को वह घर के सामने बच्चे के साथ बाहर धूप सेक रहा था। इस दौरान वह मेयर द्वारा नाली-सड़क चौड़ीकरण के कार्य को लेकर आपस में चर्चा कर रहा था। इसी बीच वहीं के रहने वाले सगे भाई मुकेश अरोरा और जगमोहन अरोरा आये और अभद्रता करते हुए लाठी-डंडे से हमला बोल दिया। हाथापाई के दौरान छोटा बच्चा भी गिरते हुए बचा। शोर मचाने पर हमलावर भाई फरार हो गए। पीड़िता का कहना था कि सड़क निर्माण में उनका कोई योगदान नहीं है।

तीनों प्रभागों में मास्टर कंट्रोल रूम करें स्थापित

- वनाग्नि की घटनाओं को रोकने लिए बनाएं फायर लाइन
- डीएम ने वन विभाग के अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने जिला स्तरीय वनाग्नि प्रबंधन समिति की बैठक में अधिकारियों को वनाग्नि की घटनाओं को रोकने लिए समय से फायर लाइन बनाने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद में वनाग्नि से संबंधित सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए तीनों प्रभागों में मास्टर कंट्रोल रूम समय से स्थापित करने और मास्टर कंट्रोल रूम के नंबर भी सार्वजनिक करने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिए।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को ब्लॉक और ग्राम स्तरीय वनाग्नि सुरक्षा समितियों को सक्रिय करने, चिन्हित संवेदनशील स्थानों के आसपास वाली ग्राम पंचायतों के क्षेत्रवासियों को वनाग्नि की रोकथाम, बचाव आदि के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाने व समय से बैठक करने के निर्देश दिए। साथ ही वन क्षेत्रों वाले गावों के युवक, महिला मंगल दलों को सक्रिय करने और वॉलिंटियर बनाने के निर्देश भी दिए।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम नितिन सिंह भदौरिया। ● अमृत विचार

उन्होंने वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम के लिए फायर, पुलिस, राजस्व, शिक्षा विभाग के साथ ही अन्य विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी को ग्रीष्मकाल में चिकित्सालयों में बर्न यूनिट तैनात रखने के साथ ही प्राइवेट चिकित्सालयों में भी बर्न यूनिट तैनात कराने के निर्देश दिए। प्रभागीय वनाधिकारी यूसी तिवारी ने बताया कि जनपद के तीनों प्रभागों में 61 क्रू स्टेशन स्थापित किये जाते हैं और लगभग 939 नियमित एवं दैनिक श्रमिक तैनात किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष ग्रीष्मकाल में वनाग्नि से 1.85 हेक्टेयर वन प्रभावित हुए। विकासखंड एवं ग्राम स्तर पर समितियां गठित हैं।

ये अधिकारी रहे मौजूद

अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, एसीएमओ डॉ.मनोज शर्मा, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, गौरव पांडेय, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमा शंकर नेगी, अधिशासी अभियंता लोनिवि गजेंद्र सिंह, सहायक अभियंता सिंचाई भुवन पांडे, उप प्रभागीय वनाधिकारी सावित्री आदि मौजूद रहे, जबकि सभी उप जिलाधिकारी व वनाधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े थे।

अपील खारिज, भुगतनी होगी सजा

- वर्ष 2019 में हो चुकी है तीन साल की सजा
- द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः तीन माह के बच्चे के अपहरण प्रकरण की फौजदारी अपील याचिका पर सुनवाई करते हुए द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दायर याचिका को खारिज कर दिया और दंडित दोषियों को तीन वर्ष की सजा को बरकरार रखने का आदेश दिया है।

एडीजीसी दांडिक अनिल सिंह ने बताया कि मुकदमा वादी सोनू रंधावा ने बताया था कि वह आरआर क्वाटर वार्ड-12 में परिवार के साथ रहता है। 13 नवंबर 2017 को मामा के बेटे की मृत्यु होने की सूचना मिलने पर जब उसने अपने तीन माह के बच्चे हरमन को किराए पर रहने वाली विद्या नाम की महिला को इस आशय से सौंपा था कि वह जल्द ही संस्कार से लौटकर ले जाएगा। शाम को जब वह लौटा और बेटे के बारे में पूछा तो पता चला कि अज्ञात महिला ने तीन माह के मासूम का अपहरण कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कराने के बाद तफ्तीश में शांति कौर निवासी गांव दिलीपुर रामपुर यूपी, ओमकार उर्फ चेतन निवासी गांव मुडिया जैन मुरादाबाद व लाडी उर्फ जसवंत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बरामद किया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान 16 अप्रैल 2019 को निचली अदालत ने चार्जशीट में दायर दोषियों को तीन साल का कठोर कारावास और 3500 रुपये का अर्थदंड देने की सजा सुनाई। जिसके बाद पुनः सजायाफ्ता शांति कौर और ओमकार द्वारा द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मीना देऊपा की अदालत में सजा के विरुद्ध फौजदारी अपील याचिका दायर की। जहां पुनः एडीजीसी अनिल सिंह ने अदालत के सामने तथ्य पेश किए। अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद दायर याचिका को खारिज करते हुए वर्ष 2019 की सजा को बरकरार रखने का आदेश दिया।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मैंने अपनी बालिग पुत्री संजना को उसके अमर्यादित कृत्यों के चलते अपनी समस्त प्रकार की चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा अपने व अपने परिवार के समस्त संबंध विच्छेद कर लिए हैं। यह कि भविष्य में मेरी पुत्री अपने गलत व सही कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। - **राम कुँवर पुत्र श्री कडे राम, वार्ड नंबर 4, इंद्र विहार कॉलोनी, गदरपुर, उधम सिंह नगर**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट सं. T 1491624 में भूलवश माता जी का नाम शमा बी अंकित हो गया है, जबकि आधार व पेन कार्ड में उनका वास्तविक नाम शमा बेगम अंकित है। भविष्य में वास्तविक नाम शमा बेगम के नाम से जाना व पहचाना जाए। **अरीब खान पुत्र वारिद खान, वार्ड नं.-12, सिरौली कला, किच्छा (ऊधमसिंह नगर) उत्तराखण्ड।**

कार्यालय सहायक महाप्रबन्धक (संचालन)
उत्तराखण्ड परिवहन निगम, टनकपुर

पत्रांक : 1961 टनक/समप्र (सं०) कैन्टीन/निविदा/ 2025 दिनांक : 13-01-2026

टेण्डर स्टालों के बाबत निविदा आमंत्रण

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तराखण्ड परिवहन निगम टनकपुर डिपो के अन्तर्गत सितारगंज बस स्टेशन में स्टॉल हेतु निम्न निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्न है -

1-जलपान गृह
2-जनरल मर्चेन्ट
3-फल स्टाल

टनकपुर डिपो के सितारगंज बस स्टेशन बाबत इच्छुक ठेकेदारों से सील बन्द निविदा डॉक / स्पीड पोस्ट / कार्यालय काउन्टर पर दिनांक 14-01-2026 से दिनांक 01-02-2026 समय मध्याह्न 14:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। दिनांक 02-02-2026 समय मध्याह्न 15:00 बजे गठित समिति एवं उपस्थित रहने वाले निविदाकर्ताओं के समक्ष प्राप्त निविदा खोली जायेंगी। इस हेतु शर्तें एवं निविदा फार्म दिनांक 14-01-2026 से किसी भी कार्य दिवस में धनराशि 100/- में प्राप्त किया जा सकता है। भविष्य में निर्धारित तिथि को अकस्मात् सार्वजनिक अवकाश घोषित किये जो पर निविदा कार्यालय खुलने के कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

(के०एस०राणा)
सहायक महाप्रबन्धक, टनकपुर

इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग को झांसा देकर हड़पे 26.58 लाख

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः कोतवाली इलाके के रहने वाले एक कारोबारी को उपकरण देने का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गांव हर लालपुर महेशपुर बाजपुर निवासी आसिम रजा ने बताया कि किच्छा रोड स्थित उसकी मैसर्स रजा हैवी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की दुकान है। जो इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ट्रांसफार्मर, मीटर बदलने के साथ ही उपकरण लगाने का कार्य करती है। जिसके लिए कई उपकरण की आवश्यकता पड़ती है। जिसको लेकर उसने मैसर्स सूरज आयरन ट्रेडर्स शिवाजी मंदिर के पीछे पलोडी जीडीमेटला हैदराबाद तेलंगाना से संपर्क किया और उपकरण देने का ऑर्डर बुक किया।

फर्म के संचालक शकीला पासा से हुई बातचीत के बाद फर्म संचालक के खाते में 65 लाख की धनराशि का भुगतान कर दिया। कुछ दिन बाद फर्म को महज 38.41 लाख का सामान का ऑर्डर आया, लेकिन 26.58 लाख रुपये कीमत के उपकरण नहीं आये तो आयरन फर्म संचालक से संपर्क किया। उसने टालमटोल करते हुए अभद्रता और धमकी देनी शुरू कर दी।

देह व्यापार में धकेलने वाली महिला को छह माह के कारावास की सजा

- चार अभियुक्तों को अदालत ने किया दोषमुक्त, विशेष पॉक्सो न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः एक युवती को पैसों का लालच देकर देह व्यापार में धकेलने वाली एक दोषी महिला को अदालत ने छह माह के कठोर कारावास की सजा सुनाई है, जबकि तफ्तीश में नामजद चार अभियुक्तों को दोषमुक्त कर दिया। विशेष पॉक्सो न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

विशेष लोक अभियोजक राहुल गौतम ने बताया कि 11 सितंबर को ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की प्रभारी बसंती आर्य पुलिस टीम के साथ थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में चेकिंग कर रही थी कि तभी एक व्यक्ति घबराते हुए आया। उसने बताया कि उसकी बेटी पिछले कुछ दिन से घर से लापता हो गई थी और कई दिनों बाद वह घबराई हुई घर लौटी है। सूचना मिलते ही पीड़िता को तत्काल कार्यालय ले जाकर काउंसलिंग की तो पीड़िता ने बताया कि उसकी मुलाकात लक्ष्मी आंटी और संजय नाम के व्यक्ति से हुई। जहां उन्होंने पैसा कमाने का प्रलोभन देकर कुछ लोगों से मिलवाया और बंधक बनाकर देह व्यापार में धकेल दिया।

मौका पाकर वह चंगुल से छूटकर भागी है। पुलिस और एएचटीयू की संयुक्त तफ्तीश में पुलिस ने बयानों के आधार पर राजा खान, कुनाल वर्मा, संजय उर्फ सुजॉय, लक्ष्मी और रितिका सरीन उर्फ राधिका को अभियुक्त बनाया। प्रकरण की सुनवाई विशेष पॉक्सो न्यायाधीश अश्विनी गौड़ की अदालत में प्रारंभ हुई। जहां डीजीसी ने अदालत के सामने गवाह पेश किए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने देह व्यापार की मुख्य दोषी रीतिका सरीन उर्फ राधिका निवासी जनपथ रोड को छह माह का कठोर कारावास की सजा सुनाई, जबकि चार्जशीट में नामजद पांच अभियुक्तों को दोषमुक्त कर दिया।

आरोप कांग्रेस नेता ने लगाया आरोप, कहा- महापौर को कुर्सी का नशा सा हो गया है

महापौर के बयान पर कांग्रेस नेता मोहन खेड़ा ने किया पलटवार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः महापौर द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता मोहन खेड़ा ने कहा कि जिस प्रकार वह भी महापौर के चुनावी मैदान में थे। जनता ने भरपूर समर्थन किया, लेकिन धामी सरकार की मेहरबानी और प्रशासन की चालाकी के आगे वह चुनाव हार गए। उसके बाद से ही महापौर को कुर्सी का नशा सा हो गया है। कभी किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं तो कभी उनके पारिवारिक मामलों को सार्वजनिक कर अपनी सोच को प्रदर्शित कर रहे हैं।

गुरुवार को प्रेसवार्ता करते हुए कांग्रेस नेता मोहन खेड़ा ने कहा कि महापौर सभी जाति-धर्म के मेयर हैं और महज जाति विशेष और द्वेष भावना की रणनीति पर उतारु हैं। जिसको इलाके की जनता समझ चुकी है। पिछले दिनों महापौर विकास शर्मा ने उनके पारिवारिक मामले को लेकर बयान दिया था, जबकि वह मामला उनके परिवार का था। उन्होंने कहा कि जब से धामी सरकार के इशारे पर प्रशासन ने चुनाव जिताया है, उसके बाद से ही मेयर अपनी मर्यादा को भूल गए हैं और किच्छा विधायक बेहड़ की संपत्ति की जांच, चुनाव हारने का ऐलान के साथ ही कांग्रेस नेताओं को टारगेट कर रहे हैं।

प्रेस वार्ता करते कांग्रेस नेता मोहन खेड़ा। ● अमृत विचार

जबकि सत्यता यह है कि खुद को धार्मिक आस्थावान बताने वाले मेयर के कार्यकाल में कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है। वार्ड के विकास ठप पड़े हुए हैं और भाजपा पार्षदों के ही कार्य किये जा रहे हैं। इन सभी मुद्दों की जांच करवा ली जाए तो कई घोटाले के मामले सामने आ सकते हैं। खेड़ा ने ऐलान किया कि अब कांग्रेस निगम के हर भ्रष्टाचार की पोल खोलेगी और सर्वसमाज को साथ लेकर एक बड़ा अभियान चलाएगी। इस मौके पर रणजीत सिंह राणा, प्रीति साना, हरीश बावरा, मोनिका ढाली, परवेज कुरैशी, सोफिया नाज आदि मौजूद रहे।

विधायक हों या फिर कांग्रेस नेता जनाधार पाने का कर रहे प्रयास

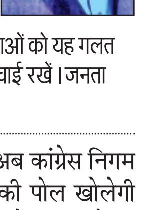

रुद्रपुर : महापौर विकास शर्मा ने कहा कि निकाय चुनाव में रुद्रपुर विधानसभा की जनता ने 13 हजार मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज करवाई है, लेकिन धामी सरकार की विकासपरक सोच और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के कारण प्रदेश में कांग्रेस पनप नहीं पा रही है। किच्छा विधायक हो या फिर कांग्रेस नेता मोहन खेड़ा अनर्गल बयानबाजी जनाधार पाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जब वह करारा जवाब दे देते हैं तो कांग्रेस नेताओं को बर्दाश्त नहीं होगी। उनका कार्यकाल पारदर्शी और विकासपरक रहेगा। यदि कांग्रेस नेताओं को यह गलत लग रहा है तो कांग्रेस नेता बयानों के आधार पर जनता के सामने सच्चाई रखें। जनता जानती है कि कांग्रेस किस वर्ग की राजनीति करती है।

ब्रीफ न्यूज

कल से होगी भौतिक विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा

सितारगंज: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सितारगंज 17 जनवरी को भौतिक विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा आयोजित कराई जाएगी। भौतिक विज्ञान की प्रभारी डॉ. सविता रानी ने बताया कि बीएससी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थीयों की प्रयोगात्मक 17 जनवरी 2026 (शनिवार) को सुबह 10 बजे से आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है। साथ ही, वह प्रैक्टिकल रिकॉर्ड के साथ प्रेक्टिकल सामग्री को लेकर 9 :30 बजे तक अनिवार्य रूप से महाविद्यालय पहुंच जाए।

ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सितारगंज: पुलिस ने बाइक सवार को कुचलने के आरोप में ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। महेश चन्द्र पुत्र रामसहाय, निवासी बरखेड़ा, तहसील बीसलपुर, जिला पीलीभीत यूपी ने गुरुवार को पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उनका पुत्र आकाश 12 जनवरी को अपनी ससुराल ग्राम कल्याणपुर से सिडकुल की कंपनी में ड्यूटी के लिये बाइक से जा रहा था। सिडकुल रोड पर पीछे से आ रहे ट्रक के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार आकाश को कुचल दिया। आकाश की मौके पर ही मौत हो गयी। चालक ट्रक छोड़ मौके से फरार हो गया। एसएसआई राजेन्द्र प्रसाद के अनुसार पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पांच कन्याओं का हुआ सामूहिक विवाह

खटीमा: हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा भूमिसेन महाराज मंदिर के श्री राम जानकी निर्धन कन्या विवाह का आयोजन किया गया। जिसमें पांच कन्याओं का विवाह शास्त्री भानु प्रकाश द्वारा संपन्न कराया गया। बारात रेलवे स्टेशन रोड से मुख्य चौराहे होते हुए पीलीभीत रोड से मंदिर पहुंची। बारात में विभिन्न प्रकार की झांकियां लोगों का आकर्षण रहीं। विवाह में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं नवदंपत्तियों को दान में घर गृहस्थी का सामान अलमारी, चांदी की पायल, सिंगार दान, बर्तन, कपड़े, बेड इत्यादि दिया गया। विधायक भुवन कापड़ी और भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉ. विनीता सक्सेना ने वर वधु को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर संरक्षक मीरा सोनकर, अध्यक्ष बाबा नंदलाल गिरी, रंजन अग्रवाल, उमेश राठौर, रवीश भटनागर, दीपक कापड़ी, फिरोज खान, विश्वनाथ यादव, हीरा सिंह, अरुण कश्यप, प्रमोद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अवतार ने किया ट्रॉफी पर कब्जा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बिंदुखेड़ा में आयोजित 74 वें विशाल कुश्ती दंगल मेले में आयोजित झंडी वाली कुश्ती के फाइनल में काशीपुर के अवतार सिंह ने दिल्ली के आसिफ को पछाड़कर इस वर्ष की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता और समाजसेवी भारत भूषण चुघ ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ी को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

विजेता खिलाड़ी के साथ मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता चुघ व अन्य।

गुरुवार को प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता चुघ ने कहा कि लोहड़ी माघी और मकर संक्रांति के अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा एवं ग्राम सभा बिंदुखेड़ा द्वारा पिछले कई दशकों से विशाल कुश्ती दंगल मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें दूर दराज से आए पहलवान अपनी प्रतिभा का परिचय देते हैं। उन्होंने कहा कि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए यह खेल आज भी बेहद लोकप्रिय है। पहले कुश्ती गांव का खेल कहा जाता था। लेकिन आज कुश्ती ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली है।

इससे पूर्व गुरुद्वारा कमेटी बिंदुखेड़ा की ओर से समाजसेवी चुघ को सरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान काबल सिंह, अमरजीत सिंह, भजनीक सिंह, सोना सिंह, विचित्र सिंह, हरभजन सिंह, जसपाल सिंह, बलकार सिंह, जोगेंद्र सिंह, इंद्रजीत सिंह, हरपाल सिंह, प्रीतम सिंह, सूरज आर्य, सत्ता कोली, अजय मिश्रा, सोनू शर्मा, मोंटू आर्य, पवन सागर मौजूद रहे।

फाइनल में रुद्रपुर और काशीपुर को हराया, विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

लालकुआं की बालिकाओं का रहा दबदबा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: खेल महाकुंभ 2025 व मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी के तहत सांसद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हो गयी। प्रतियोगिता के अंडर-14 फुटबॉल बालिका वर्ग के फाइनल में विधानसभा लालकुआं ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि अंडर-19 में फुटबॉल बालिका वर्ग में भी लालकुआं विधानसभा का दबदबा रहा।

विजेता टीम के साथ मुख्य अतिथि नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे व अन्य। ● अमृत विचार

गुरुवार को 31वीं वाहिनी पीएसी रुद्रपुर में आयोजित अंडर-14 फुटबॉल बालिका वर्ग के फाइनल मैच में विधानसभा लालकुआं ने विधानसभा रुद्रपुर को 5-0 से हराकर पहला स्थान स्थान प्राप्त किया, जबकि रुद्रपुर दूसरे स्थान पर रहा। इसी तरह अंडर-19 फुटबॉल बालिका वर्ग में फाइनल मैच में विधानसभा लालकुआं ने काशीपुर को 3-0 से हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि काशीपुर दूसरे स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता में मैच रेफरी की भूमिका खेल समन्वयक दिनेश सिंह, इंस्पेक्टर योगेंद्र देव, एसआई होशियार बोहरा, हेड कांस्टेबल कमल सिंह ने निभाई। प्रतियोगिता के बाद मुख्य अतिथि नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, सहायक कमांडेंट 31वीं वाहिनी पीएसी तपेश कुमार ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी यशवंत कुमार, कंचन सरावत, अमित कुमार, नंद किशोर जोशी, राजेंद्र लाल शर्मा समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

हम ऊ माटी मा जनम लिई छौं, जां देवता वास करन छौं...

लालकोठी उत्तरायणी कौतिक में स्कूली बच्चों ने मचाया धमाल, विधायक भुवन कापड़ी ने कहा-मेले हमारी संस्कृति को बनाए रखने में हैं अहम

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उत्तरायणी कौतिक मेला कमेटी लालकोठी के तत्वावधान में मकर संक्रांति के दूसरे दिन स्कूली बच्चों और लोक गायकों की धूम रही।

दूसरे दिन के कौतिक मेले का शुभारंभ करते हुए विधायक भुवन कापड़ी ने क्षेत्रवासियों को उत्तरायणी पर्व मकर संक्रांति की बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मेले हमारी संस्कृति को बनाए रखने में अहम भूमिका अदा करते हैं। कैले बजा मुरुली ओ बैना ऊंची निची डाड्यू मां, त्यर गाला मूंगें की माला म्यार गाले जंजीरा, सांची बताया झूठी ना लाया कब आला यौ बाटा, हम ऊ माटी मा जनम लिई छौं, जां देवता वास करन छौं...आदि गीतों पर लोग झूम उठे। प्रबंध समिति अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह खोलिया, नवीन बोरा, देवेन्द्र कन्याल ने अतिथियों का आभार जताया। उत्तरायणी में अवर लेडी ऑफ़ मदर टेरेसा पब्लिक स्कूल, ट्रैफोड पब्लिक स्कूल, सरस्वती एकेडमी, राकेश डांस एकेडमी, सोर वैली पब्लिक स्कूल, आरडी पब्लिक स्कूल, शिक्षा भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नोजगे पब्लिक स्कूल, अलक्ष्या पब्लिक स्कूल, भागीरथी पब्लिक स्कूल, स्कॉलर गुरुकुल एकेडमी के बच्चों ने प्रस्तुति दी।

खटीमा के लाल कोठी उत्तरायणी कौतिक में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते सरस्वती एकेडमी के बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में उमेश राठौर, पंकज टम्टा, वीरेन्द्र राज, सुरेश बोरा, रमेश जोशी, दीपक चंद, विक्रम चौहान, पूरन मेहता, प्रकाश तिवारी, कुंवर सिंह खनका, नरेंद्र बिष्ट, पूरन जोशी, माया जोशी, दीपू खोलिया, जगत सिंह खोलिया, कुन्दन सिंह ज्याला, पूजा ठकुराठी, जीवन जोशी, प्रेम सिंह पोखरिया, बलवंत सिंह खोलिया, दिनेश चंद, अशोक चंद, गोपाल सिंह, गणेश राम, जीवन जोशी आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल के गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार। ● अमृत विचार

उत्तराखंडी लोकगीतों और नृत्य पर झूमे लोग

- लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल, गजेंद्र राणा, स्वाति भट्ट व सृष्टि नौटियाल के नृत्य ने बांधा समां

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति चक्कीमोड़ के तत्वावधान में स्व. हिमांशु गड़िया की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतिम दिन कुमाऊंनी लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल, गजेंद्र राणा व स्वाति भट्ट के नाम रहा। सृष्टि के कुमाऊनी व गढ़वाली गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति से जनसमूह थिरकने को मजबूर हो उठा।

गुरुवार को रामलीला मैदान चक्कीमोड़ उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में स्व हिमांशु गड़िया की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतिम दिन मुख्य अतिथि विधायक अरविंद पांडेय, अतिविशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू, विशिष्ट अतिथि जिपंस भावना कोरंगा, ग्राम प्रधान गीता देवी, समाजसेवी हीरा जंगपांगी रौतेला, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष चंदन सिंह नयाल, समाजसेवी शंकर सिंह नगरकोटी व समिति अध्यक्ष सचिन राणा ने संयुक्त रूप से स्व. हिमांशु गड़िया के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि विधायक अरविंद पांडेय ने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति हमारी धरोहर है। उत्तराखंड की संस्कृति को आगे बढ़ाने में युवाओं का योगदान जरूरी है। अतिविशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू ने कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति व संस्कारों को जीवित रखने के लिए जागरूक रहना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष सचिन राणा और संचालन समाजसेवी राजेंद्र सिंह मेहरा व समिति महासचिव लोकपाल शाही ने किया। इस मौके पर युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर, जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, सहकारी समिति पूर्व अध्यक्ष भगत सिंह धर्मशक्तू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रेखा रावत, कोषाध्यक्ष गोविंद चौहान मौजूद रहे।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ कौतिक का समापन

सितारगंज: रामलीला मैदान में उत्तरांचल सांस्कृतिक विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ''उत्तरायणी कौतिक'' का बृहस्पतिवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी गोपाल दत्त जोशी ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर राज्य आंदोलनकारी फकीर सिंह कन्याल, गोपाल सिंह बिष्ट, भगवान सिंह भंडारी, अजय सिंह क्वीरा, बसंत कुमार आदि मौजूद रहे।

विधायक पांडेय पर लगे गंभीर आरोप

- भूमि विवाद से जुड़ा मामला, एसडीएम कार्यालय पर धरने पर बैठी बुजुर्ग महिला
- भाजपा विधायक अरविंद पांडे पर जमीन कब्जाने और डराने-धमकाने के आरोप

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: भाजपा विधायक अरविंद पांडेय पर भूमि विवाद के एक मामले में गंभीर आरोप लगे हैं।

ग्राम विचपुरी में एक पुराना भूमि विवाद फिर सुर्खियों में है। 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला परमजीत कौर ने गदरपुर विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद पांडेय पर जमीन कब्जाने और डराने-धमकाने के आरोप लगाते हुए गुरुवार को एसडीएम कार्यालय पर धरना दिया। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष 2019 में लीज पर दी गई भूमि के क्षेत्रफल में हेरफेर कर शर्तों के विपरीत अधिक जमीन पर ''विद्या ज्योति एजुकेशनल सोसायटी'' का निर्माण कराया गया। पीड़ित महिला ने इस संबंध में एसडीएम से गहनता से जांच कराने की मांग की है।

एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा से शिकायत करतीं बुजुर्ग महिला।

वहीं, विधायक अरविंद पांडेय ने प्रेस वार्ता कर आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि वे हर स्तर की जांच के लिए तैयार हैं और उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री से इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। पांडेय ने कहा कि सत्य सामने आना चाहिए।

इस मामले में एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा ने तहसीलदार, चकबंदी अधिकारी और पुलिस की एक संयुक्त जांच टीम गठित कर दी है।

भूमि विवादों की एक सप्ताह में रिपोर्ट दें

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने सभी उप जिलाधिकारियों, नगर आयुक्तों, चकबंदी अधिकारी को सभी भूमि विवादों के प्रकरणों पर विशेष अभियान चलाकर परीक्षण करते हुए एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ताकि भूमि विवादों का निस्तारण शीघ्रता से हो सके।

गुरुवार को अपर जिलाधिकारी ने जिलाधिकारी की ओर से गठित समिति की बैठक में कहा कि भूमि विवादों की प्रकृति, उनसे जुड़े पक्षों, उनके कारणों और कानून व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों का समग्र आकलन किया जाना आवश्यक है। जो भूमि विवाद से जुड़े प्रकरणों, कानून व्यवस्था की स्थिति और विवादों के निस्तारण के लिए उपलब्ध कानूनी एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जांच कर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

अधिकारियों के साथ बैठक करते एडीएम पंकज उपाध्याय। ● अमृत विचार

अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि भूमि विवादों के कारण कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले किसी भी मामले को गंभीरता से लिया जाएगा। नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर समिति सदस्य अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ.उत्तम सिंह नेगी, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी किशोरी कुटियाल आदि मौजूद थे, जबकि सभी उप जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

राजस्व समीक्षा बैठक में जवाबदेही पर दिया बल

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : राजस्व विभाग की मासिक समीक्षा प्रक्रिया के तहत राजस्व समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने की। बैठक में उप तहसील, नानकमत्ता के नायब तहसीलदार, सितारगंज तहसील के तहसीलदार, पटवारी और कानूनगो उपस्थित रहे।

बृहस्पतिवार को सितारगंज तहसील परिसर में आयोजित बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें कर्मचारियों की स्थिति, अंश निर्धारण, भूमि विवाद, सीलिंग भूमि, अतिक्रमण और जन शिकायतों के निस्तारण मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके अलावा डिजिटल क्रॉप सर्वे, फार्मर रजिस्ट्री की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई।

एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को अंश निर्धारण खतौनी बनाने के साथ प्रत्येक खातेदार, सहखातेदार के अंश का सटीकता से उल्लेख करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सेवाओं का समयबद्ध निस्तारण करने के साथ विभागीय अधिकारियों से दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर विशेष बल दिया। वहां तहसीलदार हिमांशु जोशी, नायब तहसीलदार नरेंद्र गहतोड़ी, पटवारी त्रिलोचन सुयाल, दीपक महर आदि मौजूद रहे।

समारोह

कार्यक्रम में वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को मोमेंटो और कंबल भेंटकर सम्मानित किया

खटीमा में पूर्व सैनिकों ने धूमधाम से मनाया सेना दिवस

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: पूर्व सैनिक संगठन के तत्वावधान में आयोजित सेना दिवस समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को मोमेंटो और कंबल भेंटकर सम्मानित किया गया।

अमाऊं के एक निजी प्रतिष्ठान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विधिक प्राधिकरण सचिव योगेन्द्र कुमार ने शहीदों की याद में दीप प्रज्ज्वलित और पुष्प अर्पित कर किया। पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष कैप्टन गंभीर सिंह धामी ने अतिथियों का स्वागत सम्मान करते हुए समस्त पूर्व सैनिकों, वीर नारियों को सेना दिवस की बधाई दी। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व सैनिकों को वर्चुअल जुड़कर सेना दिवस की बधाई दी। मुख्य अतिथि कुमार ने वीर नारियों को कंबल और मोमेंटो भेंट किया। संगठन अध्यक्ष कैप्टन गंभीर सिंह धामी ने कार्यक्रम करने वाले स्कूली बच्चों और शिक्षकों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। संगठन अध्यक्ष धामी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। संचालन नारायण सिंह सोन ने किया। इस अवसर पर कर्नल धर्मवीर राजपूत, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सीपी कोठारी, गगन चंद रजवार, सूबेदार दान सिंह सामंत, जगत सिंह मार्कण्डेय, लक्ष्मण सिंह महर, धन सिंह सामंत, दान सिंह बोरा, राजेन्द्र सिंह अधिकारी, भुपेंद्र चंद, भूपेंद्र सिंह खोलिया, धन सिंह बोरा, फकीर सिंह ज्याला, कल्याण सिंह भंडारी, आंनद सिंह सामंत आदि मौजूद रहे।

खटीमा में पूर्व सैनिकों को सम्मानित करते अतिथि। ● अमृत विचार

छात्रों को दी सैनिकों के गौरव की जानकारी

बाजपुर: उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार गुरुवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ''सेना दिवस'' पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में एनसीसी कैडेट्स को 15 जनवरी के ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया गया। पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने बताया कि यह दिन फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा के पदभार ग्रहण करने की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय सुरक्षा, सैनिकों के बलिदान और पूर्व सैनिकों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही, विधिक सहायता हेतु नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी बताया गया। इस मौके पर डॉ. पंकज कुमार, केसी जोशी और एनसीसी विद्यार्थी मौजूद रहे।

गदरपुर में दंगल का शानदार आगाज

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचार: स्थानीय इतवार बाजार में समाजसेवी मोहम्मद आलम द्वारा अपने स्वर्गीय पिता की स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय दंगल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। दोपहर 2 बजे शुरू हुए इस आयोजन में उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों के नामचीन पहलवानों ने अपनी ताकत और दांव-पेंच का प्रदर्शन किया।

दंगल को लेकर दर्शकों में भारी उत्साह देखा गया। आलम यह था कि मैदान खचाखच भर जाने के कारण लोग पास के पेड़ों पर चढ़कर कुश्ती का लुत्फ उठाते नजर आए। आयोजनकर्ता मो. आलम ने बताया कि उनके पिता का खेलों से गहरा लगाव था। इस दंगल का उद्देश्य ग्रामीण खेलों को पुनर्जीवित करना और युवाओं को नशे व बुरी संगत से दूर रखकर स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित करना है।

गदरपुर में आयोजित दंगल में भिड़ते पहलवान। ● अमृत विचार

प्रतियोगिता के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान समाजसेवी लाल बादशाह, सभासद परमजीत सिंह पम्मा, अश्वनी कुमार, सचिन गुप्ता, सभासद प्रतिनिधि सलीम बाबा, नाजिर, रामजीवनपुर प्रधान मोहम्मद रिजवान, शाकिर अली, अजीम, इरफान, याकूब, नासिर बाबा आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

राइजिंग फाउंडेशन ने वितरित किए गर्म कपड़े

काशीपुर : राइजिंग फाउंडेशन की ओर से मकर संक्रांति पर्व पर जरूरतमंदों को गर्म कपड़े, कंबल और बच्चों में खाद्य सामग्री वितरित की गई। अध्यक्ष सुधा राय ने बच्चों और बुजुर्ग महिलाओं को इस पर्व की खासियत के बारे में जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को गर्म कपड़े, खाद्य सामग्री वितरित की। उन्होंने बच्चों से अपने बुजुर्गों की सेवा और ध्यान रखने की अपील की। इस मौके पर शालिनी, अनुपमा, तन्वी, हेमा, काजल, सोमा, मंजू, अजीता, सुरभि आदि मौजूद रहे।

मानसिक रूप से अस्वस्थ बुजुर्ग लापता

काशीपुर : जसपुर खुर्द निकट यामहा शोरूम के पास निवासी राहुल कुमार ने पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि बीती 13 जनवरी की सुबह पांच बजे उसके पिता प्यारे सिंह (70) घर से किसी को बिना कुछ बताए कहीं चले गए। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। जिन्हें संभावित जगह पर तलाश किया, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने बेटे की तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर बुजुर्ग की तलाश शुरू कर दी है।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

जसपुर : घर के बाहर खड़ी एक व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित ने चोरी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई है। मोहल्ला नई बस्ती डाक बंगला निवासी वसीम अहमद की सुपर स्प्लेंडर बाइक बीती छह जनवरी को घर के बाहर खड़ी थी। सुबह के समय वसीम जब काम पर जाने के लिए निकला तो घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक मौके से गायब मिली। वसीम ने बाइक चोरी की तहरीर कोतवाली में दी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो वाहनों के किए दस-दस हजार रुपये के चालान

काशीपुर : मंडी समिति के सचिव योगेश तिवारी ने बताया कि मुरादाबाद रोड पर सरवरखेड़ा के समीप मंडी की सचल दल ने दो टाटा एस वाहन पकड़े। दोनों वाहनों में मटर लदी हुई थी, जो ठाकुरद्वारा और मुरादाबाद से आ रही थी। दोनों के वाहन चालकों के पास वैध प्रपत्र नहीं थे। इसके बाद दोनों वाहनों से दस-दस हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। टीम में निरीक्षक महेंद्र सिंह नपलच्याल, निरीक्षक नवनीत कुमार, मंडी सहायक प्रकाश राम, मनोज कुमार, भीम सिंह आदि रहे।

प्रोफेसरों ने लिया बंगलूरू में प्रशिक्षण

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ. महेंद्र जोशी, वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. विवेक कुमार केडिया, गणित विभाग के डॉ. आरसी कश्यप और रसायन विज्ञान विभाग की डॉ. चन्द्रकला सिंह का चयन उत्तराखंड सरकार द्वारा आईआईएससी बैंगलोर में प्रशिक्षण के लिये किया गया था। आईआईएससी बंगलूरू में 28 दिसंबर 2025 से 12 जनवरी 2026 तक आयोजित प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। उक्त प्रशिक्षण में डॉ. विवेक कुमार केडिया को बेस्ट परफॉर्मर व डॉ. महेंद्र जोशी को बेस्ट प्रोजेक्ट की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

180 लीटर कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर : आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम कटैया में छापेमारी की। आबकारी निरीक्षक दिवाकर चौधरी ने बताया कि काशीपुर में विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत ग्राम कटैया में छापेमारी करते हुए एक मकान में दबिश दी। दबिश के दौरान आरोपी बलविंदर सिंह के मकान में तीन प्लास्टिक की कैन से लगभग 150 लीटर एवं एक प्लास्टिक के कट्टे में 30 लीटर कुल 180 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई।

मृतक सुखवंत को न्याय दिलाने के लिए पीछे नहीं हटेंगे : लाडी

किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हरेंद्र सिंह लाडी की प्रेस वार्ता, परिजनों को दी सांत्वना

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हरेंद्र सिंह लाडी ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस लड़ाई में वह उनके साथ खड़े हैं और किसी भी हाल में न्याय दिलाने के लिए पीछे नहीं हटेंगे।

किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरेंद्र सिंह लाडी बृहस्पतिवार को प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा के साथ ग्राम पैगा निवासी मृतक किसान सुखवंत सिंह के घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मृतक सुखवंत के पिता तेजा सिंह, भाई परविंदर सिंह से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि यह मामला एक परिवार की पीड़ा तक सीमित नहीं है। बल्कि इस घटना ने राजनीति, प्रशासन और समाज के हर वर्ग को झकझोर कर रख दिया है। इस दौरान उन्होंने पिता व भाई से पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि आखिर सुखवंत सिंह को इतना बड़ा कदम उठाने के लिए किन हालातों ने मजबूर किया। प्रदेश अध्यक्ष लाडी ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस लड़ाई में वह उनके साथ खड़े हैं और किसी भी हाल में न्याय दिलाने के लिए पीछे नहीं हटेंगे। लाडी ने कहा जिस व्यक्ति ने मरने से पहले यह कह दिया कि वह खुद को मरा हुआ मान चुका है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि उस पर कितना असहनीय दबाव रहा होगा। कहा कि उसको मरने से पहले अपनी पत्नी व बेटे को भी मृत घोषित करने जैसे बयान देना पड़ा। इस परिस्थिति में साफ है कि उसे कहीं से भी न्याय मिलने की उम्मीद खत्म हो चुकी थी।

लाडी ने कहा कि इस मामले में किसी भी तरह से राजनीति नहीं होनी चाहिए। क्योंकि यह एक परिवार के सम्मान का सवाल है, क्योंकि उसने अपना बेटा खोया है। लाडी ने कहा कि राज्य की धरती ऐसी घटनाओं का बर्दाश्त नहीं कर सकती है। प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा ने कहा कि इस पूरे मामले को राजनीति से जोड़ना गलत है। कहा कि जब एक किसान वीडियो बनाकर अपनी जान देता है तो क्या उसकी आवाज उठाना राजनीति कहलाएगा। शर्मा ने कहा कि यदि ऐसे मामले में चुप रहा गया तो जनता किससे उम्मीद करेगी।

मृतक के परिजनों से वार्ता करते किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरेंद्र सिंह लाडी।

मुझे सीएम धामी के आश्वासन पर है भरोसा: प्रदीप कौर

काशीपुर : मृतक किसान सुखवंत की पत्नी प्रदीप कौर ने कहा कि मेरे साथ मेरे भाई और परिवार है। प्रशासन और सीएम पुष्कर सिंह धामी भी मेरा साथ दे रहे हैं। जो वह कर रहे हैं, सही कर रहे हैं। जैसा प्रशासन हमारा साथ दे रहा है मुझे उम्मीद है उनसे जो आगे की कार्रवाई हो रही वह सही करें। कहा कि कोई भी किसी भी तरह की राजनीति नहीं करें। मुझे मुख्यमंत्री के आश्वासन पर भरोसा है।

आला अधिकारी के खिलाफ हो जांच

काशीपुर : महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अलका पाल ने कहा कि शुचिता और सुशासन की बात करने वाली भाजपा सरकार को किसान स्व. सुखवंत सिंह की मृत्यु की जांच होने तक ऊधमसिंह नगर के एसएसपी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर उनके खिलाफ जांच बैठानी चाहिए। न्याय व्यवस्था भी मृत्यु से पूर्व दिए गए बयान को साक्ष्य मानती है, फिर कौन से कारण है कि थाना अध्यक्षों और पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड करके एसएसपी को बचाने का काम किया जा रहा है। बेहतर होता कि ऊधम सिंह नगर के एसएसपी इस केस की जांच होने तक अपने पद से मुक्त हो जाते। कांग्रेस पीड़ित किसान पक्ष के साथ खड़ी है।

समाजसेवी को दी जान की धमकी

काशीपुर: एक समाज सेवी ने पुलिस को तहरीर देकर दो अज्ञात लोगों के खिलाफ घर के बाहर आकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोहल्ला विजय नगर नई बस्ती निवासी समाजसेवी गगन कांबोज ने पुलिस को तहरीर सौंपी है। इसमें बताया कि बीती 13 जनवरी की रात लगभग साढ़े दस बजे वह अपने घर में थे। उनके घर के बाहर दो अज्ञात स्कूटी चालकों ने उन्हें अपशब्द भाषा का प्रयोग कर जोर से चिल्ला कर खुलेआम कहा कि गगन घर से बाहर निकल आज हम तुझे जान से मारने आए हैं। बताया जैसे ही वह आवाज को सुनकर घर से बाहर आए, तो स्कूटी सवार दो युवक मौके से भाग गए। कांबोज ने बताया कि उनके साथ इससे पहले भी इस तरह की धमकी और घटना हो चुकी है। वह इससे पहले भी कई बार पुलिस प्रशासन को प्रार्थना पत्र दे चुके हैं। वर्तमान की घटना से उन्हें व उनके परिवार को जान-माल की हानि होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। पुलिस ने कांबोज की तहरीर के आधार पर स्कूटी सवार दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

निर्यात तैयारी सूचकांक में प्रथम आने पर हर्ष

संवाददाता, काशीपुर

- केजीसीसीआई अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को प्रेषित कीं शुभकामनाएं

अमृत विचार: कुमायूं गढ़वाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने नीति आयोग द्वारा हाल ही में जारी निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में उत्तराखंड को देश के छोटे राज्यों में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

गुरुवार को केजीसीसीआई अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी, सशक्त एवं निर्णायक नेतृत्व में उत्तराखंड ने सुशासन, औद्योगिक विकास, निवेश प्रोत्साहन, व्यापार एवं उद्योग के अनुकूल वातावरण और आर्थिक प्रगति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। उनके नेतृत्व में राज्य ने राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रगतिशील एवं निवेश अनुकूल राज्य के रूप में अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है।

पवन अग्रवाल, अध्यक्ष, केजीसीसीआई।

अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उद्योग, व्यापार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये लागू की गई नीतियां न केवल स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही हैं, बल्कि रोजगार सृजन एवं क्षेत्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड भविष्य में भी विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा तथा उद्योग, व्यापार एवं आर्थिक समृद्धि के क्षेत्र में निरंतर अग्रसर रहेगा।

जसपुर में मनाया बसपा सुप्रीमो का जन्मदिन

जसपुर : कार्यकर्ताओं ने बसपा सुप्रीमो मायावती का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। गुरुवार को बसपाई मोहल्ला नई बस्ती नूरी मस्जिद के पास एकत्रित हुए। यहां बसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इसके बाद मिठाई बांटी गई। यहां साबिर हुसैन, खूब सिंह, राजेश गौतम, ओम प्रकाश सिंह, सत्यपाल सागर, चित्रा सिंह, दलबीर सिंह, इसरार, संजू भारती, मुन्ना, फरीद अहमद, सोनू, मो. हुसैन, दिलशाद, सिद्दीकी मौजूद रहे।

किच्छा में आयोजित खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम में उपस्थित लोग। • अमृत विचार

किच्छा में खिचड़ी सहभोज के जरिए दिया सामाजिक समरसता का संदेश

किच्छा : मकर संक्रांति का पर्व नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह के कार्यालय पर आयोजित ''खिचड़ी सहभोज'' में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। संजीव सिंह ने कहा कि यह उत्सव सामाजिक समरसता और सनातन धर्म की एकजुटता का प्रतीक है। दूसरी ओर, रोडवेज बस स्टैंड पर युवा समाजसेवी नितिन बंसल और हल्द्वानी मार्ग पर ''भवानी सेना'' के सोनू गुप्ता के नेतृत्व में राहगीरों को खिचड़ी वितरित की गई। इस अवसर पर ब्रह्मानंद पुरोहित, डॉ राहुल गंगवार, धनंजय सिंह, किशन सिंह, रोशन अरोड़ा, भगवान सिंह, मनोज गुप्ता, अनिल सिंह, विशाल चौहान, राजकुमार कोहली, अमित सिंह, करण गंगवार, संजय कुमार आदि मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में दान-पुण्य और प्रसाद वितरण का सिलसिला दिनभर जारी रहा।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया मकर संक्रांति का पर्व

- श्रद्धालुओं ने प्रात:काल स्नान के पश्चात चावल और उड़द की दाल का दान किया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: क्षेत्र में गुरुवार को मकर संक्रांति का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने प्रातःकाल पवित्र स्नान के पश्चात चावल और उड़द की दाल का दान कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों पर खिचड़ी और जलेबी के भंडारों का आयोजन किया गया।

मुख्य मार्ग पर नगरपालिका गेट के सामने व्यापारियों द्वारा आयोजित भंडारे में समाजसेवी सत्यभूषण सिंघला, विनोद बंसल और तरसेम गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं, रामराज रोड पर शिव कन्फेक्शनरी की ओर से जलेबी प्रसाद का वितरण किया गया।

बाजपुर के मुख्यमार्ग पर नगरपालिका गेट के सामने प्रसाद वितरित करते श्रद्धालु।

बाजपुर बार एसोसिएशन की ओर से एसडीएम कार्यालय परिसर में खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। अध्यक्ष राजेश कुमार पांडेय और सचिव योगेश पाठक के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने राहगीरों और फरियादियों को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान अध्यक्ष राजेश कुमार पांडेय, वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा, सोहनलाल गोयल, सचिव योगेश पाठक, अजीम अहमद चौधरी, विकास कश्यप, वसीम अकरम, शोएब खान, विवेक चौबे, फिरोज खान, नमनदीप सिंह, सुरजीत सिंह, प्रेमसागर, ताज मोहम्मद, सूरज शर्मा, अशोक कांबोज, सूरज सागर, नीरज जौहरी, चरणजीत सिंह, कृष्ण कुमार मौर्य सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

काशीपुर में खिचड़ी का वितरण करते वैश्य महासभा के पदाधिकारी। • अमृत विचार

कुमायूं वैश्य महासभा ने खिचड़ी का किया वितरण

काशीपुर : बाजपुर रोड स्थित आवास विकास मोड़ पर कुमायूं वैश्य महासभा के तत्वावधान में मकर संक्रांति के अवसर में पदाधिकारियों ने स्टॉल लगाकर खिचड़ी का वितरण किया। खिचड़ी कार्यक्रम का शुभारंभ पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा, प्रतिष्ठित उद्योगपति देवेन्द्र कुमार अग्रवाल ने खिचड़ी बांटकर किया। हिंदुओं के विशेष पर्व और उत्तरायणी के प्रतीक मकर संक्रांति पर मौजूद अतिथियों ने एक-दूसरे की सुख-समृद्धि और उनके उज्जवल भविष्य के लिए भगवान सूर्य से कामना की। साथ ही कुमायूं वैश्य महासभा अध्यक्ष एमपी गुप्ता ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री संजय अग्रवाल, कुमायूं वैश्य महासभा पूर्व अध्यक्ष जेपी अग्रवाल, शेष कुमार सितारा, सुरेश चंद्र गुप्ता, केसी बंसल, ईश्वर चंद्र गुप्ता, बीके गुप्ता, अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन प्रदेश उपाध्यक्ष कौशलेश गुप्ता, जिला अध्यक्ष सुरेश गोयल आदि मौजूद रहे।

शराब के ठेके का विरोध, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम बेरिया दौलत में आबादी के बीच खुले अंग्रेजी शराब के ठेके को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) डॉ. अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपकर ठेका तत्काल बंद करने या अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि घरों के समीप ठेका और कैंटीन होने से वहां खुलेआम शराबखोरी और गाली-गलौज होती है, जिससे गांव की सामाजिक शांति भंग हो रही है। इस माहौल के कारण महिलाओं और युवतियों का घर से निकलना दूभर हो गया है। किसान नेता हरप्रीत सिंह निज्जर के नेतृत्व में पहुंचे ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन को मजबूर होंगे। एसडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का आश्वासन दिया है। इस मौके पर किसान नेता हरप्रीत सिंह निज्जर, दीपक, हर्ष, देवेंद्र चौपड़ा, अर्जुन पासी, बलजिंदर मेहता, संजीव मेहता, लखविंदर मेहता मौजूद रहे।

बाजपुर में एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। • अमृत विचार

इफको ने किसानों को बांटे कंबल

काशीपुर: इफको काशीपुर की ओर से किसानों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए। बृहस्पतिवार को सहकारी क्रय विक्रय समिति के उर्वरक केंद्र दढ़ियाल में किसानों को सामाजिक कार्यक्रम के तहत कंबल वितरित किए गए। इसके बाद इफको नैनो क्लस्टर विलेज कुंडेश्वरी के पंचायत भवन ब्रह्मनगर में कुंडेश्वरी क्षेत्र के किसानों को भी कंबल वितरण किया गया। किसानों को इफको की ओर से किए जा रहे सामाजिक उत्थान कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। वहां पर राजकुमार, विनोद लखेड़ा, मनोज, किशन सिंह, सतीश यादव आदि मौजूद रहे।

जसपुर में पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। • अमृत विचार

जसपुर में शातिर चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जसपुर : शादी में शामिल होने गए परिजनों की गैरमौजूदगी में घर के ताले तोड़ कर जेवरात और नकदी चुराने वाला चोर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि बीती बुधवार को मोहल्ला नई बस्ती निवासी नौशाद परिवार संग शादी में शामिल होने रामनगर गया हुआ था। जब वह वापस लौटा तो उसके घर के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। चोर ने घर में रखे सोने चांदी के जेवरात एवं छह हजार रुपये नकद चोरी कर लिए थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए गुरुवार को मुखबिर कि सूचना पर बिजली घर के पास से अभियुक्त कमल उर्फ चीनू निवासी मो. नत्था सिंह को मय डेढ़ लाख रुपये कीमत के जेवरात एवं नकदी समेत गिरफ्तार कर लिया।

वाहन का बीमा निकला नकली

काशीपुर: एक बीमा कंपनी के अधिकारी ने दुर्घटना में शामिल वाहन के बीमा के नकली होने का दावा करते हुए वाहन स्वामी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। एक इंश्योरेंस कंपनी के जोखिम और हानि शमन इकाई के वरिष्ठ प्रबंधक सौरभ जैन ने पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि एक वाहन कथित तौर पर 6 अक्टूबर 2021 को हुई दुर्घटना में शामिल था। जांच और कंपनी रिकॉर्ड से पता चला कि कंपनी ने वाहन पंजीकरण को कभी भी पॉलिसी जारी नहीं किया था। बताया कि वाहन संख्या की जांच करने पर पॉलिसी नंबर मिला, जो कि दिसंबर 2021 को मध्य रात्रि तक ही वैध था।

नाबालिग के अपहरण से हड़कंप, किया बरामद

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के अपहरण होने के सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग को बरामद कर लिया। लेकिन आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

काशीपुर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी बीती 14 जनवरी की सुबह लगभग 9 बजे रामलीला मैदान में लगे कपड़ों के स्टॉल पर काम करने गई थी। दोपहर लगभग सवा तीन बजे बेटी का फोन आया, जिसमें वह रोते हुए बता रही थी, कि रामलीला मैदान से विकास निवासी हनुमान कॉलोनी, रामपुरा रोड, काशीपुर उसे जबरदस्ती उठाकर ले गया है और उसके साथ मारपीट की है। बताया कि फोन कॉल के कुछ ही देर बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। तब से उसका कोई सुराग नहीं लगा है। परिजनों ने बेटी के जान-माल को लेकर अनहोनी की आशंका जताई। पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर आरोपी विकास के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। उधर पुलिस ने युवती की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देकर उसको कुछ घंटों बाद बरामद कर लिया। जबकि आरोपी युवक पुलिस के हाथ नहीं आया।

उत्साह | कुंडेश्वरी फुटबाल क्लब की ओर से शहीद स्मृति राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित

गढ़वाल लैंसडौन ने जीता फुटबॉल का फाइनल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: कुंडेश्वरी फुटबाल क्लब की ओर से आयोजित शहीद स्मृति राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का ग्यारहवें दिन फाइनल मुकाबले के साथ समापन हो गया।

किसान इंटर कॉलेज कुंडेश्वरी में आयोजित मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। सेंटर गढ़वाल लैंसडौन और 10 गढ़वाल राइफल के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। इस दौरान लैंसडौन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 10 गढ़वाल राइफल को 2-0 मात देकर फाइनल मुकाबला अपने नाम किया। शशांक रावत, ऐंजल रावत ने गोल किए। जबकि गढ़वाल राइफल के खिलाड़ी एक भी गोल नहीं कर सके। इस मैच के रेफरी कपिल कुमार, सलीम सैफी, पीयूष सैनी, प्रियांशु रहे। क्लब संरक्षक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि अतिथियों ने विजेता टीम सेंटर गढ़वाल राइफल को 41 हजार और उपविजेता गढ़वाल राइफल टीम को 31 हजार के नकद पुरस्कार व ट्रॉफी से सम्मानित किया। वहां पर आयोजक समिति अध्यक्ष राकेश मोहन लखेड़ा, ग्राम प्रधान पायल चौधरी, महक सिंह, यश चौधरी, मंगल सिंह रावत, भूपेंद्र सिंह, इंदुमान आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में विजेता टीम के साथ अतिथि। • अमृत विचार

जहरीले पदार्थ का सेवन करने से युवक की मौत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थिति में जहरीला पदार्थ खाने से एक युवक की हालत बिगड़ गई। परिजन इलाज के लिये उन्हें सरकारी अस्पताल ले गये। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कुंडेश्वरी क्षेत्र के ग्राम महतावन निवासी रंजीत सिंह (40) डंपर पर चालक की नौकरी करते थे। बताया जा रहा है कि बीते कई दिन से वह ड्यूटी नहीं जा रहे थे। बीते बुधवार की दोपहर वह घर से कहीं चले गए थे, जैसे ही शाम लगभग छह बजे घर में पहुंचे उनकी हालत बिगड़ने लगी। तब परिजन उन्हें आनन-फानन में एक निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने बताया उन्होंने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है, हालत नाजुक होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया। तब परिजन उनको एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि रंजीत सिंह डंपर चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। बीते कई दिन से काम बंद होने के कारण वह घर पर थे। बुधवार की दोपहर घर से कहीं चले गए थे और शाम लगभग छह बजे जैसे ही घर में पहुंचे कि हालत बिगड़ने लगी। तब डॉक्टर ने बताया कि किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है।

ब्रीफ न्यूज

पर्यावरण मित्रों का कार्य बहिष्कार जारी

बनबसा : नगर पंचायत बनबसा में कार्यरत पर्यावरण मित्रों द्वारा 13 सूत्रीय मांगों को लेकर देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ शाखा नगर पंचायत बनबसा के बैनर तले दूसरे दिन भी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार जारी रहा। संघ के पदाधिकारियों एवं पर्यावरण मित्रों ने बताया कि पूर्व में नगर पंचायत प्रशासन द्वारा मांगों को लेकर केवल आश्वासन ही दिया गया, किंतु आज तक एक भी मांग पूरी नहीं की गई। इसी कारण मजबूरन कर्मचारियों को आंदोलन के रास्ते पर उतरना पड़ा है। कार्य बहिष्कार में राजा राम, महेंद्र पाल, अर्जुन, विजयपाल, राजपाल, सोनी, नीलम, सानू, सोनी, ओमपाल वाल्मीकि, अरुण वाल्मीकि, राजपाल आदि रहे।

'किलकारी' सेवा पर हुई कार्यशाला

रुद्रपुर : सीएमओ कार्यालय में भारत सरकार की 'किलकारी' और 'मोबाइल अकादमी' योजना को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। अरमान संस्था के डॉ. अखिलेश त्रिपाठी ने बताया कि किलकारी सेवा के तहत गर्भवती महिलाओं को टोल-फ्री नंबर 1600403660 के माध्यम से 72 हफ्तों तक स्वास्थ्य संबंधी ऑडियो संदेश भेजे जाते हैं। लाभार्थी 14423 डायल कर भी ये संदेश सुन सकते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. अग्रवाल ने आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक लाभार्थी का पंजीकरण सुनिश्चित करें।

उत्तरायणी मेला चरम पर, जमकर खरीदारी

मेले में आए लोगों ने सरयू नदी में स्नान के बाद बाबा बागनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर मांगी मन्नतें

- गत रात्रि इंदर आर्या व कुंदन ने देर रात तक दर्शकों को रखा बांधे
- स्कूलों के बच्चों द्वारा किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

संवाददाता, बागेश्वर

सांस्कृतिक मंच पर कार्यक्रम पेश करते इंदर आर्य व मेघना। ● अमृत विचार

काइट फेस्टिबल का शुभारंभ करतीं जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे। ● अमृत विचार

अमृत विचारः कुमाऊं की काशी बाबा बागनाथ नगरी में उत्तरायणी मेला चरम पर है। मेले में जहां हर कोई खरीदारी कर रहा है वहीं बुजुर्ग व बच्चे हों या महिलाएं हर कोई मनोरंजन के साधनों का प्रयोग कर रहा है। गत रात्रि सांस्कृतिक मंच में इंदर आर्या व कुंदन कोरंगा ने देर रात तक दर्शकों को बांधे रखा।

उत्तरायणी मेले के तीसरे दिन मेले में काफी भीड़ रही। मेलार्थियों ने सरयू नदी में स्नान कर बाबा बागनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। मेले में मुनस्यारी, धारचूला, दिल्ली, रामपुर आदि क्षेत्रों से आए व्यवसायियों की दुकानों में भीड़ लगी हुई है। कई लोग वर्ष भर की जरूरत के अनुसार कपड़े, जैकेट आदि खरीद रहे हैं। जबकि कई मेलार्थी मनोरंजन के साधनों का प्रयोग कर रहे हैं। मेले में नुमाइश मैदान में बने मुख्य सांस्कृतिक मंच में अनवरत रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसका हर कोई आनंद ले रहा है। गत रात्रि लोक कलाकार इंदर आर्या व कुंदन कोरंगा, मेघना चंद्रा ने देर रात तक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करके दर्शकों का मनोरंजन किया। जबकि गुरुवार को दिन में विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा नुमाइश स्टाल, बैलून, विभिन्न प्रकार के झूले आदि मनोरंजन के साधनों का भी मेलार्थियों द्वारा प्रयोग किया जा रहा है।

कई बटुकों का हो रहा जनेउ संस्कार

बागेश्वर : माघ माह में कई बटुक सरयू तट में जनेउ संस्कार करा रहे हैं। जनपद समेत पिथौरागढ़, हल्द्वानी, द्वाराहाट आदि स्थानों से भी अभिभावक अपने बटुकों को लेकर यहां पहुंच रहे हैं तथा बाबा बागनाथ मंदिर के समीप व सूरजकुंड में स्थित जनेउ घाटों में जनेउ संस्कार करा रहे हैं

हिमालयी कुत्तों की हो रही खूब बिक्री

बागेश्वर : उत्तरायणी मेले में हिमालयी क्षेत्र के कुत्तों की काफी डिमांड रहती है। मेले में कुत्तों के पिल्ले 22 हजार रुपये तक बिक रहे हैं। कई लोग कुत्ते खरीदने के लिए बागेश्वर आते हैं तथा महंगे कुत्ते खरीदकर ले जाते हैं। नगर पालिका ने कुत्तों के व्यवसायियों के लिए सिनौला के समीप मार्केट निर्धारित की है।

उत्तरायणी मेले का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

बागेश्वर : जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने गुरुवार को ऐतिहासिक उत्तरायणी मेले का निरीक्षण कर मेले में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों, स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मेले में आए मेलार्थियों, स्थानीय व्यापारियों, कारीगरों एवं युवाओं से संवाद कर उन्हें स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक उत्पादों तथा स्वावलंबन से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उत्तरायणी मेला जनपद की सांस्कृतिक पहचान होने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। जिलाधिकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष ने सरयू बगड़ में आयोजित काइट फेस्टिवल का भी पतंग उड़कर शुभारंभ किया, जिसमें बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस आयोजन ने मेले के वातावरण को और अधिक जीवंत व आकर्षक बनाया। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन उत्तरायणी मेले को अधिक सुव्यवस्थित, जनसहभागितापूर्ण और स्थानीय उत्पादों के लिए प्रभावी मंच बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल, पर्यटन अधिकारी प्रदीप कुमार गौतम सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं मेलार्थी उपस्थित रहे।

अल्मोड़ा में गुरुवार को घुघुति की माला पहनकर कौओं को आमंत्रित करते बच्चे।

घुघुते लेकर किया बच्चों ने कौओं को आमंत्रित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिले भर में घुघुतिया पर्व को लेकर बच्चों में काफी उत्साह रहा। घुघुते खिलाने के लिए बच्चों ने कौओं को आमंत्रित कर उन्हें घुघुते खिलाए।

मकर संक्रांति के मौके पर बीते बुधवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की ओर से आटे, गुड़ आदि की मदद से घुघुते व अन्य पकवान बनाए गए थे। इसमें घुघुतों के साथ खजूर, डमरू, तलवार, ढाल भी शामिल थे। इन सभी को बच्चों ने माला में पिरोया। इसके साथ ही एक संतरे को भी माला में गूंथा गया। इधर, गुरुवार सुबह के समय घुघुते कौओं को खिलाने के लिए बच्चों में काफी उत्साह रहा। बच्चों ने गले में घुघुतों की माला पहन कर काले कौआ काले, घुघुते की माला खा ले... गीत गाया। बच्चों ने कौओं को बुलाया और कौओं के आने पर उन्हें घुघुते खिलाए गए।

महंत विशंभर गिरी चार दिन से लापता

सोमेश्वर में ऐड़ाद्यो धाम के पुजारी की तलाश में सर्च अभियान चलाती पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः ऐड़ाद्यो धाम के पुजारी विशंभर गिरी बीते कई दिनों से लापता है। उनकी तलाश में पुलिस ने जगह-जगह सर्च अभियान चलाया। बताया गया कि वह देवी मंदिर जाने के लिए निकले थे। इसके बाद से वापस नहीं लौटे हैं।

दरअसल, एड़ाद्यो धाम मंदिर के महंत 52 वर्षीय विशंभर गिरी के चार दिन से लापता होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। काफी खोजबीन के बावजूद उनका अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। इधर, गुरुवार को सोमेश्वर कोतवाली पुलिस जंगलों, मंदिर परिसरों, पैदल रास्तों और आसपास के दुर्गम क्षेत्रों में सघन सर्च अभियान और कांबिंग ऑपरेशन चला रही है। पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ के साथ-साथ संभावित मार्गों की भी जांच कर रही है। वहीं, महंत के अचानक लापता होने से लोगों में चिंता का माहौल है। लोग तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं। प्रभारी कोतवाल सतीश कापड़ी ने बताया कि हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। महंत का पता लगाने के प्रयास तेज किए गए हैं।

पत्थर की चपेट में आया युवक, मौत

लोहाघाट : लधियाघाटी क्षेत्र के साल गांव निवासी युवक की पहाड़ी से लुढ़के पत्थर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।

साल गांव निवासी दिवान सिंह बोहरा (35) पुत्र मान सिंह 14 जनवरी को बकरी चुगाने जंगल गए थे। इसी बीच पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। आसपास खेत में काम कर रहीं महिलाओं की सूचना पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय शमशान घाट में कर दिया गया है। क्षेत्र पंचायत सदस्य लक्ष्मण सिंह बोहरा ने बताया कि दिवान सिंह बोहरा घर के एक मात्र कमाने वाला सदस्य था। जिपं सदस्य सोनू बोहरा व पूर्व जिपं सदस्य भोला बोहरा ने बताया कि मृतक के स्वजनों की माली हालत काफी कमजोर है। उन्होंने मृतक की पत्नी को मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

उत्तरायणी मेला निभा रहा कुमाउनी संस्कृति के संरक्षण में अहम भूमिका

संवाददाता,टनकपुर

टनकपुर गांधी मैदान में दूसरे दिन मेले का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि।

अमृत विचारः हरेला क्लब की ओर से आयोजित दो दिवसीय उत्तरायणी मेले की सांस्कृतिक संध्या में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्थानीय कलाकारों ने भी अपना जलवा बिखेरा। गांधी मैदान में दूसरे दिन कार्यक्रमों की शुरुआत अवकाश प्राप्त प्रधानाचार्य अंबादत पंत और पंकज शर्मा शिशु वाटिका की प्रधानाचार्य शांति भट्ट ने दीप प्रज्वलित कर किया। कहा कि मेला कुमाऊंनी संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हरेला क्लब के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट धर्मेंद्र चन्द ने कार्यक्रमों का संचालन किया। गुरुवार को विभिन्न विद्यालयों के बच्चों की सब जूनियर व जूनियर वर्ग में डांस प्रतियोगिता आयोजित हुई। अल्मोड़ा से आए संस्कार सांस्कृतिक समिति के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष अजय गुरुरानी, अनिल चन्द,डीडी धामी, माधवानंद जोशी, प्रदीप, अनिल गड़कोटी, डीडी भट्ट, हेमा वर्मा, रेखा पांडे, नीरू बिष्ट सहित हरेला क्लब महिला विंग की तमाम पदाधिकारी मौजूद रहीं। क्लब के अध्यक्ष अजय गुरुरानी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान क्लब की ओर से इलाहाबाद निवासी अरूण और लखीमपुरखीरी निवासी आशा की शादी कराई कई।

काले कौआ काले के गीत से गूंजी गेवाड़घाटी

बैरती (अल्मोड़ा): क्षेत्र में भी मकर संक्रांति का पारंपरिक पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। उत्तरायणी व घुघुतिया त्यार के नाम से भी प्रचलित इस पर्व की गेवाड़घाटी क्षेत्र में भी धूम रही।

विविध पकवानों से बनाई माला को गले में डाल कर बच्चे सुबह से ही कौवे का आह्वान करने लगे। काले कौआ काले, घुघुति माला खाले... के आह्वान गीत सुबह से ही गूंजने लगे। लोगों ने एक-दूसरे को भी पकवानों का आदान- प्रदान कर इस पारंपरिक त्योहार की रस्म अदायगी के साथ मुबारकबाद दी।

भिकियासैंण में वाहन खाई में गिरी, चालक की मौत

संवाददाता, अल्मोड़ा

- बासोट-तराड़ी मार्ग में बुधवार देर रात हुआ हादसा
- पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया

अमृत विचारः भिकियासैंण के बासोट-तराड़ी मोटर मार्ग में एक वाहन अनियंत्रित होकर कार गहरी खाई मे जा गिरा। कार में सवार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। रात में ही पुलिस रेस्क्यू किया और पंचनामा, पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार कुबेर सिंह जमनाल पुत्र गोपाल सिंह, निवासी कमेटपानी बुधवार रात अपनी टैक्सी कार से सवारी लेने के लिए पास के ही होटल में एक सवारी लेने निकले थे। इसी दौरान बासोट-तराड़ी मोटर मार्ग के जिहाड़ के पास कार अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर खाई में जा गिरी। सूचना मिलने पर लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। देर रात पुलिस और एसडीआरएफ की टीम पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद चालक कुबेर सिंह को खाई से बाहर निकाला जा सका। इसके बाद उन्हें सीएचसी भिकियासैंण लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचायत नामे की कार्रवाई पूरी की। इधर, पुलिस ने बताया कि पोस्टर्माटम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

समस्त लीगेसी वेस्ट के पूर्ण निस्तारण के निर्देश

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

चम्पावत जिला सभागार में अधिकारियों की बैठक लेते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिला गंगा समिति की बैठक जिला सभागार चम्पावत में जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद अंतर्गत चम्पावत, लोहाघाट, टनकपुर, मां पूर्णागिरि परिसर एवं बनबसा क्षेत्र में सीवरेज कार्यों में तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं लीगेसी वेस्ट के निस्तारण को लेकर डीएम ने सभी अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया कि 15 जून तक जनपद में समस्त लीगेसी वेस्ट का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्थान पर कूड़े का डंप न हो। डीएम ने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत एवं समस्त खंड विकास अधिकारियों, जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि गीला एवं सूखा कूड़ा अलग-अलग संग्रहित कर, सूखा कूड़ा कम्पैक्टर स्थल तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

वन विभाग को निर्देशित किया गया कि वन क्षेत्रों में कूड़ा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यकता अनुसार निगरानी के लिए कैमरे लगाए जाएं। साथ ही सभी विभागों को अपने-अपने क्षेत्रों में ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर वहां जमा कूड़े की तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे जमा कूड़े को भी हटाने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को विद्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर बच्चों को स्वच्छता, कचरा पृथक्करण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

कहा कि स्वच्छता एवं गंगा संरक्षण जनसहभागिता से ही संभव है और सभी विभाग आपसी समन्वय से निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करें। इस दौरान सीडीओ डॉ. जीएस खाती, एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी, सीएमओ डॉ. देवेश चौहान, एसडीएम नीतू डागर, अपर परियोजना निदेशक विम्मी जोशी, मुख्य शिक्षा अधिकारी मेहरबान सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

अधिकारियों पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

संवाददाता, अल्मोड़ा

- कसारदेवी निवासी महिला ने पुलिस को सौंपी तहरीर

अमृत विचारः नगर की नैनीताल बैंक शाखा के अधिकारियों पर एक महिला ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। कालीमठ कसारदेवी निवासी महिला कमला जोशी ने कोतवाली में तहरीर सौपी है।

तहरीर में कहा कि बीते साल चार अक्टूबर को नैनीताल बैंक की शाखा ने उनका 1.30 करोड़ रुपये का टेक ओवर टर्म लोन स्वीकृत किया था। लेकिन बैंक ने बिना उनकी जानकारी के ऋण को बदलकर 98 लाख कैश क्रैडिट लोन दिखा दिया। साथ ही उनके नाम पर 12 लाख रुपये का अतिरिक्त टर्म लोन दर्शाया। जिसे उन्होंने कभी मांगा ही नहीं था। आरोप लगाया है कि 12 लाख के कथित लोन में उनके फर्जी हस्ताक्षर कराए गए।

दस्तावेजों से छेडछाड़ कर फरवरी 2025 में ऑडिट के बहाने से उनके और गारंटरों के हस्ताक्षर लेकर दस्तावेज लगा दिए गए। शिकायत करने पर उनके खाते को एनपीए घोषित कर दिया गया। इससे उनको लाखों का नुकसान हो गया। साथ ही उनका प्रोजेक्ट बंद हो गया। मामले में कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के बाद अज्ञात बैंक अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कच्चे गोदाम में लगी आग से सामान राख

टनकपुरः टनकपुर से लगे आमबाग के ककराली गेट गांव के पास एक ग्रामीण के घर के पास बने कच्चे गोदाम में आग लगने से हजारों का सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित धीरज सिंह ने बताया कि गोदाम में साइकिल एवं अन्य घरेलू सामान रखा हुआ था।

ग्राम प्रधान ललिता सिंह ने बताया कि धीरज सिंह घर के पास बरामदे में आग जलाते थे। बुधवार की रात आग सेंकने के बाद उन्होंने उसे बुझा दिया था। रात्रि में अचानक गोदाम में आग भड़क गई। ग्राम प्रधान ने बताया कि आग लगने से करीब 30 हजार का नुकसान हुआ है। इधर पीड़ित परिवार ने घटना की जानकारी राजस्व विभाग को दे दी गई है।

मरीजों को वितरित किए कंबल

सवाददाता, रानीखेत

मरीजों को कंबल वितरित करते पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन मेहरा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं सीडब्लूसी सदस्य करन माहरा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने लगातार जनता तक राहत पहुंचाने की मुहिम जारी रखी है। इसके तहत विगत दिनों भिकियासैंण अस्पताल में मरीजों को रजाई वितरण के बाद गुरुवार को रानीखेत के स्वर्गीय श्री गोविंद सिंह माहरा चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को राहत देने के उद्देश्य से 60 गरम रजाइयां वितरण की गईं। कड़ाके की ठंड के बीच माहरा अस्पताल पहुंचे और मरीजों से एक-एक कर बातचीत की। उन्होंने सभी मरीजों का हाल जाना, दवाओं, इलाज व अन्य जरूरतों की जानकारी ली तथा अस्पताल प्रशासन से बेहतर सुविधाएं देने का आग्रह भी किया।

इस अवसर पर करन माहरा ने कहा कि सियासत सिर्फ पद-सत्ता और भाषणों का माध्यम नहीं, बल्कि जरूरत के समय जनता के बीच रहने की जिम्मेदारी का नाम है। पहाड़ की कड़कती ठंड में कोई भी परिवार, बुजुर्ग या मरीज अकेला महसूस न करे-यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य और हमारा संकल्प है। यहां नगरपालिका अध्यक्ष अरुण रावत, नगर अध्यक्ष चिलीयानौला कमलेश बोरा, अगस्त लाल साह, विश्व विजय माहरा, गोपाल देव, कुलदीप कुमार, प्रमोद पाल, संदीप बंसल, विजय तिवारी, दीप उपाध्याय, यूथ विधानसभा अध्यक्ष अंकिता पंत, कामिनी पंत आदि रहे।

सड़क सुरक्षा माह का आज से शुभारंभ

चम्पावत : 16 जनवरी से 14 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ के अवसर पर डीएम मनीष कुमार ने चम्पावत के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा को अपनी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाएं व सुरक्षित यातायात व्यवहार को अपनाएं।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन या यातायात विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सड़क का उपयोग करने वाले प्रत्येक नागरिक – चाहे वह पैदल यात्री हो, दोपहिया या चारपहिया वाहन चालक हो अथवा यात्री – सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिकांश सड़क दुर्घटनाएँ यातायात नियमों का पालन, संयम और जागरूकता से रोकी जा सकती हैं।

सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी यूकेडी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में गुरुवार को प्रेस वार्ता करते यूकेडी के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती।

अमृत विचारः उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने गुरुवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने विधानसभा चुनाव की तैयारियों का ऐलान किया और भाजपा-कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। वहीं, प्रेस वार्ता के बाद यूकेडी ने बाजार में जुलूस निकाला।

नगर के एक होटल सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में यूकेडी केंद्रीय अध्यक्ष कुकरेती ने कहा कि राज्य निर्माण के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया। जबकि भाजपा और कांग्रेस ने बारी-बारी से राज्य को लूटने का काम किया। कहा कि जल, जंगल और जमीन को माफिया के हवाले कर दिया गया। वहीं, मूल निवास, भू-कानून और गैरसैंण राजधानी जैसे मुद्दों को दबा दिया गया। कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और पलायन जैसे मूलभूत मुद्दों पर सरकारें पूरी तरह विफल रही हैं। अंकिता हत्याकांड, बेरोजगार आंदोलन और भर्ती परीक्षाओं में नकल जैसे मामलों में यूकेडी ने लगातार जनता के साथ खड़े होकर संघर्ष किया। उन्होंने ऐलान किया कि यूकेडी राज्य की सभी 70 विस सीटों पर चुनाव लड़ेगा और एक बूथ दस युवा के नारे के साथ संगठन को मजबूत किया जाएगा। यहां पूर्व अध्यक्ष पुष्पेश त्रिपाठी, युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी, जिलाध्यक्ष दिनेश जोशी, नरेंद्र बिष्ट, गिरीश नाथ गोस्वामी, दीपा जोशी, किरन मेहरा, रघुवीर भाकुनी, पंकज, चंदन आदि रहे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

हम सभी ईश्वर से दया की प्रार्थना करते हैं और वही प्रार्थना हमें दया करना भी सिखाती है।
-विलियम शेक्सपियर, अंग्रेजी साहित्यकार

उल्लेखनीय उपलब्धि

नीति आयोग के लगभग 70 संकेतकों के आधार पर तैयार एक्सपोर्ट प्रीपेयर्डनेस इंडेक्स यानी निर्यात तैयारी सूचकांक में उत्तर प्रदेश का चौथा स्थान ऐतिहासिक उपलब्धि है। परंपरागत रूप से तटीय और औद्योगिक रूप से विकसित राज्यों जैसे महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात की निर्यात क्षमता अधिक होना स्वाभाविक है, लेकिन उत्तर प्रदेश का दो वर्षों में सातवें से चौथे पायदान तक पहुंचना दर्शाता है कि राज्य के निर्यात-समर्थ अवसंरचना और नीतिगत सुधार पर केंद्रित प्रयास सफल रहे हैं। उत्तराखंड ने भी इस सूचकांक में छोटे राज्यों की श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया है, यह दर्शाता है कि सीमित भौगोलिक और संसाधन बाधाओं के बावजूद नीति-प्रेरित सुधार और बेहतर व्यापार वातावरण से कैसे सफलता पाई जा सकती है। हिमालयी राज्य ने निर्यात के लिए अनुकूल नीतियों तथा स्थानीय स्किलिंग पर ध्यान देकर यह सफलता हासिल की है। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश लैंडलॉक्ड राज्य होते हुए भी चौथे स्थान पर पहुंचा है।

पारंपरिक तटीय राज्यों की तुलना में यहां निर्यात-लॉजिस्टिक्स खर्च अधिक होने की समस्या है, लेकिन बेहतर रोड-कनेक्टिविटी, ड्राई पोर्ट और कंटेनर बेस्ड लॉजिस्टिक्स हब तथा लॉजिस्टिक्स सुधारों ने निर्यातकों को महत्वपूर्ण समर्थन दिया। बेशक यह सफलता उक्त प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के विजनरी नेतृत्व, नीति-निर्माण और सुशासन की क्षमता का परिणाम है। निर्यात सूचकांक में बेहतर रैंकिंग ने यह साफ किया है कि प्रदेश ने नीतिगत सुधारों, अवसंरचनात्मक निवेश तथा व्यापार-मैत्री वातावरण के निर्माण में उठाए महत्वपूर्ण कदम कारगर रहे और अब उत्तर प्रदेश देश के निर्यात मानचित्र पर 'ग्लोबल हब' के रूप में उभरने जा रहा है। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट-वन उत्पाद, कॉमन फैसिलिटी सेंटर्स, माल भाड़ा व्यय प्रतिपूर्ति, गुणवत्ता प्रमाणीकरण सहायता तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डिंग ने उत्पादकों और निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लायक बनाया, तो उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसी पहल ने स्थानीय उत्पादकों को सीधे विदेशी खरीदारों से जोड़ने का अवसर दिया। पारंपरिक हस्तशिल्प, फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण तथा कृषि वस्तुओं के निर्यात आदेशों में अपेक्षित वृद्धि दर्ज की गई। इन प्रयासों ने न केवल उत्पादों के निर्यात में मदद की, बल्कि प्रदेश के ब्रांड वैल्यू को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती देने के साथ ही सूचकांक में सूचकांक के बिजनेस इकोसिस्टम, निर्यात अवसंरचना जैसे अवयवों में बेहतर स्कोर दिलाया। निर्यात राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन होता है। इससे विदेशी मुद्रा का संचय होने के अलावा व्यापार घाटा भी कम होता है और बाहरी निवेश आकर्षित होता है। हालांकि यह सूचकांक संबंधी उपलब्धि एकाकी प्रमाण नहीं है, पर यह संकेत अवश्य देता है कि नीति, अवसंरचना, तथा व्यापार सुविधाओं में सुधर स्पष्ट है और निर्यात वातावरण अधिक प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है, जिसके चलते निर्यात प्रदर्शन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, सर्विस एक्सपोर्ट्स, टेक्नोलॉजी-आधारित उत्पादन तथा वैश्विक बाजारों में विविधीकरण पर निरंतर ध्यान आवश्यक है। उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड के बेहतर प्रदर्शन से इन राज्यों में औद्योगिक निवेश एवं रोजगार अवसरों के बढ़ने की संभावना बनी है, जिससे राजस्व में वृद्धि होगी तो सामाजिक एवं बुनियादी सुविधाओं पर अधिक व्यय संभव होगा।

प्रसंगवश

दूषित जल स्रोतों से कैसे पहुंचेगा घरों में स्वच्छ जल

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

इंदौर के एक मुहल्ले भागीरथपुर में लगातार हो रही मौतों की संख्या बढ़कर 23 हो गई, तो उधर गुजरात की राजधानी गांधी नगर के कुछ इलाकों और आदिवाड़ा क्षेत्रों में दूषित पानी पीने से कई सौ लोगों को पीलिया और टाइफाइड होने के बाद कोहराम है। अधिकांश बीमार बच्चे हैं और अस्पताल में हैं। इसी दौरान अब देशभर से घर में आ रहे नल के जल के असुरक्षित होने के समाचारों का अंबार है। दुर्भाग्य है कि केंद्र सरकार की 2015 में शुरू की गई अटल मिशन या अमृत-1 योजना में पाइप डालने और टंकी खड़े करने पर सन 2021 तक 72,656 करोड़ रुपये खर्च हुए और उसके बाद अमृत-2 में भी भारी भरकम व्यय हो रहा है, लेकिन तैयार संरचनाओं के रखरखाव, गुणवत्ता निर्धारण पर सभी जगह बेपरवाही देखी गई। केंद्र सरकार के बजट से योजनाएं तो तैयार हो गईं, लेकिन स्थानीय निकाय उनके निर्धारित मानक पर काम नहीं कर पा रहे। देश की राजधानी दिल्ली में ही अमृत-1.0 के तहत जल आपूर्ति, सीवरेज और शहरी बुनियादी ढांचे पर कुल 266 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए। इनमें 215 करोड़ रुपये जल आपूर्ति पर खर्च हुए। इसके बावजूद दिल्ली की कोई 10 प्रतिशत आबादी के घर तक नल नहीं पहुंच पाए। दिल्ली जल बोर्ड के दिसंबर 2025 के सैंपल टेस्ट में 33 नमूने फेल हुए, जिसमें भलस्वा, जनकपुरी, अशोक नगर के साथ गांधी नगर जैसे क्षेत्रों में गंदा पानी पाया गया। यमुना प्रदूषण, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और अनुपचारित सीवेज मिश्रण से टीडीएस, कैल्शियम व सल्फेट स्तर मानक से अधिक है। समझना होगा कि दिल्ली में जल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा भू-जल है। भलस्वा, गाजीपुर और ओखला के साथ ही बवाना में इंजीनियर सैनिटरी लैंडफिल के पास का भूजल दूषित बना हुआ है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) की 76 वीं रिपोर्ट बताती है कि देश में 82 करोड़ लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक पानी मिल नहीं पा रहा है। देश के महज 21.4 फीसदी लोगों को ही घर तक सुरक्षित जल उपलब्ध है। सबसे दुखद है कि नदी-तालाब जैसे भूतल जल का 70 प्रतिशत बुरी तरह प्रदूषित है। सरकार भी स्वीकार रही है कि 78 फीसदी ग्रामीण और 59 प्रतिशत शहरी घरों तक स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं हैं। सारे देश के शहरी इलाकों में नल से आ रहे पानी के दूषित होने के लगभग एक जैसे कारण हैं। पहले से दूषित स्रोत से घर तक पानी के पहुंचने के रास्ते में सबसे बड़े पड़ाव 'बड़ी पानी की टंकी' या फिर 'जलाशय' खुद बीमार रहते हैं।

पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय एजेंसी 'एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली' (आईएमआईएस) द्वारा सन 2018 में पानी की गुणवत्ता पर करवाए गए सर्वे के मुताबिक राजस्थान में सबसे ज्यादा 19,657 बस्तियां और यहां रहने वाले 77.70 लाख लोग दूषित जल पीने से प्रभावित हैं। आईएमआईएस के मुताबिक पूरे देश में 70,736 बस्तियां फ्लोराइड, आर्सेनिक, लौह तत्व और नाइट्रेट सहित अन्य लवण एवं भारी धातुओं के मिश्रण वाले दूषित जल से प्रभावित हैं। इस पानी की उपलब्धता के दायरे में 47.41 करोड़ आबादी आ गई है। यह कड़वा सच है कि भारत इस समय तेजी से शहरीकरण की तरफ भाग रहा हैं और अधिकांश अनियोजित शहरीकरण। शहरी नियोजन का प्राथमिक सिद्धांत कहता है कि पीने के पानी और सीवर की लाइनें कभी भी एक-दूसरे के इतने करीब नहीं होनी चाहिए कि एक का रिसाव दूसरे को 'जहर' बना दे। बहुत से शहरों में स्मार्ट सिटी के नाम पर भी कई करोड़ खर्च हो चुके हैं। हाल की घटनाओं ने सारे देश को चेतावनी दे दी है कि जब तक 'जमीन के ऊपर' की सफाई 'जमीन के नीचे' की सुरक्षा के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चलेगी, तब तक 'स्वच्छता या स्मार्ट' के ये पदक अधूरे ही रहेंगे।

भारत के लिए चिंता का विषय ईरान का संकट

विवेक सक्सेना
अयोध्या

दिसंबर 2025 के अंत में ईरान में आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुआ व्यापक विरोध-प्रदर्शन न सिर्फ राजनीतिक परिवर्तन की मांग में तब्दील हो गया है, बल्कि इसने इस इस्लामिक गणराज्य के समक्ष हाल के वर्षों की सबसे गंभीर आंतरिक चुनौती खड़ी कर दी है। हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) के अनुसार हिंसक झड़पों में अब तक 2,572 लोगों की मौत हो जाने और 10 हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लेने का दावा किया जा रहा है।

सुरक्षा की स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि भारत ने ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से बुधवार को देश छोड़ने के लिए कह दिया है। विदेश मंत्रालय ने पांच जनवरी को जारी पिछले परामर्श में अपने नागरिकों से ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया था। साथ ही ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से सावधानी बरतने और प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में जाने से बचने को कहा था। वहीं ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने सरकार विरोधी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा देने की बात कही है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई खुद प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दे चुके हैं। ईरान में हो रहे प्रदर्शनों से पश्चिम एशिया में भी व्यापक तनाव पैदा हो गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर क्रूर कार्रवाई के खिलाफ तेहरान को चेतावनी दी है।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि "मदद पहुंचने वाली है।" महंगाई, मुद्रा अवमूल्यन और आर्थिक कुप्रबंधन के खिलाफ दिसंबर 2025 में तेहरान में शुरू हुआ यह जनाक्रोश ईरान के सभी 31 प्रांतों में 300 से अधिक स्थानों पर फैलकर एक राजनीतिक संकट में बदल गया, जिसमें प्रदर्शनकारी खुलकर सत्ता परिवर्तन की मांग कर रहे हैं।

ईरान का मौजूदा संकट यही दर्शाता है कि आर्थिक कुप्रबंधन और राजनीतिक कठोरता के दीर्घकालिक रणनीतिक परिणाम होते हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाया जा रहा नारा 'न गाजा, न लेबनान, ईरान के लिए मेरी जान' यह इस बात का साफ संकेत देता है कि यहूदी विरोध की नीति यहूदी विरोधी को ही खत्म कर देती है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने संयम बरतने और हिंसा से बचने की अपील की है, वहीं न्यायपालिका, सुरक्षा तंत्र और सर्वोच्च नेतृत्व का रुख कहीं अधिक सख्त है। यह संकट से निपटने में शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर असहमति को भी दर्शाता है। यूरोपीय देशों, आस्ट्रेलिया और कनाडा ने भी बल प्रयोग, मनमानी गिरफ्तारियों और इंटरनेट बंदी की निंदा की है। इसके जवाब में तेहरान ने अमेरिका और इजरायल पर विरोध भड़काने का आरोप लगाया है और समूचे घटनाक्रम को विदेशी साजिश बताया है।

इस पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत के लिए भी यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। ईरान में अस्थिरता से भारत के रणनीतिक और कुछ हद तक आर्थिक हित भी प्रभावित हो सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ईरान भारतीय बासमती चावल का सबसे बड़ा खरीदार है और वर्तमान अशांति से इसके निर्यात पर भी कुछ असर पड़ रहा है। इसके साथ ही ऐसी ही एक चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ से जुड़ी है। इससे भी बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना को लेकर है, जिसमें भारत ने करीब 50 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। यह बंदरगाह भारत के लिए पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक पहुंच प्रदान करता है। यह 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया' नीति का अहम स्तंभ और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे यानी आइएनएसटीसी का प्रमुख हिस्सा है, जिससे परिवहन समय और लागत में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। ईरान में लंबे समय तक चलने वाली अस्थिरता इस परियोजना की समयसीमा, निरंतरता और रणनीतिक मूल्य को प्रभावित कर सकती है। चाबहार को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में चीन की मौजूदगी के संतुलन के रूप में भी देखा जाता रहा है। यदि ईरान में अस्थिरता लंबे समय तक बनी रहती है, तो बीजिंग को वहां अपने प्रभाव विस्तार का अवसर मिल सकता है।

भारत के ऊर्जा हित भी इस परिदृश्य से जुड़े हैं। प्रतिबंधों के कारण भले ही हाल के वर्षों में ईरान से ऊर्जा आयात सीमित रहा हो, लेकिन क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों में ईरान की भूमिका अहम बनी हुई है। राजनीतिक अस्थिरता भविष्य के ऊर्जा सहयोग को और जटिल बना सकती है। इन परिस्थितियों में भारत की कूटनीतिक रणनीति संतुलित और व्यावहारिक रही है। जनवरी के मध्य में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची की संभावित भारत यात्रा इसी दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसमें चाबहार, क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और पश्चिम एशिया के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है 'ग्लोबल साउथ' की एक प्रमुख आवाज होने के नाते भी इस मामले में उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना।

> इस पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत के लिए भी यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

आमने

हमने ब्राह्मण समाज को हमेशा सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया है। ब्राह्मण समाज को किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए और न ही किसी तरह के प्रलोभन में फंसना चाहिए। मौजूदा राजनीतिक माहौल में सतर्क रहने की जरूरत है और अपने हितों की रक्षा के लिए सही राजनीतिक विकल्प चुनना चाहिए।
– मायावती, बसपा प्रमुख

सामने

भाजपा ने हमेशा हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम किया है। हमें यह साबित करने के लिए बसपा या किसी और पार्टी के प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है कि हम ब्राह्मण समाज का सम्मान करते हैं। भाजपा की सरकारों में ब्राह्मण समाज को न केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिला है, बल्कि प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर भी उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं।
– पंकज चौधरी, अध्यक्ष भाजपा उप्र

बाघों के संरक्षण की सफलता या संघर्ष की शुरुआत

डॉ.जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारत में बाघों की स्थिति आज एक गहरे और असहज विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर हम गर्व के साथ यह कहते नहीं थकते कि दुनिया में सबसे अधिक बाघ भारत में हैं, वहीं दूसरी ओर जमीन पर घट रही घटनाएं इस दावे की खोखली सच्चाई को उजागर कर रही हैं। हाल ही में गुजरात में 36 बाघों की खाल का बरामद होना और पिछले वर्ष देशभर में 166 बाघों का मृत पाया जाना, जिसमें से 55 तो टाइगर राज्य का दर्जा प्राप्त मध्य प्रदेश से ही हैं। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि चेतावनी हैं, एक ऐसी चेतावनी, जिसे अगर अब भी नजरअंदाज किया गया, तो आने वाले वर्षों में बाघ संरक्षण की पूरी कहानी ही सवालों के घेरे में आ जाएगी।

आज जब दुनिया के कई देशों से बाघ लगभग विलुप्त हो चुके हैं, तब भारत यह दावा करता है कि उसके पास विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी है, लेकिन इसी सफलता के बीच एक डरावना प्रश्न खड़ा हो गया है, क्या यह सचमुच संरक्षण की जीत है या गहरे संघर्ष की शुरुआत? पिछले वर्ष देश में 166 बाघों की मौत इस प्रश्न को और तीखा बना देती है। गुजरात में 36 बाघों की खाल का मिलना केवल एक राज्य या एक गिरोह का मामला नहीं है। यह अंतर्राष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क, कमजोर निगरानी व्यवस्था और संरक्षण तंत्र की गंभीर चूक की ओर इशारा करता है। बाघ की खाल, हड्डियां और अन्य अंग आज भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में महंगे दामों पर बिकते हैं। खालों की बरामदगी यह भी बताती है कि संरक्षण केवल जंगलों तक सीमित नहीं रह सकता। यह एक कानून-व्यवस्था, सीमा सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का मुद्दा भी है। जब तक तस्करी के पूरे नेटवर्क को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक केवल निचले स्तर के अपराधियों को पकड़ने से कोई ठोस परिणाम नहीं निकलेगा। बाघ के अंगों की तस्करी आज भी एक बड़ा संगठित अपराध है, जिसे अक्सर उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता, जितनी जरूरत है। सवाल यह है कि यह सब हमारी आंखों के सामने कैसे चलता रहा?

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत में बाघों की संख्या बढ़ी है। आरंभिक वर्षों में जहां बाघों की संख्या सिमटकर कुछ हजारों तक आ गई थी, वहीं आज यह संख्या चार हजार के आसपास बताई जाती है। इस उपलब्धि को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सराहा गया। संरक्षित वन क्षेत्र बढ़े, टाइगर रिजर्व बनाए गए, शिकार पर कड़े कानून लागू हुए और बाघ संरक्षण को राष्ट्रीय गौरव का विषय बनाया गया, लेकिन इसी के समानांतर जो सच्चाई उभर रही है, वह बेहद चिंताजनक है- बाघों की मौतें, मानव-वन्यजीव संघर्ष, आक्रामकता के बढ़ते मामले और जंगलों से बाहर भटकते बाघ। पिछले साल 166 बाघों की मौत कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है, जो राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के द्वारा जारी किया गया है। यह संख्या कई सवाल खड़े करती है। क्या ये मौतें प्राकृतिक थीं? क्या बीमारी, आपसी संघर्ष और वृद्धावस्था इसके कारण थे? या फिर यह आंकड़ा उस व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है, जो संरक्षण के नाम पर केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित रह गई है?

वास्तविकता यह है कि इन मौतों में शिकार, जहर, ट्रेन और सड़क दुर्घटनाएं, अवैध विद्युत तार, मानव-बाघ संघर्ष और कुप्रबंधन जैसे कारण शामिल हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम बाघ को बचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय समुदायों को संरक्षण का भागीदार नहीं बना पाते। जब तक गांव, वनवासी और किसान यह महसूस नहीं करेंगे कि बाघ उनके लिए बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा है, तब तक यह संघर्ष चलता रहेगा। बाघों की बढ़ती आक्रामकता पर अक्सर सनसनीखेज बहस होती है, लेकिन बहुत कम लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आक्रामकता वास्तव में बाघ में बढ़ रही है या हम उसके प्राकृतिक व्यवहार को असामान्य परिस्थितियों में देख रहे हैं? भूखा बाघ, घायल बाघ या अपने क्षेत्र से विस्थापित बाघ स्वाभाविक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। यह उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी मजबूरी है।

संरक्षण की सफलता का सही पैमाना केवल बाघों की संख्या नहीं हो सकती। यदि संख्या बढ़ने के साथ मौतें भी बढ़ें, संघर्ष भी बढ़े और जंगल भी सिकुड़ें, तो यह सफलता अधूरी है। पिछले साल 166 बाघों की मौत हमें चेतावनी देती है कि हम एक खतरनाक मोड़ पर खड़े हैं। यदि समय रहते नीतियों में बदलाव नहीं किया गया, तो यह संघर्ष और गहराएगा। समाधान आसान नहीं हैं, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, बाघों के प्राकृतिक गलियारों को सुरक्षित करना होगा ताकि वे एक जंगल से दूसरे जंगल तक सुरक्षित आवागमन कर सकें। सड़क और रेल परियोजनाओं में वन्यजीव अनुकूल ढांचों को अनिवार्य बनाना होगा। स्थानीय समुदायों को संरक्षण का साझेदार बनाना होगा।

संरक्षण को केवल वन विभाग की जिम्मेदारी मानने के बजाय, इसे सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। स्कूलों से लेकर पंचायतों तक यह समझ विकसित करनी होगी कि बाघ बचेगा तो जंगल बचेगा और जंगल बचेगा तो जीवन बचेगा। बाघ आज भी हमारे जंगलों का राजा है, लेकिन राजा तभी सुरक्षित रहता है जब उसका राज्य सुरक्षित हो। यदि जंगल सुरक्षित नहीं होंगे, तो बाघ भी नहीं बचेगा। अब समय आ गया है कि हम संरक्षण को दिखावे से निकालकर संवेदनशील, वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण के साथ लागू करें। तभी यह कहा जा सकेगा कि बाघों का संरक्षण वास्तव में सफलता की कहानी है, न कि संघर्ष की शुरुआत।

> आज जब दुनिया के कई देशों से बाघ लगभग विलुप्त हो चुके हैं, तब भारत यह दावा करता है कि उसके पास विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी है, लेकिन इसी सफलता के बीच एक डरावना प्रश्न खड़ा हो गया है, क्या यह सचमुच संरक्षण की जीत है या गहरे संघर्ष की शुरुआत?

सोशल फोरम

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी आवश्यक

निशा सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

आखिर कौन हैं सीमा आनंद, जो मुख्यतः सेक्स, कामुकता और कामसूत्र आदि गंभीर विषयों पर खुलेतौर पर बात करती हैं। सीमा लंदन में रहती हैं, वे एक लेखिका, माइथोलॉजिस्ट , सेक्स एजुकेटर हैं। वे सेक्स को अश्लील नहीं मानती, बल्कि इसे प्राकृतिक और ऊर्जा के रूप में समझने की बात करती हैं। वे सोशल मीडिया में आजकल इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि हाल ही में एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उनके बयानों पर काफी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि 15 साल के लड़के ने उन्हें आकर्षक बताया, जो चर्चा का विषय बना हुआ है, साथ ही उन्होंने कामसूत्र पर भी खुलकर चर्चा की। कुछ लोग उनकी बातों का समर्थन कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग आलोचना। यह कहना कि वे सौ फीसदी सही हैं या गलत हैं ठीक नहीं होगा, क्योंकि यह ज्यादातर व्यक्तिगत दृष्टिकोण और संस्कृति पर निर्भर करता है। वे सेक्स संबंधों पर खुलकर बात करने को बढ़ावा देती है ताकि लोग डर व शर्म महसूस न करें। यह एक सकारात्मक मानसिकता के लिए सही हो सकता है, लेकिन भारत जैसे देश में जहां सेक्स और कामुकता आज भी पर्दे में है। वहां ऐसी प्रतिक्रियाएं और आलोचना आना स्वाभाविक है।

माना कि सेक्स एजुकेशन जरूरी है, लेकिन जब उदाहरण नाबालिग से जुड़ता है, तो सावधानी बरतनी चाहिए। सीमा जैसे प्रभावशाली लोगों को समझना चाहिए कि उनके शब्दों का असर कहां तक जाएगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी आवश्यक है। पश्चिमी समाज और भारतीय समाज की संवेदनाएं अलग-अलग हैं, इसलिए भारत में इस तरह के विचार रखते समय सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक प्रभाव को नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सेक्स एजुकेशन जागरूकता के लिए हो, न कि सनसनी फैलाने के लिए होनी चाहिए। आधुनिकता के नाम पर हर बात सही नहीं हो जाती। संवाद के साथ मर्यादा का भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

साइबर फ्रॉड : जब खतरा बन जाए तकनीक

डॉ सुनिधि मिश्रा
स्वतंत्र लेखिका

तकनीक ने हमारी जिंदगी को नई गति दी है। ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं अब एक क्लिक पर उपलब्ध हैं, लेकिन इसी डिजिटल क्रांति की छाया में एक बड़ा जोखिम भी मजबूत हुआ है। साइबर फ्रॉड, जहां अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर भारत के नागरिकों को नकदी, डेटा और भरोसे से वंचित कर रहे हैं। 2024-25 के ताजा आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। 2024 में देशभर में लगभग 36.37 लाख साइबर फ्रॉड की घटनाएं दर्ज की गईं और लोगों ने लगभग 22,845.73 करोड़ का नुकसान रिपोर्ट किया, जो 2023 की तुलना में 206 प्रतिशत की वृद्धि है। यह जानकारी गृह मंत्रालय ने संसद में दी, जिसमें बताया गया कि एनसीआरपी और सीएफआरएमस जैसे पोर्टल्स पर बड़े पैमाने पर शिकायतें दर्ज हुईं। इन प्रणालीगत डेटा के अनुसार वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और अब यह केवल शहरों तक सीमित नहीं रह गया है। साइबर फ्रॉड के स्वरूप भी पहले से अधिक जटिल हो गए हैं।

राज्यवार आंकड़े बताते हैं कि साइबर फ्रॉड की गतिविधियां देश के लगभग हर हिस्से में फैली हैं, लेकिन कुछ राज्यों में घटनाओं की संख्या विशेष रूप से उच्च है। भारत में 2024 में महाराष्ट्र ने लगभग 3,03,000 शिकायतों के साथ सबसे ज्यादा साइबर फ्रॉड मामले रिपोर्ट किए, जबकि उत्तर प्रदेश में लगभग 3,01,000, कर्नाटक में लगभग 1,69,000, गुजरात में लगभग 1,68,000 और दिल्ली में लगभग 1,53,000 मामले दर्ज किए गए। इन आंकड़ों से पता चलता है कि बड़े आबादी वाले राज्य और आर्थिक केंद्र साइबर अपराध के अधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। इन राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों के साथ ही 2025 में भी साइबर फ्रॉड की घटनाएं हुईं। उदाहरण के लिए तेलंगाना पुलिस ने 547 करोड़ के बड़े अंतर्राष्ट्रीय साइबर फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें बहु-राज्यीय खाते उपयोग किए गए थे और आरोपियों ने फर्जी नौकरी के ऑफर तथा क्रिप्टो सहित अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया था। 2025 के दौरान हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ प्रभावी रोकथाम और बचाव के कार्यक्रम के तहत लगभग 36 प्रतिशत ठगे गए धन को रोक दिया, जिससे लगभग 350 करोड़ बचाए गए। पुलिस ने 1,41,685 शिकायतें प्राप्त कीं और 8000 से अधिक साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। यह डेटा दिखाता है कि तकनीक-समर्थित और समन्वित प्रयासों से नुकसान को कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार साइबर अपराध में वृद्धि के पीछे कई कारक हैं। डिजिटल पेमेन्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता, सोशल इंजीनियरिंग तकनीक का विकास, फर्जी वेबसाइट और ऐप्स का प्रसार और अपराधियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का निर्माण। उदाहरण के लिए साइबर फ्रॉड से जुड़े नेटवर्कों में अक्सर क्रिप्टो करेंसी का उपयोग और वैश्विक सिमबॉक्स तकनीक शामिल होती है, जिससे ट्रांजैक्शन्स को छुपाया जाता है। साइबर फ्रॉड का आर्थिक असर भी बढ़ता जा रहा है, लेकिन साइबर फ्रॉड केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है, यह भरोसा और मानसिक स्थिति पर भी असर डालता है। ऐसे मामलों में लोग अक्सर शर्म, डर या असहाय महसूस करते हैं, जिसके कारण वे देरी से शिकायत दर्ज कराते हैं या पुलिस से संपर्क नहीं करते। इससे अपराधियों को अधिक अवसर मिलता है। इस खतरे से निपटने के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और सीएफ़आरएमस जैसे प्लेटफॉर्म नागरिकों को सीधे शिकायत दर्ज करने की सुविधा देते हैं। पुलिस बलों ने साइबर सेल, विशेष इकाइयों और प्रौद्योगिकी-आधारित मॉड्यूल को लांच किया है, जिससे फ्रॉड को रोकने और मामलों की जांच में मदद मिलती है। फिर भी, केवल कानूनी उपाय ही पर्याप्त नहीं हैं। साइबर फ्रॉड केवल एक तकनीकी समस्या नहीं है। यह जागरूकता, सामूहिक सुरक्षा और सतर्कता की जरूरत है ताकि डिजिटल भविष्य आशा का कारण रहे, डर का नहीं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

पंखे की खोज

दुनिया का पहला बिजली पंखा अमेरिकी इंजीनियर और आविष्कारक शूयलर स्काट व्हीलर ने 1886 में बनाया था। 1882 में व्हीलर को बिजली की क्षमता का अहसास हुआ। उनके द्वारा विकसित पहले बिजली के पंखे में केवल दो ब्लेड थे, इसमें एक बेहद खतरनाक खुली मोटर का उपयोग किया गया था। ये पंखा तब डायरेक्ट करंट (डीसी) से चलता था। इसे पीतल का बनाया गया था। इसे तब "बज फैन" के नाम से जाना जाता था। संयुक्त राज्य अमेरिका पेटेंट कार्यालय ने 1885-86 को आधिकारिक तौर पर उनके आविष्कार को मंजूरी दी थी।

स्काट व्हीलर का ये पंखा बहुत तेजी से लोकप्रिय हुआ था। जल्द ही अमेरिकी इलेक्ट्रिक मोटर कंपनी क्रॉकर एंड कर्टिस इसे बेचने लगी थी। इसी तकनीक के आधार पर फिर सीलिंग फैन और कई तरह के फैन बनाए गए थे। वहीं काफी हद तक एयर कंडीशनर का आविष्कार भी इसी पंखे को आधार बनाकर किया गया था। बता दें कि 1890 के दशक में डीसी बिजली सप्लाई की जगह एसी बिजली की सप्लाई घरों में पहुंचने लगी थी। तब ये बिजली के पंखे और कॉमन हो गए थे। 1800 के दशक के अंत से पहले बहुत अधिक गर्म होना एक रोजमर्रा की समस्या थी।

वैज्ञानिक परिचय

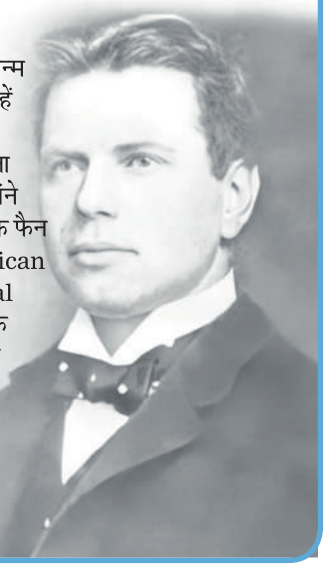

शूयलर स्कॉट व्हीलर का जन्म 17 मई 1860 को हुआ। उन्हें आधुनिक इलेक्ट्रिक पंखे के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है। वर्ष 1882 में उन्होंने पहला व्यावहारिक इलेक्ट्रिक फैन विकसित किया। वे American Institute of Electrical Engineers (AIEE) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जो आगे चलकर IEEE बना। 20 अप्रैल 1923 को व्हीलर का निधन हो गया।

सूर्यास्त के बाद धरती से निकलता है रहस्यमय विकिरण

पृथ्वी अपनी रक्षा कैसे करती है और कैसे जीवन के बने रहने के लिए उपर्युक्त अध्ययन बहुत जरूरी हैं, यह हमें मालूम होता है इन अध्ययनों के डाटा का विश्लेषण करने से . आमजन को विज्ञान की इन गूढ़ बातों से मतलब नहीं कि आकाशगंगा में हमारी पृथ्वी को क्या झेलना पड़ता है और कैसे यह अपनी रक्षा करती है। पृथ्वी पर दूरसंचार रेडियो तरंगों से होता है और इसमें पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष में घूमने वाले उन्नत उपग्रह लगातार ऐसी घटनाओं पर नजर रखते हैं, जिनके अत्यधिक गतिविधि से यह प्रभावित होकर जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकता है। पृथ्वी के सेहत पर नजर रखने के जो भी उपकरण और सेटेलाइट टेक्नोलॉजी निर्मित की जाती है, उस पर अत्यधिक निवेश की जरूरत होती है। इसके लिए उन्नत देशों ने अनेक अंतरिक्ष निगरानी संगठन बनाए हुए हुए हैं। डाटा भी शेयर होता है।

रशियन एकेडमी ऑफ़ साइंसेज के हायर स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड स्पेस रिसर्च के रिसर्चर्स ने अरासे सैटेलाइट से सात साल तक डेटा का एनालिसिस किया और पहली बार पृथ्वी के नए रेडियो एमिशन हेक्टोमीटर कॉन्टिनम के बारे में डिटेल में बताया, जिसे 2017 में खोजा गया था। अरासे, जिसे पहले एक्सप्लोरेशन ऑफ़ एनर्जाइज़ेशन एंड रेडिएशन इन जियोस्पेस के नाम से जाना जाता था, वैन एलन बेल्ट्स की स्टडी करने वाला एक साइंटिफिक सैटेलाइट है। इसे जेएएक्सए या जाक्सा के इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एंड एस्ट्रोनॉटिकल साइंस ने डेवलप किया था। पता चला कि यह रेडिएशन सूरज डूबने के कुछ घंटे बाद होता है और सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है। ज्यादातर यह गर्मियों के महीनों में रिकॉर्ड किया गया था, बसंत और पतझड़ में कम। हालांकि, 2022 के बीच तक, जब सूरज बढ़ी हुई एक्टिविटी के फेज में गया, तो रेडिएशन पूरी तरह से गायब हो गया, लेकिन साइंटिस्ट्स का कहना है कि सिग्नल वापस आ सकता है। यह स्टडी जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्चः स्पेस फिजिक्स में पब्लिश हुई है। पृथ्वी लगातार रेडियो तरंगें निकाल रही है, जो नैचुरल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल हैं जो पृथ्वी के पास के स्पेस से निकलते हैं। उनके एनालिसिस से यह समझने में मदद मिलती है कि सूरज मैग्नेटोस्फीयर पर कैसे असर डालता है - पृथ्वी के चारों ओर का वह एरिया जहां मैग्नेटिक फील्ड इसे बाहरी असर से बचाता है। इस रीजन या क्षेत्र में अलग-अलग तरह के रेडियो एमिशन बनते हैं, और उनमें से एक है हेक्टोमीटर कॉन्टिनम।

यह 600 से 1700 किलोहर्ट्ज़ की रेंज में कमजोर नैचुरल रेडिएशन है, जो आम रेडियो स्टेशनों की ब्रॉडकास्टिंग फ्रीक्वेंसी से काफी कम है। रेडिएशन के सोर्स ग्रह के काफी करीब हैं - लगभग एक या दो पृथ्वी रेडियस की ऊंचाई पर, जहां मैग्नेटिक फील्ड अभी भी चार्ज्ड पार्टिकल्स की मूवमेंट को कंट्रोल करता है। पृथ्वी पर, ऐसी तरंगों का पता नहीं लगाया जा सकता क्योंकि आयनोस्फीयर की घनी परतें उन्हें पूरी तरह से सोख लेती हैं, इसलिए माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स को सिर्फ़ स्पेसक्राफ्ट की मदद से ही देखा जा सकता है।

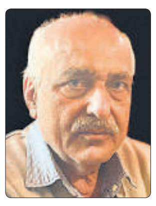

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

इस बारे में, हेक्टोमीटर कॉन्टिनम की खोज काफी हाल ही में, 2017 में, जापानी सैटेलाइट अरासे की वजह से हुई थी। उस समय से, सिग्नल कभी-कभी रिकॉर्ड किया गया है, और इसके व्यवहार की कोई पूरी तस्वीर नहीं थी। माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स की प्रॉपर्टीज को बताने और इसके शुरू होने के मैकेनिज्म को समझाने के लिए, रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के स्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट और हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के फिजिक्स फैकल्टी के रिसर्चर्स ने सैटेलाइट से सारा उपलब्ध डेटा इकट्ठा किया और ट्रैक किया कि यह रेडिएशन समय के साथ कैसे बदलता है। ऐसा करने के लिए, उन्होंने सात साल, 2017-2023 के लिए, माइनिंग और मेटलर्जी कंपनियों के रजिस्ट्रेशन के लगभग एक हजार एपिसोड का एनालिसिस किया। नतीजों से पता चला कि सिग्नल का दिखना नियर-अर्थ प्लाज्मा में होने वाले प्रोसेस से जुड़ा है - यह एक ऐसा क्षेत्र है जो चार्ज्ड पार्टिकल्स से भरा होता है जो पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड और सोलर विंड के असर में चलते हैं। लेखकों के अनुसार, हेक्टोमीटर कंटिन्यूअम डबल प्लाज्मा रेजोनेंस के कारण होता है, यह एक ऐसी घटना है जिसमें प्लाज्मा में दो तरह के ऑसिलेशन एक साथ होते हैंः प्लाज्मा का नेचुरल ऑसिलेशन और पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड लाइनों के चारों ओर इलेक्ट्रॉनों का घूमना। यह को-इंसिडेंस अस्थिरता पैदा करता है, जिसके कारण प्लाज्मा रेडियो वेव्स निकालता है। इसके लिए खास हालात की जरूरत होती है, जैसे एक खास प्लाज्मा डेंसिटी और ज्यादा एनर्जी वाले गर्म इलेक्ट्रॉन की मौजूदगी। पता चला कि रेडिएशन सिर्फ़ रात में होता है और सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है।

साइंटिस्ट इसे इस बात से समझाते हैं कि सूरज का सुबह का रेडिएशन प्लाज्मा की डेंसिटी बढ़ाता है और रेडियो वेव बनने के लिए ज़रूरी हालात को खत्म कर देता है। सूरज डूबने के बाद, सिग्नल भी तुरंत नहीं दिखता, बल्कि कुछ घंटों बाद दिखता है, जब आयनोस्फीयर को ठंडा होने औरमाइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स के एक्साइटेशन के लिए जरूरी पैरामीटर को ठीक करने का समय मिल जाता है। रोजाना के साइकिल के अलावा, रेडिएशन में मौसमी खासियतें भी होती हैंः यह गर्मियों में ज्यादा रिकॉर्ड होता था, पतझड़ और बसंत में कम। 2022 के बीच से, सिग्नल गायब हो गया है। साइंटिस्ट इसका कारण सूरज का ज्यादा एक्टिव फेज में बदलना मानते हैंः इन महीनों में, इसकी सतह पर ज़्यादा धब्बे थे, 10.7 सेंटीमीटर की वेवलेंथ पर रेडियो एमिशन बढ़ा और अल्ट्रावॉयलेट लेवल बढ़ा। इस वजह से, प्लाज्मा का स्ट्रक्चर बदल गया, और कंटीन्यूअम बनने के हालात गायब हो गए। जाक्सा, या जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी, जापान की सरकारी एजेंसी है जो रिसर्च, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और सैटेलाइट को ऑर्बिट में लॉन्च करने के लिए ज़िम्मेदार है।

सन 2003 में बनी जाक्सा को जापान के स्पेस प्रोग्राम को आसान बनाने के लिए तीन अलग-अलग ऑर्गनाइज़ेशन को मिलाकर बनाया गया था। यह कई बड़े प्रोजेक्ट्स में शामिल रही है, जिसमें इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए मॉड्यूल बनाना और चांद और एस्टेरॉयड की स्टडी के लिए मिशन चलाना शामिल है। ज़्यादा जानकारी के लिए, आप जाक्सा की ऑफिशियल वेबसाइट पर जा सकते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

ठंड में मुंह से क्यों निकलती है भाप

सर्दियों में जैसे ही तापमान गिरता है, लोगों के मुंह से धुएं जैसी भाप निकलती दिखाई देने लगती है। बचपन में हममें से कई लोग यह देखने की होड़ लगाते थे कि कौन ज्यादा 'धुआं' निकाल सकता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह भाप आखिर आती कहां से है और गर्मियों में यह बिल्कुल क्यों नहीं दिखती? आइए आज आपको बताते हैं कि आखिर यह प्रोसेस क्यों होता है?

हमारे शरीर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना होता है और हमारे फेफड़ों (लंग्स) में जो हवा होती है, वह नमी यानी वॉटर वेपर से भरी होती है। यह हवा हमारे शरीर के तापमान के बराबर गर्म होती है। गर्म हवा ठंडी हवा की तुलना में ज्यादा नमी अपने अंदर रोक सकती है। यही कारण है कि जब सर्दियों में हम सांस बाहर छोड़ते हैं, तो बाहर की ठंडी हवा उस गर्म और नम सांस का तापमान बहुत तेजी से गिरा देती है। जैसे ही यह सांस ओसांक (Dew Point) तक पहुंचती है, उसमें मौजूद वॉटर वेपर गैस से तरल अवस्था में बदल जाता है। इस प्रक्रिया को कंडेन्सेशन (Condensation) कहते हैं। इस दौरान बेहद छोटे-छोटे पानी के कण बनते हैं, जो हमें धुएं या कोहरे (फॉग) की तरह दिखाई देते हैं। असल में यह धुआं नहीं, बल्कि पानी की सूक्ष्म बूंदें होती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, जब तापमान शून्य डिग्री या उससे नीचे चला जाता है, तो यही भाप जमकर बर्फ के कणों में भी बदल सकती है।

गर्मियों में क्यों नहीं दिखती भाप ?

गर्मियों में वातावरण का तापमान अधिक होता है। ऐसी स्थिति में जब हम सांस छोड़ते हैं, तो बाहर की हवा पहले से ही गर्म होती है और अधिक नमी धारण कर सकती है। इसलिए सांस में मौजूद वॉटर वेपर गैस की अवस्था में ही रहता है और कंडेन्सेशन नहीं होता। इसी वजह से गर्मियों में मुंह से भाप दिखाई नहीं देती।

रोचक किस्सा

समुद्र की नीली रंगत का रहस्य

भारत के महान वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन (सी. वी. रमन) से जुड़ा एक रोचक और प्रेरक किस्सा उनकी खोजी प्रवृत्ति को बखूबी दर्शाता है। यह किस्सा उस खोज की शुरुआत है, जिसने आगे चलकर उन्हें नोबेल पुरस्कार तक पहुंचाया।

1904 में लॉर्ड रेले को फिजिक्स का नोबेल मिला था। उन्होंने बताया था कि आसमान नीला क्यों दिखता है और समुद्र का नीला रंग आसमान के प्रतिबिंब के कारण है। सन् 1921 में सी. वी. रमन ब्रिटेन समुद्री मार्ग से जा रहे थे। जहाज जब गहरे समुद्र में आगे बढ़ रहा था, तो उन्होंने देखा कि समुद्र का पानी गहरा नीला दिखाई दे रहा है, लेकिन रमन को रेले का तर्क संतोषजनक नहीं लगा। उनका वैज्ञानिक मन इस साधारण से दृश्य में भी प्रश्न खोजने लगा कि यदि समुद्र का रंग केवल आकाश का प्रतिबिंब है, तो बादलों के दिनों में भी वह नीला क्यों दिखता है?

यही सवाल उनके मन में बस गया। भारत लौटने के बाद उन्होंने साधारण उपकरणों से प्रकाश और तरल पदार्थों पर प्रयोग शुरू किए। उनके पास अत्याधुनिक प्रयोगशाला नहीं थी, फिर भी उन्होंने कांच की बोतलों, सूरज की रोशनी और साधारण स्पेक्ट्रोस्कोप की मदद से गहन अध्ययन किया। इन प्रयोगों से उन्होंने सिद्ध किया कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी पदार्थ से गुजरता है, तो उसका कुछ हिस्सा विखरित होकर अपना तरंगदैर्घ्य बदल लेता है।

यही खोज आगे चलकर 'रमन प्रभाव' के नाम से प्रसिद्ध हुई। इस प्रभाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि समुद्र का नीला रंग आकाश का प्रतिबिंब नहीं, बल्कि प्रकाश के प्रकीर्णन का परिणाम है। इस खोज के लिए सी. वी. रमन को 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला। यह किसी भारतीय वैज्ञानिक को मिला पहला नोबेल पुरस्कार था। यह किस्सा हमें सिखाता है कि वैज्ञानिक दृष्टि केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं होती। एक जिज्ञासु नजर और सवाल पूछने की आदत भी महान खोजों की नींव रखती है।

वैज्ञानिकों के आकर्षण का केंद्र होगा धूमकेतु-3 आई एटलस

इस पूरे वर्ष बहुचर्चित धूमकेतु-3 आई एटलस वैज्ञानिकों के आकर्षण के केंद्र में रहेगा। दूसरी दुनिया से आए इस धूमकेतु की कौमा जैसी पूंछ का रंग अब हरा हो चला है। चौड़ाई में आकार 6 किमी तक है। यह एक असामान्य सक्रिय धूमकेतु है, जिसकी सतह पर संभवत: बर्फ के ज्वालामुखी विस्फोट हो रहे हैं। यह जानकारी नासा की हबल अंतरिक्ष दूरबीन के जरिए सामने आई है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

अंतरिक्ष में धूमकेतुओं का अपना अलग रोमांच है और वह धूमकेतु तब और भी रोमांच पैदा कर देता है, जब वह हमारे सौर मंडल का न होकर किसी दूसरी दुनिया से आया हो। यही वह मौका है, जो किसी दूसरे सौर मंडल के रहस्यों को उजागर कर सकता है। जिस कारण नासा और ईसा जैसी प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियां गंभीरता से इसके ऑब्जर्वेशन में जुटी हुई हैं। अभी तक हुए अध्ययन के बाद इस धूमकेतु के बारे में कुछ नई जानकारियां सामने आ सकी हैं, जिससे पता चलता है कि इसका धूल भरा कौमा यानी पूंछ अब लाल रंग से हरे रंग में तब्दील हो चुकी है। चौड़ाई में इसका आकार 440 मीटर से 6 किमी के बीच होने का अनुमान वैज्ञानिकों ने जताया है।

बहरहाल इसके आकार की सही जानकारी मिलनी अभी बाकी है। इसके रंग बदलने का कारण द्विपरमाण्विक कार्बन का उत्सर्जन माना जा रहा है। इस धूमकेतु की सतह में हलचल यानी सक्रियता अधिक हो रही हैं, जिस कारण इसे असामान्य माना जा रहा है। इसकी सतह पर बर्फ के ज्वालामुखी विस्फोट हो रहे हैं, इसके संकेत वैज्ञानिकों को मिले हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह धूमकेतु इस वर्ष जून तक जमीनी दूरबीनों से देखा जा सकेगा।

इसके बाद साल के अंत में पुनः पृथ्वी पर मौजूद दूरबीनों से देखा जा सकता है। इस बीच अंतरिक्ष दूरबीन जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप और हबल से इस पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा बृहस्पति ग्रह पर मौजूद दूरबीन जूसी भी इसकी निगरानी करेगा और इसकी तस्वीरें हम तक भेजेगा। वर्तमान में यह धुंधला ही नजर आ रहा है। जिस कारण साधारण दूरबीनों से देख पाना आसान नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस धूमकेतु के अध्ययन के लिए पूरा साल है, जो किसी दूसरी दुनिया के सौर मंडल की जानकारी दे जाएगा।

धूमकेतुओं से पता चलता है सौर मंडल की वास्तविकता

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार धूमकेतुओं से सौर मंडल के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। यह किसी भी सौर मंडल के निर्माण के अवशेष होते हैं। जिस कारण सौर मंडल की आयु और वहां मौजूद पिंडों का पता लगाया जा सकता है, जिससे धूमकेतु-3 आई एटलस का महत्व बढ़ जाता है, जो किसी दूसरे सौर मंडल के बारे में जानकारी दे सकता है।

जंगल की दुनिया

पर्पल फ्रॉग (बैंगनी मेढक) धरती का रहस्यमय जीव

पर्पल फ्रॉग, जिसे हिंदी में बैंगनी मेढक कहा जाता है, प्रकृति के सबसे अद्भुत और रहस्यमय जीवों में से एक है। इसका वैज्ञानिक नाम नासिकाबत्रेकस सह्याद्रेंसिस (Nasikabatrachus sahyadrensis) है। यह दुर्लभ प्रजाति केवल भारत के पश्चिमी घाट क्षेत्र में पाई जाती है, जो अपनी जैव-विविधता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

बैंगनी मेढक का शरीर अन्य मेढकों से बिल्कुल अलग होता है। इसका रंग गहरा बैंगनी, शरीर गोल-मटोल और थूथन सूअर की नाक जैसा दिखाई देता है। इसकी आंखें छोटी होती हैं और मुंह संकरा, जिससे यह जमीन के नीचे रहने के लिए पूरी तरह अनुकूलित है। यह मेढक अपने जीवन का अधिकांश समय भूमिगत बिताता है और आमतौर पर इंसानों की नजरों से दूर रहता है।

पर्पल फ्रॉग की सबसे अनोखी विशेषता इसका जीवन-चक्र है। यह साल में केवल मानसून के कुछ ही दिनों के लिए जमीन के ऊपर आता है। इसी दौरान यह प्रजनन करता है। नर मेढक की आवाज तेज और अनोखी होती है, जो जमीन के नीचे से भी सुनाई देती है। इसके टैडपोल चट्टानों से चिपककर बहते पानी में विकसित होते हैं, जो इसे अन्य प्रजातियों से अलग बनाता है। इसका मुख्य भोजन दीमक और छोटे कीड़े होते हैं, जिन्हें यह अपनी लंबी, चिपचिपी जीभ से पकड़ता है। जंगलों में रहने वाली इडुकी इन्हें कई पीढ़ियों से जानते और समझते हैं। माना जाता है कि इन जीवों का प्राचीन वंश लगभग 12 करोड़ वर्षों से स्वतंत्र रूप से विकसित हो रहा है, और इन्होंने नए महाद्वीपों के निर्माण, महान डायनासोर के विनाश, हिमयुग और मनुष्यों के प्रमुख प्रजाति बनने जैसी घटनाओं को जीवित रहते हुए देखा है। वैज्ञानिकों के लिए यह गोंडवानालैंड नामक महाद्वीप के अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण जैविक प्रमाण हैं।

आज पर्पल फ्रॉग संकटग्रस्त (Endangered) प्रजातियों की सूची में शामिल है। जंगलों की कटाई, सड़क निर्माण और मानवीय गतिविधियों के कारण इसका प्राकृतिक आवास तेजी से नष्ट हो रहा है। ऐसे में इस अनोखे जीव का संरक्षण न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है, बल्कि हमारी प्राकृतिक धरोहर को बचाने की जिम्मेदारी भी है।

आरएम ड्रिप लगाएगा नया विनिर्माण संयंत्र

नई दिल्ली। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक में 12,000 टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता वाली नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि नई इकाई की स्थापना प्रस्तावित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से सिन्नर में होगी। इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में 50% की वृद्धि होगी।

अमृत विचार
हल्द्वानी, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन: तुलसी 2565, राज श्री 1860, फॉर्च्यून कि. 2330, रविन्द्रा 2450, फॉर्च्यून 13 किग्रा 2050, जय जवान 2050, सचिन 2045, सूरज 2065, अवसर 1885, उजाला 1975, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मेर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना: हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9400–12000, अजवायन 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु.): डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सुमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050, लाडली 4000

दाल दलहन: मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका दाल 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800–8600, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700–8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटी 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी: पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल: शरबती- 3000, मसूरी- 800, बासमती- 5000, परमल- 1100

दाल दलहन: काला चना- 2000, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8100–11100, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 2000, उड़द साबुत- 3700, काबुली चना- 7400, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1100

भारत, अमेरिका व्यापार समझौते के करीब

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- दोनों देशों के वार्ताकार सभी लंबित मुद्दों पर कर रहे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोले- भारत-अमेरिका में बातचीत कभी नहीं टूटी और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे से जुड़े रहे

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं और दोनों पक्षों के तैयार होने पर इसकी घोषणा कर दी जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि दोनों देशों के वार्ताकार दल व्यापार समझौते के लगभग सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, यह पूरा होने के करीब है, लेकिन हम कोई समय-सीमा नहीं दे सकते हैं। यह तब होगा जब दोनों पक्ष तैयार होंगे और यह महसूस करेंगे कि घोषणा का सही समय है। अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच बातचीत कभी नहीं टूटी थी और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। सितंबर में भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के 50% तक का भारी शुल्क लगाने के बाद व्यापार समझौते पर बातचीत कुछ समय के लिए सुस्त पड़ गई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीयर के साथ ऑनलाइन बैठक की थी। यह बैठक 10-11 दिसंबर को अमेरिका के उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर के नेतृत्व में आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बाद हुई। भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने 12 जनवरी को कहा था कि दोनों पक्ष सक्रिय रूप से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में लगे हैं।

गोर ने कहा था, असली मित्रों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आखिर में हमेशा उन्हें सुलझा लेते हैं। साथ में अग्रवाल ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार की सकारात्मक वृद्धि पर संतोष जताया। व्यापार समझौता संपन्न न हो पाने की किसी संभावना पर उन्होंने कहा कि हम सभी व्यापार वार्ताओं में सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण रखते हैं।

दोनों पक्ष जुड़े हुए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इसे अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। दोनों देशों ने पिछले साल की शुरुआत में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू की थी। इस दौरान कई दौर की वार्ताएं भी हुईं। हालांकि कृषि एवं डेयरी क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को लेकर गतिरोध की स्थिति रही।

भारत, यूरोपीय संघ एफटीए पर बातचीत पूरी करने के नजदीक

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पूरी करने के बहुत करीब है। कुछ बचे मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत जारी है ताकि इस महीने के आखिर में शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय समझौता, घोषणा के लिए तैयार हो सके। वाणिज्य सचिव, राजेश अग्रवाल ने कहा कि संवेदनशील कृषि से जुड़े मुद्दों को भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के दायरे से बाहर रखा गया है। हमने 24 में से 20 अध्याय पूरी तरह से बंद कर दिए हैं। कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन पर बातचीत चल रही है। हम डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं और हम यह कोशिश कर रहे हैं कि हमारे नेताओं की बैठक से पहले इस काम को कैसा पूरा किया जा सकता है। जिन मुद्दों को सुलझाने की जरूरत है उनमें यूरोपीय संघ का कार्बन कर भी शामिल है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष, उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष, एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा 25-27 जनवरी तक भारत की सरकारी यात्रा पर रहेंगे। वे 77वें गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि हैं। इस यात्रा के समय, यह नेतृत्व 27 जनवरी को 16वें इंडिया-यूरोपीय संघ सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। सम्मेलन के दौरान समझौते के लिए बातचीत खत्म होने की घोषणा की जा सकती है और इस पर दस्तखत बाद में तय तारीख पर हो सकते हैं। अग्रवाल ने कहा कि यह बातचीत खत्म होने की घोषणा करने का एक अच्छा मौका होगा। हम इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। बातचीत को गति देने के लिए, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल 8-9 जनवरी को यूरोपीय संघ व्यापार आयुक्त, मारोस सेफकोविक के साथ बैठक के लिए ब्रसेल्स गए थे। वित्तवर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर था (75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब अरब डॉलर का आयात), जिससे यह सामानों का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बन गया। यूरोपीय संघ बाजार का भारत के कुल निर्यात में लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं भारत को यूरोपीय संघ का निर्यात उसके कुल विदेशी निर्यात का नौ प्रतिशत है।

बेरोजगारी दर 4.8% शहरी क्षेत्रों में बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीएलएफएस के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में 3.9% पर स्थिर, शहरी क्षेत्रों में 6.5 से बढ़कर 6.7% हुई

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर दिसंबर में मामूली रूप से बढ़कर 4.8% पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह 4.7% थी। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय से जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 3.9 प्रतिशत पर स्थिर रही जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण पुरुषों में बेरोजगारी दर 4.1% पर स्थिर रही, जबकि शहरी महिलाओं में यह 9.3% से घटकर 9.1% पर आ गई। दिसंबर में देश के कुल श्रमबल में हल्की बढ़त देखी गई और कुल कार्यशील जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 53.2 से बढ़कर 53.4% हो गया। ग्रामीण पुरुषों का डब्ल्यूपीआर 75.4 से बढ़कर 76% रहा, जबकि शहरी पुरुषों में यह 70.9 से 70.4% पर आ गया। ग्रामीण महिलाओं का डब्ल्यूपीआर 38.4 से बढ़कर 38.6% हो गया जबकि शहरी महिलाओं का कार्यशील जनसंख्या अनुपात 23% पर स्थिर रहा।

आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 55.8 से बढ़कर 56.1% हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 58.6 से बढ़कर 59% और शहरी क्षेत्रों में 50.4 से घटकर 50.2% रही। महिलाओं की एलएफपीआर कुल 35.1 से बढ़कर 35.3% रही। इसमें ग्रामीण महिलाएं 39.7 से बढ़कर 40.1% पर पहुंच गईं जबकि शहरी महिलाएं 25.5 से घटकर 25.3% पर आ गईं। इन आंकड़ों का आधार 3,73,990 लोगों के बीच किए गए सर्वेक्षण से मिली सूचना है। पीएलएफएस की नई गणना-पद्धति जनवरी, 2025 से लागू की गई है, जिससे श्रमबल संकेतकों का व्यापक और अधिक सटीक आकलन संभव हो पाया है।

निर्यात 1.87% बढ़ा, व्यापार घाटे में मामूली वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

- कुल वस्तु निर्यात 2.44% बढ़कर 330.29 अरब डॉलर और कुल आयात 5.9% बढ़कर 578.61 अरब डॉलर रहा

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश का निर्यात दिसंबर 2025 में 1.87% बढ़कर 38.5 अरब डॉलर हो गया लेकिन आयात में तेज वृद्धि से व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25 अरब डॉलर हो गया। गुरुवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में देश का आयात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 63.55 अरब डॉलर रहा। इसके साथ ही आयात और निर्यात का अंतर यानी व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25.04 अरब डॉलर हो गया। यह नवंबर 2025 में 24.53 अरब डॉलर जबकि दिसंबर 2024 में 22 अरब डॉलर था। साथ ही चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में देश का कुल वस्तु निर्यात 2.44 प्रतिशत बढ़कर 330.29 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान कुल आयात 5.9 प्रतिशत बढ़कर 578.61 अरब डॉलर हो गया।

इस तरह वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल व्यापार घाटा 248.32 अरब डॉलर दर्ज किया गया। व्यापार आंकड़ों पर वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात सकारात्मक रुझान दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा रुझानों को देखते हुए हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं) 850 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर सकता है। पिछले महीने निर्यात में तेजी की अगुवाई इंजीनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री उत्पाद और दवा जैसे क्षेत्रों ने की। इसके साथ अमेरिका, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को भारत का निर्यात स्थिर गति से बढ़ रहा है।

एमएसएमई के लिए सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़ें

नई दिल्ली, एजेंसी

- नीति आयोग ने केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल बनाने और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रखी बात

नीति आयोग ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की दक्षता बढ़ाने को गुरुवार को सरकार की विभिन्न योजनाओं को एक साथ जोड़ने की सिफारिश की। आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के लिए केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाए और विकास योजनाओं एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का बेहतर समन्वय भी स्थापित किया जाए।

रिपोर्ट में एमएसएमई इकाइयों का बाजार के साथ सहयोग मजबूत करने के लिए विशेष मार्केटिंग प्रकोष्ठ बनाने का सुझाव भी दिया गया है। इस प्रकोष्ठ की घरेलू विपणन इकाई व्यापार मेलों, प्रदर्शनी और खरीदार-विक्रेता बैठकों में उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाएगी, जबकि विदेशी विपणन इकाई वैश्विक बाजार तक पहुंच और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में समर्थन देगी। साथ ही नीति आयोग ने ग्रामीण और कृषि-आधारित छोटे उद्योगों को उन्नत प्रशिक्षण और नवाचार तक पहुंच दिलाने के लिए मौजूदा योजनाओं को विशेष श्रेणी में शामिल करने की सिफारिश की है।

आयोग ने ग्रामीण और कृषि आधारित छोटे उद्योगों के लिए संचालित एस्पायर योजना को एमएसएमई नवाचार योजना में शामिल करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे इन उद्यमों को उन्नत प्रशिक्षण, नवाचार और समर्थन मिल सकेगा।

रिपोर्ट में सुझाए गए दो-स्तरीय तरीके

नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी की रिपोर्ट में सरकारी योजनाओं को मिलाने के लिए सूचना का समन्वय और प्रक्रिया का समन्वय के दो-स्तरीय तरीके सुझाए गए हैं। इससे केंद्र और राज्य सरकारों के डेटा को जोड़कर योजनाओं में बेहतर तालमेल, निर्णय क्षमता और सेवाओं की पहुंच बढ़ाई जा सकेगी। आयोग ने इस समय संचालित 18 सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन करने के बाद कहा कि योजनाओं का अलग-अलग और कभी-कभी पारस्परिक संघर्ष वाला संचालन लाभार्थियों तक पहुंच और असर को सीमित कर देता है। इन योजनाओं का समान और संयोजित क्रियान्वयन एमएसएमई क्षेत्र में संसाधनों का उपयोग, आसान पहुंच और व्यापक विकास को सुनिश्चित करेगा।

ईसी मतदाता सूची से हटाए वोटरों के नाम करें प्रकाशित : सुप्रीम कोर्ट

आपत्ति दर्ज करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने पर विचार करने को कहा

- संशोधन के बाद जारी मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं 24 लाख लोगों के नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को केरल में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के बाद प्रकाशित मतदाता सूची के मसौदे से हटाए नामों को सार्वजनिक करने का गुरुवार को निर्देश दिया, ताकि प्रभावित मतदाता आपत्ति दर्ज करा सकें। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आयोग से नामों को हटाने के खिलाफ आपत्ति दर्ज करने की समय सीमा को दो सप्ताह तक बढ़ाने पर विचार करने को भी कहा।

आयोग के वकील ने दलील दी कि समय सीमा बढ़ाने के मुद्दे पर विचार किया जाएगा। पीठ, केरल में एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं के समूह की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं में केरल की इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के वरिष्ठ राजनेता पीके कुन्हालीकुट्टी, माकपा के एमवी गोविंदन मास्टर और सनी जोसेफ के साथ भाकपा राज्य परिषद के सदस्य शामिल हैं। याचिकाओं में कहा गया कि वर्तमान में जिस प्रकार से एसआईआर प्रक्रिया जारी रही है, उसमें तकनीकी त्रुटियों और मजबूत निवारण तंत्र के अभाव से आबादी के बड़े हिस्से के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने बताया कि संशोधन के बाद जारी मतदाता सूची के मसौदे के अनुसार, 24 लाख नाम हटाए गए हैं। पीठ को सूचित किया गया कि पिछली सुनवाई के दौरान आयोग ने जनगणना प्रपत्र जमा करने की मूल समय सीमा चार दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर कर दी थी। बाद में न्यायालय की टिप्पणियों के आधार पर समय सीमा को बढ़ाकर 18 दिसंबर कर दिया गया। पीठ ने इन दलीलों पर ध्यान देते हुए कहा कि मसौदा मतदाता सूची से बाहर किए गए व्यक्तियों के नाम, अगर पहले से प्रदर्शित नहीं किए गए हैं, तो ग्राम पंचायत कार्यालयों या गांवों में स्थित किसी कार्यालय में प्रदर्शित किए जाने चाहिए।

जन नायकन के निर्माता सीबीएफसी मंजूरी को हाईकोर्ट जाएं

विजय-अभिनीत फिल्म जन नायकन की रिलीज टलती जा रही है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश देने संबंधी फिल्म निर्माता की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी तथा उन्हें 20 जनवरी को फिर से मद्रास हाईकोर्ट के समक्ष जाने को कहा। केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने मद्रास हाईकोर्ट के उस अंतरिम आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें तमिल फिल्म जन नायकन को प्रमाण-पत्र जारी करने के एकल-न्यायाधीश के निर्देश पर रोक लगा दी गई थी। फिल्म नौ जनवरी को पोंगल पर रिलीज होनी थी। यह फिल्म विजय के राजनीति में पूर्ण रूप से प्रवेश करने से पहले उनकी आखिरी फिल्म मानी जा रही है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट में मामले के निपटारे की गति पर सवाल उठाते हुए फिल्म निर्माताओं को राहत के लिए हाईकोर्ट की खंडपीठ जाने के लिए कहा। निर्माताओं के वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने शीर्ष अदालत से कहा कि विवाद के निपटारे में अगर देरी होती है तो इससे गंभीर क्षति होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि मद्रास हाईकोर्ट 20 जनवरी को याचिका पर फैसला करे।

कोमा में गए बेटे को इच्छामृत्यु की अर्जी पर फैसला सुरक्षित

उच्चतम न्यायालय ने 31-वर्षीय व्यक्ति के पिता की उस याचिका पर गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें 12 साल से अधिक समय से कोमा में गए बेटे के कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण को हटाकर उसे परोक्ष इच्छामृत्यु देने का अनुरोध किया गया है। याचिका के मुताबिक, हरीश राणा 2013 में इमारत की चौथी मंजिल से गिर गए थे और उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। वह 12 वर्षों से कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी और याचिकाकर्ता (पिता) अशोक राणा की अधिवक्ता रश्मी नंदकुमार की दलीलें सुनीं।

तमिलनाडु के विवि के खिलाफ हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगा दी, जिसमें तंजावुर स्थित सरकारी जमीन से षणमुगा आर्ट्स, साइंस, टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च एकेडमी (एसएएसटीआरए) को बेदखल करने का आदेश दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विजय बिश्नोई की पीठ ने राज्य सरकार से तीन वरिष्ठ राज्य अधिकारियों की उच्चस्तरीय समिति गठित करने को कहा। पीठ ने निर्देश दिया कि समिति विवि के अभ्यावेदन पर विचार करे और चार सप्ताह में निर्णय लेने से पहले संस्थान को सुनवाई का अवसर प्रदान करे।

वकालत मानदंड पर उच्च न्यायालयों, एनएलयू से प्रतिक्रिया मांगी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को प्रवेश स्तर की न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल होने के लिए न्यूनतम तीन वर्ष के वकालत पेशा मानदंड पर सभी उच्च न्यायालयों, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों और अन्य विधि विद्यालयों से राय मांगी। उच्चतम न्यायालय ने गत वर्ष 20 मई को नए विधि स्नातकों को प्रवेश स्तर की न्यायिक सेवा परीक्षा में बैठने से रोक दिया था और इसके लिए न्यूनतम तीन साल की वकालत करने का मानदंड तय किया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विजय बिश्नोई की पीठ गुरुवार को भूमिका ट्रस्ट द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) की श्रेणी से संबंधित विधि स्नातकों को न्यूनतम तीन वर्ष की वकालत करने की आवश्यकता से छूट देने का अनुरोध किया गया था।

भाजपा ने कोर्ट की टिप्पणी को ममता पर गंभीर आरोप बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

आई-पैक छापा मामला

- भाजपा ने कहा- टीएमसी अध्यक्ष ने कोयला तस्करी के आरोपियों को बचाने के लिए राज्य की मशीनरी का किया इस्तेमाल

भाजपा ने कोलकाता स्थित आई-पैक परिसर में ईडी की छापेमारी को कथित तौर पर बाधित करने के खिलाफ दाखिल याचिका पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर गंभीर आरोप करार दिया। केंद्र में सत्तारूढ़ और बंगाल की विपक्षी पार्टी भाजपा ने आरोप लगाया कि टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कोयला तस्करी और धनशोधन के आरोपियों को बचाने के लिए राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल किया।

भाजपा ने कहा कि ममता बनर्जी आज जनता और अदालत दोनों में बेनकाब और पराजित हो चुकी हैं। अब उनके मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई आधार नहीं है। भाजपा का यह बयान शीर्ष अदालत द्वारा ईडी की छापेमारी में बाधा डालने के आरोप को बेहद गंभीर बताये जाने के बाद आया। भाजपा के पश्चिम बंगाल मामलों के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा, यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर एक गंभीर आरोप है। न्यायालय ने ''कड़ी'' टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिका में राज्य एजेंसियों द्वारा ईडी की जांच में कथित हस्तक्षेप के गंभीर मुद्दे उठाए गए हैं। मालवीय ने एक्स पर कहा कि न्यायालय ने चेतावनी दी है कि गंभीर आर्थिक अपराधों की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों के काम में बाधा डालने से अराजकता फैल सकती है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों और ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक को ममता बनर्जी के लिए करारा तमाचा करार दिया। उन्होंने कहा कि इससे यह स्पष्ट है कि टीएमसी के शासन में पश्चिम बंगाल में जंगल राज है। उच्चतम न्यायालय ने यह संदेश दिया कि भारत और पश्चिम बंगाल में केवल कानून का शासन ही कायम रहेगा। भाजपा की एक अन्य राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों को बनर्जी और उनकी सरकार के लिए बड़ा झटका करार दिया। इल्मी ने कहा कि ममता बनर्जी आज जनता और कानून दोनों की अदालत में पूरी तरह से बेनकाब और पराजित हो चुकी हैं। अब उनके मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस ने राजनीतिक बदले की बात कही भाजपा का ममता पर जांच रोकने का आरोप

ईडी छापों पर घमासान

कोलकाता। टीएमसी और भाजपा ने राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के परिसर पर ईडी की छापेमारी को लेकर गुरुवार को एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी ने चुनाव से पहले राजनीतिक तलाशी का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने मुख्यमंत्री बनर्जी पर केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज में बार-बार बाधा डालने का आरोप लगाया। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित थी और बंगाल में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर की गई थी। घोष ने सवाल उठाया कि चुनाव से ठीक पहले ईडी क्यों जाग उठी। यह मामला 2020 में दर्ज हुआ था। पांच-छह साल बीत चुके हैं। इतने सालों तक वे क्या कर रहे थे। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बनर्जी पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में बाधा डालने के अस्वीकार्य और अक्षम्य प्रयास करने का आरोप लगाया। शेखावत ने आरोप लगाया कि ईडी की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालय पहुंचीं और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उनसे पहले ही पहुंच चुके थे। भाजपा नेता ने दावा किया कि यह जांच के दौरान जानबूझकर बाधा डालने का मामला था।

और साक्ष्य, दस्तावेज पेश करने दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची पीड़िता

नई दिल्ली, एजेंसी

उन्नाव दुष्कर्म

उत्तर प्रदेश के उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ कुलदीप सेंगर की ओर से दायर अपील में और तथ्य रिकॉर्ड पर लाने के लिए पीड़िता ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। भाजपा से निष्कासित सेंगर की अपील के सिलसिले में दायर अर्जी में पीड़िता ने कहा कि वह अदालत के समक्ष ऐसे तथ्य और दस्तावेज पेश करना चाहती है जो हालिया घटनाक्रमों के साथ उसे और परिवार के खतरे को दर्शाते हैं।

अर्जी में यह भी अनुरोध किया गया है कि उन्नाव स्थित उसके स्कूल के दो अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाएं, ताकि उसकी (पीड़िता की) जन्मतिथि सत्यापित हो सके। पीड़िता ने आरोप लगाया कि सेंगर ने जांच को प्रभावित किया और मुकदमे में उसकी उम्र से संबंधित फर्जी और झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल किया, जिन्हें अपील में भी आधार बनाया गया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने पाया कि अपील सुनवाई के अंतिम चरण में है और पीड़िता की अर्जी पर विचार के लिए 25 फरवरी की तारीख तय की। पीठ ने पीड़िता के वकील को 31 जनवरी तक अर्जी के साथ संबंधित दस्तावेज दाखिल करने को कहा और सेंगर तथा सीबीआई को याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू शुरू, 32 लोग घायल

मदुरै (तमिलनाडु)। मदुरै के अवनियापुरम में सांडों को काबू करने की प्रतियोगिता जल्लीकट्टू के दौरान गुरुवार को 32 लोग घायल हो गए। पोंगल 2026 फसल कटाई उत्सव सत्र में होने वाली सांड काबू करने की तीन प्रमुख पारंपरिक प्रतियोगिताओं में से पहली प्रतियोगिता यहां अवनियापुरम में गुरुवार को शुरू हुई, जिसमें सांड काबू करने वाले 550 लोग अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। मदुरै में आयोजित तीन दिवसीय जल्लीकट्टू उत्सव में भाग लेने के लिए 1,100 सांडों और सांड काबू करने वालों का ऑनलाइन पंजीकरण हुआ है। पांचवें दौर के अंत तक कुल 464 सांड छोड़े गए, जिनमें 275 सांड काबू में नहीं आए और 189 सांड पर काबू पा लिया गया। इस दौरान घायल हुए 32 लोगों में एक दर्शक, सांड काबू करने वाले 17 लोग और 14 सांड मालिक हैं। इनमें से पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। नीदरलैंड और जापान सहित कुछ अन्य देशों के लोग भी यह प्रतियोगिता देखने पहुंचे।

सिख परंपराओं पर टिप्पणी के लिए अकाल तख्त के समक्ष पेश हुए मुख्यमंत्री मान

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सिख परंपराओं और सिद्धांतों के बारे में कथित टिप्पणियों को लेकर तलब किए जाने के बाद गुरुवार को तख्त सचिवालय के समक्ष पेश हुए। उन्होंने गुरुवार को अकाल तख्त सचिवालय में पेश होने से पहले स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। मान ने बताया कि उन्होंने स्पष्टीकरण अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज को सौंप दिया है। जवाब की विस्तृत जांच की जाएगी, जिसके बाद निर्देश दिए जाएंगे। मान ने कहा कि वह एक धर्मनिष्ठ सिख के रूप में स्पष्टीकरण देने को अकाल तख्त सचिवालय के समक्ष उपस्थित हुए और वह किसी भी निर्देश का पालन करेंगे। जत्थेदार गरगज्ज ने 5 जनवरी को गुरु की गोलक (गुरुद्वारे की दानपेटी) पर टिप्पणी और सिख गुरुओं व आतंकी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के संबंध में लिप्त पाए जाने के आरोप में तलब किया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

थाईलैंड में अब हाईवे पर गिरी क्रेन, दो की मौत, पांच घायल

बैंकॉक। मध्य थाइलैंड के एक व्यस्त राजमार्ग पर एक निर्माण क्रेन के हिस्से गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि बैंकॉक से 17 मील दूर समुत सखोन प्रांत में किंग रामा द्वितीय राजमार्ग पर एक एलिवेटेड टोल रोड परियोजना पर काम कर रही एक निर्माण क्रेन के कुछ हिस्से सड़क पर गिर गए, जिससे वहां से गुजर रही दो कारें टकरा गईं। राजा राम द्वितीय राजमार्ग पर निर्माण सामग्री के सड़क पर गिरने की घटनाएं पहले भी हुई हैं, जिससे लोग हताहत हुए हैं। इससे पहले 14 जनवरी को थाई प्रांत नाखोन रत्चासिमा में पटरियों पर गिरी एक निर्माण क्रेन से यात्री ट्रेन टकराने से 32 लोगों की मौत हो गई थी और 64 घायल हो गए थे। तीन लोग लापता हैं।

न्यू जर्सी: अपने दो बेटों की हत्या की आरोपी भारतीय महिला गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। न्यू जर्सी में भारतीय मूल की 35 वर्षीय महिला को अपने दो नाबालिग बेटों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सोमरसेट काउंटी के अभियोजक जॉन मैकडोनाल्ड ने बताया कि 13 जनवरी को शाम लगभग 6 .45 बजे एक व्यक्ति ने आपातकालीन नंबर 911 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इस व्यक्ति को बच्चों का पिता माना जा रहा है। उसने बताया कि काम से घर लौटने पर उसने अपने पांच और सात वर्षीय दो बेटों को बेहोश पाया। उसने कहा, मेरी पत्नी ने उनके साथ कुछ किया है। मौके पर पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों ने घर के एक कमरे में दोनों बच्चे मृत अवस्था में मिले। नटराजन को हत्या और गैरकानूनी उद्देश्य के लिए हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका ने कैरेबियन सागर में एक और तेल टैंकर को जब्त किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में एक और तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इस टैंकर का संबंध वेनेजुएला से है। माना जा रहा है कि यह लातिन अमेरिकी देश के तेल भंडार पर नियंत्रण हासिल करने के लिए अमेरिका द्वारा की जा रही कोशिशों का हिस्सा है। अमेरिका की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, मोटर टैंकर वेरोनिका पहले वेनेजुएला के जलक्षेत्र से गुजर चुका था, और वह कैरेबियन में प्रतिबंधित जहाजों के लिए राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा निर्धारित क्षेत्र का उल्लंघन कर रहा था।

पर्यटन और अस्थाई वीजा पर रोक नहीं लगाएगा अमेरिका

- उच्चजोखिम वाले 75 देशों पर सिर्फ प्रवासी वीजा पर रहेगी पाबंदी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत उच्च-जोखिम वाले 75 देशों के लोगों के लिए प्रवासी वीजा पर लगाई गई ताजा रोक पर्यटक या वर्क वीजा पर लागू नहीं होगी और इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो अमेरिका में स्थाई रूप से रहना चाहते हैं।

अमेरिका ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ईरान, इराक और रूस सहित 75 देशों के नागरिकों के लिए प्रवासी वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की बुधवार को घोषणा की थी। उसने कहा कि इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिकी लोगों की कल्याणकारी योजनाओं का अस्वीकार्य दरों पर लाभ लेते हैं। प्रवासियों पर ट्रंप प्रशासन की सख्ती के तहत उठाया गया यह ताजा कदम उन विदेशियों के प्रवेश पर अंकुश लगाने के लिए है जिनके अमेरिका में रहते हुए सार्वजनिक लाभों पर निर्भर रहने की आशंका है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रवासियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहिए और अमेरिकियों पर बोझ नहीं बनना चाहिए। विदेश मंत्रालय सभी नीतियों, विनियमों की पूर्ण समीक्षा कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च-जोखिम वाले इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिका में कल्याणकारी योजनाओं का उपयोग न करें।

ट्रंप की मनमानी से बदले हालात

डेनमार्क के स्वामित्व वाले ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कब्जा करने की घोषणा ने नाटो के भीतर गंभीर तनाव पैदा कर दिया है। नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन यानी नाटो एक सैन्य गठबंधन है जिसकी स्थापना 1949 में हुई थी। इसमें 32 सदस्य देश शामिल हैं जो एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। नाटो में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे शक्तिशाली देश शामिल हैं। अमेरिका इसका सबसे बड़ा वित्तीय और सैन्य योगदानकर्ता है। इस संगठन का मुख्य सिद्धांत सामूहिक रक्षा है। यानी यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है तो उसे पूरे समूह पर हमला माना जाता है और सभी सदस्य देश मिलकर उसका मुकाबला करते हैं। अब नाटो देशों की एकता खतरे में पड़ गई है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए अत्यावश्यक बताया है।

नाटो सदस्य देशों में दरार

ट्रंप की घोषणा पर प्रतिक्रिया

- नाटो सदस्य डेनमार्क ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका जबरन ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश करता है तो यह नाटो का अंत हो सकता है।
- जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और नॉर्वे जैसे नाटो सदस्यों ने डेनमार्क के समर्थन में ग्रीनलैंड में अपने सैनिक और सैन्य अभ्यास भेजने का फैसला किया है।
- नाटो के इतिहास में यह पहली बार होने जा रहा है जब उसके सदस्य देशों ने ही एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होने की तैयारी शुरू कर दी है।
- ट्रंप का तर्क है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण से नाटो और शक्तिशाली बनेगा, लेकिन इसे मित्र देश की संप्रभुता पर हमला माना जा रहा है।

नाटो देशों का आपसी सहयोग

- बजट और संसाधन साझा करना प्रमुख है, नाटो सदस्यों ने 2026 के लिए 2 .42 बिलियन यूरो के साझा सैन्य बजट और 528 .2 मिलियन यूरो के नागरिक बजट पर सहमति जताई है।
- आधुनिक खतरों से निपटने के लिए एक डेटा-केंद्रित संगठन बनने की रणनीति अपनाई है। 2026 में साइबर लचीलापन बढ़ाने और साझा डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर साथ काम कर रहे हैं।
- सामूहिक रक्षा और अनुच्छेद 5 नाटो सदस्य देशों के बीच सहयोग का सबसे बड़ा आधार है, जिसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है।
- नाटो देशों ने रूस से यूक्रेन की रक्षा के लिए अभूतपूर्व सहयोग दिखाया है। वर्ष 2026 के लिए यूक्रेन को 45 से 60 बिलियन डॉलर तक की सैन्य सहायता देने का संकल्प लिया है।

क्या हैं आशंकाएं

- यूरोपीय देश स्वतंत्र सैन्य शक्ति और रक्षा प्रणाली बनाने पर जोर देंगे। नाटो के बजाय यूरोपीय सेना का विचार जन्म ले रहा है।
- अमेरिका का यूरोप व अटलांटिक क्षेत्र पर नियंत्रण कम होगा, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में चीन-रूस अपनी भूमिका बढ़ा सकते हैं।
- नाटो कमजोर होने से देश द्विपक्षीय या छोटे क्षेत्रीय गुटों की ओर बढ़ सकते हैं। वैश्विक सुरक्षा ढांचा जटिल व अस्थिर हो जाएगा।
- कई यूरोपीय देश परमाणु हथियार विकसित करने पर विचार कर सकते हैं, जो वैश्विक अप्रसार प्रयासों के लिए बड़ा झटका होगा।

रूस-चीन के लिए अवसर

- नाटो की एकता कम होने से रूस को पूर्वी यूरोप में प्रभाव बढ़ाने का मौका मिलेगा, यूक्रेन और बाल्टिक देशों के लिए सुरक्षा जोखिम बढ़ जाएगा।
- चीन आर्थिक और कूटनीतिक रूप से यूरोपीय देशों को आकर्षित करने की कोशिश करेगा, ताकि अमेरिका को अलग-थलग किया जा सके।
- ट्रंप का दावा है कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड नहीं लिया तो रूस या चीन उस पर कब्जा कर लेंगे। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने इसे खारिज कर दिया है।

ट्रंप का रुख बदला, अब बोले- ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं

एक दिन पहले ही प्रदर्शनकारियों को दिलाया था मदद भेजने का भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख में बुधवार को तब अचानक बदलाव नजर आया जब उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों ने बताया है कि ईरान में फांसी की सजा की योजना को रोक दिया गया है। इसके उलट तेहरान ने प्रदर्शनकारियों पर अपनी कार्रवाई में त्वरित सुनवाई और फांसी देने के संकेत दिए हैं। ज्यादा जानकारी दिए बगैर अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब एक दिन पहले ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया था कि मदद आ रही है और उनका प्रशासन इस्लामिक गणराज्य की घातक कार्रवाई के जवाब में उचित कार्रवाई करेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 24 घंटे के भीतर कई ऐसे बयान दिए हैं जिनसे यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि ईरान के खिलाफ अमेरिका यदि कोई कार्रवाई करेगा तो वह क्या होगी। बुधवार को उनकी टिप्पणियों से संकेत मिला कि वे कार्रवाई को टाल देंगे। 'व्हाइट हाउस' में शासकीय आदेशों और कानूनों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, हमें बताया गया है कि ईरान में हत्याएं रुक रही हैं। वे अब ऐसा कुछ नहीं करने जा रहे हैं। फांसी की कोई योजना नहीं है, न ही किसी को फांसी दी जाएगी। मुझे यह विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उन्हें यह जानकारी कहां से मिली, लेकिन उन्होंने इसे दूसरी तरफ के बहुत महत्वपूर्ण सूत्रों से मिली जानकारी बताया।

बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में सड़कों पर मौजूद प्रदर्शनकारी।

सप्ताह भर तक कार्रवाई ईरान में धीमे हुए प्रदर्शन

दुबई। ईरान की इस्लामिक सत्ता को चुनौती देने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शन बृहस्पतिवार को धीरे-धीरे शांत होते नजर आए। एक सप्ताह पहले ही अधिकारियों ने देश को दुनिया से अलग-थलग कर दमनकारी कार्रवाई को तेज किया था। इस कार्रवाई में लगभग 2,615 लोग मारे गए। ईरान की राजधानी तेहरान में प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पिछले एक-दो दिन से सुबह के समय रात के दौरान जलाई गई आग के कोई निशान या सड़कों पर किसी प्रकार का कोई मलबा नहीं दिखा। कई रातों से जारी गोलीबारी की तेज आवाज अब मंद पड़ गई है। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया ने एक के बाद एक की जा रही गिरफ्तारियों की घोषणा की।

सवालों के दिए गोलमोल जवाब, कहा- नजर रखेंगे और देखेंगे

ट्रंप ने कहा कि यह जानकारी सच है या नहीं, इसकी पड़ताल वह बाद में करेंगे। यह भी खुलासा नहीं किया कि इसकी पड़ताल वह कैसे करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह सच है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह ईरानी सरकार के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे तो उन्होंने कहा, कौन जानता है। ट्रंप ने कहा, हम इस पर नजर रखेंगे और देखेंगे कि प्रक्रिया क्या है। मंगलवार को राष्ट्रपति ने पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से अगले कदमों के बारे में परामर्श किया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और 'व्हाइट हाउस' की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख अधिकारियों ने ट्रंप के लिए राजनयिक दृष्टिकोण से लेकर सैन्य हमलों तक के विकल्पों पर विचार-विमर्श को लेकर पिछले शुक्रवार को बैठक शुरू की थी।

रूस ने जासूसी कर रहे ब्रिटिश राजनयिक को निष्कासित किया

- ब्रिटिश खुफिया एजेंसी से संबंध स्थापित होने के बाद उठाया कदम

मॉस्को। रूस ने जासूसी के आरोपों की वजह से मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास में कार्यरत एक राजनयिक को बृहस्पतिवार को निष्कासित कर दिया। रूस की ओर से यह कदम रूसी खुफिया एजेंसी एफएसबी की ओर से दूतावास में कार्यरत इस अधिकारी का संबंध ब्रिटिश खुफिया एजेंसी से स्थापित करने के बाद उठाया गया।

संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने कहा कि मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास में सचिव के पद पर कार्यरत गैरेथ सैमुअल डेविस ब्रिटेन की गुप्त सेवाओं के लिए काम कर रहे हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने ब्रिटिश दूतावास की प्रभारी डेने ढोलकिया को औपचारिक विरोध दर्ज कराने और संदिग्ध जासूस को दो सप्ताह के भीतर देश छोड़ने के आदेश से अवगत कराने के लिए तलब किया था।

रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मॉस्को रूसी धरती पर ब्रिटिश विशेष सेवाओं के अघोषित एजेंटों की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगा। कहा गया है कि रूसी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति अपनाती है।

ग्रोक पर रोक, अब नहीं बनाएगा अश्लील तस्वीरें

नई दिल्ली,एजेंसी

अश्लील डीपफेक तस्वीरों को लेकर भारी विरोध के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने अपने एआई चैटबॉट ग्रोक को अवैध रूप से आपत्तिजनक कपड़ों में लोगों की तस्वीरें बनाने से रोकने के लिए प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए हैं। 'एक्स' ने कहा है कि यह प्रतिबंध पेड सब्सक्राइबर (सशुल्क ग्राहक) समेत सभी यूजर्स पर लागू होता है। इसके अलावा 'एक्स' पर ग्रोक खाते के जरिए तस्वीर बनाने और उन्हें एडिट करने की सुविधा अब सिर्फ पेड सब्सक्राइबर्स के लिए ही उपलब्ध होगी।

कंपनी का कहना है कि इससे सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा और यह सुनिश्चित होगा कि जो लोग ग्रोक खाते का दुरुपयोग करके कानून या उसकी नीतियों का उल्लंघन करते हैं, उनकी जवाबदेही तय हो। 'एक्स' ने कहा कि अब हम उन सभी क्षेत्रों में ग्रोक खाते और ग्रोक इन एक्स में बिकनी, अंतःवस्त्र और ऐसे और परिधानों में लोगों की तस्वीरें बनाने की क्षमता को भौगोलिक रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं, जहां यह अवैध है। ग्रोक खाते को बिकनी जैसे आपत्तिजनक कपड़ों में वास्तविक लोगों की तस्वीरों को संपादित करने से रोकने के लिए उसने प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए हैं।

Grok

- एक्स ने प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए, सभी यूजर्स आएंगे दायरे में

सभी के लिए सुरक्षित मंच बनाने का वादा

'एक्स' ने स्पष्ट किया कि इससे उसके मौजूदा सुरक्षा नियमों में कोई बदलाव नहीं आएगा जिसके तहत 'एक्स' पर पोस्ट किए गए सभी 'एआई प्रॉम्प्ट' और 'जेनरेटेड कंटेंट' को उसके निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। कंटेंट चाहे जिस तरह तैयार किया जाए, यूजर सशुल्क ग्राहक हो या मुफ्त सेवा लेने वाला, हमारा सुरक्षा दल अवैध सामग्री को हटाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने, जरूरत पड़ने पर खातों को स्थाई रूप से निलंबित करने और स्थानीय सरकारों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। वह सभी के लिए सुरक्षित मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाल यौन शोषण, बिना सहमति के नग्नता एवं अवांछित यौन सामग्री को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंतरिक्ष यात्री के बीमार पड़ने से अधूरा खत्म हुआ मिशन

केप केनवरल, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक बीमार अंतरिक्ष यात्री बृहस्पतिवार को तीन और साथियों के साथ पृथ्वी पर लौट आया। अंतरिक्ष स्टेशन का इन लोगों का मिशन एक महीने से अधिक समय पहले ही खत्म हो गया। स्वास्थ्य कारणों को लेकर अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन से वापस धरती पर लाने का नासा का यह पहला अभियान था।

इन अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकलने के 11 घंटे बाद स्पेसएक्स ने कैप्सूल को सैन डिएगो के पास प्रशांत महासागर में आधी रात को सफलतापूर्वक उतारा। अगस्त में शुरू हुए इस मिशन का यह अप्रत्याशित अंत था, जिसके बाद आईएसएस में केवल एक अमेरिकी और दो रूसी ही शेष रह गए हैं। नासा और स्पेसएक्स ने कहा कि वे चार सदस्यीय नए दल को अंतरिक्ष में भेजने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। नासा की जेना कार्डमैन और माइक फिंके के साथ जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव भी वापस आए। अधिकारियों ने गोपनीयता का हवाला देते हुए बीमार अंतरिक्ष यात्री की पहचान या घटना के बारे में विस्तार से बताने से इन्कार कर दिया। कक्षा में अंतरिक्ष यात्री की हालत स्थिर थी लेकिन नासा उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए पृथ्वी पर वापस लाना चाहता था।

- अपनी तरह के पहले मामले में नासा की टीम ने पृथ्वी पर की आपात वापसी

डेनमार्क के विदेशमंत्री ने कहा- ग्रीनलैंड के मुद्दे पर हम अमेरिका से असहमत

वाशिंगटन। डेनमार्क के विदेश मंत्री ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बातचीत के बाद भी ग्रीनलैंड को लेकर बुनियादी असहमति बनी हुई है। हालांकि दोनों पक्ष मतभेदों को दूर करने के तरीकों पर चर्चाकरने के लिए एक कार्यसमूह बनाने पर सहमत हो गए हैं।

ट्रंप लगातार डेनमार्क के आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड को कब्ज़े में लेने की बात कह रहे हैं। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने वेंस और रुबियो के साथ चर्चा के बाद कहा, ग्रीनलैंड के आसपास की मौजूदा स्थिति पर हमारा दृष्टिकोण अमेरिका के सार्वजनिक बयानों से भिन्न है, लेकिन दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में हम चिंताओं को साझा करते हैं। मौलिक मतभेदों के बावजूद डेनमार्क और ग्रीनलैंड अमेरिका से संवाद जारी रखेंगे। रासमुसेन ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक उच्च स्तरीय कार्य समूह बनाने का फैसला किया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या हम आगे बढ़ने का एक साझा रास्ता खोज सकते हैं।

वेनेजुएला पर और हमले से ट्रंप को रोकने को लाया गया विधेयक गिरा

वाशिंगटन, एजेंसी

- पक्ष-विपक्ष में पड़े 50-50 मत, वेंस को डालना पड़ा निर्णायक वोट

वेनेजुएला पर और हमले करने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की क्षमता को सीमित करने वाले युद्ध अपराध से संबंधित एक प्रस्ताव को रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने बुधवार को सीनेट में खारिज करने के पक्ष में मतदान किया, जबकि पार्टी के दो सांसदों ने इस विधेयक के समर्थन से अपना रुख पलट लिया।

ट्रंप ने उन पांच रिपब्लिकन सीनेटरों पर भारी दबाव डाला था जिन्होंने पिछले सप्ताह डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों के साथ मिलकर प्रस्ताव को आगे बढ़ाया और अंततः वह विधेयक को पारित होने से रोकने में सफल रहे। इन पांच रिपब्लिकन सीनेटरों में से दो मिसौरी के सीनेटर जोश हॉली और इंडियाना के सीनेटर टॉड यंग ने दबाव में आकर अपना पक्ष बदल लिया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को सीनेट में विधेयक को खारिज करने के रिपब्लिकन प्रस्ताव पर 50 के मुकाबले 50 के वोट पर निर्णायक वोट करना पड़ा।

इस हाईप्रोफाइल चुनाव के परिणाम ने यह प्रदर्शित किया कि ट्रंप अब भी रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर हिस्से पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं, लेकिन बेहद कम अंतर से हुए मतदान ने राष्ट्रपति की आक्रामक विदेश नीति की महत्वाकांक्षाओं को लेकर कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद परिसर) में बढ़ती चिंता को भी उजागर किया। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को अचानक रात में गिरफ्तार किए जाने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने इस बहस को आगे बढ़ाया।

ट्रंप ने मंगलवार को मिशिगन में अपने संबोधन में कहा, हमारे सामने यह अब तक के सबसे सफल हमलों में से एक है और वे इसके खिलाफ जाने का रास्ता ढूंढ लेते हैं। यह वाकई चौंकाने वाला है। यह शर्मनाक है। उन्होंने इस विधेयक को आगे बढ़ाने वाले कई रिपब्लिकन सांसदों को भी निशाना बनाया।

यूक्रेन में ऊर्जा क्षेत्र में आपातकाल लागू

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों और खराब मौसम की वजह से देश के ऊर्जा क्षेत्र सेक्टर में आपातकाल लागू करने की घोषणा की है।

जेलेंस्की ने बुधवार को टेलीग्राम पर कहा कि इस कदम का मकसद बैकअप पावर इक्विपमेंट को बिजली नेटवर्क से जोड़ने से जुड़ी औपचारिक प्रक्रियाओं को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बिजली आयात बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा सरकार बहुत ज्यादा ठंड में निषेधाज्ञा नियमों की समीक्षा करेगी और शिक्षा प्रक्रिया के तरीकों पर विचार करेगी। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव, ओडेसा और मध्य यूक्रेन के निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में ऊर्जा की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 16 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 20 .21 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

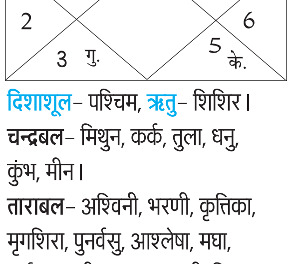

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल पूर्ण रात्रि तक।

मेष - आज विदेश में रहने वाले परिजनों की चिंता हो सकती है। शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। प्रेम संबंधों में परस्पर विश्वास में कमी होने की आशंका है, लेकिन साथ में समय बिताने से मन हल्का होगा।

वृष - आज उच्च शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। अटका हुआ धन वापस मिलने में कठिनाई होगी। मेहनत का उत्तम परिणाम नहीं मिलेगा। स्वयं की गलतियों पर पर्दा न डालें। आपका मन किसी कारण अप्रसन्न हो सकता है।

मिथुन - आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सकती है। जॉब में आपका प्रभाव बढ़ेगा। बुद्धिमान लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक संबंधों की कटुता दूर होगी। पार्टनरशिप में किए गए व्यवसाय से आपको लाभ होगा।

कर्क - आज मांगलिक कार्यक्रमों की योजना बना सकते हैं। परिवार के लोगों का विरोध करने से बचें। नए रोजगार की प्राप्ति हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का दबाव रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह - आज अपने निर्णयों को बार-बार न बदलें। संतान की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। मन में नए काम को लेकर थोड़ी शंका रहेगी। आपको अपने स्वाभिमान की चिंता हो सकती है। घरेलू कार्यों में फंसे रहेंगे। शुभ कार्यों में धन खर्च होगा।

कन्या - आज योजनाबद्ध तरीके से काम करना लाभकारी होगा। दिखावे पर अधिक खर्च करना उचित नहीं है। कानूनी विवादों को लेकर सावधानी रखें। परिवार में किसी बात को लेकर कलह हो सकती है। अपने चरित्र को अच्छा रखें।

तुला - आज छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। मनोरंजन के साधनों पर धन खर्च करेंगे। नई जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। रूढ़िवादी विचारों से बचें। नए व्यंजनों का सेवन कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक - आज धन के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। बच्चों की सेहत की चिंता हो सकती है। जिम्मेदारियों के बीच स्वयं के लिए समय अवश्य निकालें। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। बोलचाल के दौरान सभ्य भाषाशैली का प्रयोग करें।

धनु - आज अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। व्यवसाय में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में लगे रहेंगे। विद्वान लोगों के साथ आपके संपर्क मजबूत होंगे। परिवार को लेकर आप कुछ योजना बना सकते हैं। घर में मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा।

मकर - आज व्यवसाय में प्रलोभनों से बचें। भूतकाल की बातों को लेकर थोड़ा चिंतित रहेंगे। अपने विचारों को सकारात्मक बनाए रखें। बुरी संगत के कारण आपको नुकसान हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपने संबंध अच्छे रखें।

कुंभ - आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर आप धन खर्च करेंगे। युवा प्रेम संबंधों को लेकर अत्यंत भावुक हो सकते हैं। कारोबार में वृद्धि होने की संभावना है। परिजनों के प्रति थोड़ा चिंतित रहेंगे।

मीन - आज सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके मस्तिष्क में नए रचनात्मक विचार उत्पन्न होंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलेगा। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा होगी।

सुडोकू -33

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		7	5			4
			1			8		
9			3	8		5		6
		6		2			3	
	4		8		1		7	
	5			9		1		
6		1		5	8			9
		7			4			
4			7	3		2		

सुडोकू - 32 का हल

8	7	4	9	5	1	6	3	2
6	5	2	4	3	8	9	1	7
3	9	1	6	7	2	8	4	5
5	1	7	8	4	9	2	6	3
9	8	3	5	2	6	4	7	1
4	2	6	3	1	7	5	8	9
7	4	8	1	9	5	3	2	6
2	6	5	7	8	3	1	9	4
1	3	9	2	6	4	7	5	8

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत को दिलाई विजयी शुरुआत

बुलावायो। हेनिल पटेल (पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन और अभिज्ञान कुंडू की नाबाद 42 रन की शानदार पारी की बदौलत की बदौलत भारत ने गुरुवार को अंडर-19 विश्व कप के पहले मुकाबले में अमेरिका को डीएलएस पद्धति के तहत छह विकेट से हराकर विजयी शुरुआत की। अमेरिका को 35.2 ओवरों में 107 रनों के स्कोर पर समेटने के बाद भारत ने बारिश के कारण 37 ओवर में 96 रन के संशोधित लक्ष्य को शुरुआती झटकों से उबरते हुए 17.2 ओवर में चार विकेट पर 99 रन बनाकर हासिल कर लिया। अभिज्ञान कुंडू ने 41 गेंदों पर नाबाद 42 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। कनिष्क चौहान 10 रन पर नाबाद रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही।। फॉर्म में चल रहे वैभव सूर्यवंशी मात्र दो रन बनाकर अप्पिडी की गेंद पर आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए।

स्टार्क और वोल्वार्ट प्लेयर ऑफ द मंथ बने

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने पुरुषों और महिलाओं के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ़ द मंथ का अवॉर्ड जीता है, शानदार प्रदर्शन की एक सीरीज़ के बाद जिसमें उन्होंने कड़ी टक्कर को पीछे छोड़ा। स्टार्क, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की 4-1 से एशेज जीत में प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया था, ने दिसंबर में 21.25 की औसत से 16 विकेट लिए, साथ ही महीने के दौरान तीन टेस्ट में 139 रन भी बनाए। सबसे शानदार प्रदर्शन ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ़ द मैच का था, जहां उन्होंने आठ विकेट लिए और महत्वपूर्ण 77 रन बनाए।

एमेलिया वाल्वरडे महिला टीम से जुड़ेंगी

कोलकाता। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सूत्रों के अनुसार कोस्टा रिका की पूर्व विश्व कप कोच एमेलिया वाल्वरडे आगामी एएफसी महिला एशियाई कप के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम में मेंटोर के तौर पर जुड़ने वाली हैं। एआईएफएफ 39 वर्षीय वाल्वरडे के साथ अनुबंध को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। वह 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में कोस्टा रिका की मुख्य कोच थीं।

न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया, इस पर हैरानी हुई : गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें इस बात पर काफी हैरानी हुई कि राजकोट में दूसरे एकदिवसीय में न्यूजीलैंड ने भारत को इतनी आसानी से कैसे हरा दिया। इसके साथ ही रविवार को तीसरे और आखिरी मैच में मेजबान टीम को अपने संयोजन के साथ प्रयोग करने की आजादी नहीं होगी। डेरिल मिचेल की नाबाद 131 रन की पारी से न्यूजीलैंड ने राजकोट में दूसरे एकदिवसीय में 285 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट की जीत के साथ श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। श्रृंखला का निर्णायक मैच इंदौर में खेला जाएगा।

गावस्कर ने कहा मुझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया क्योंकि उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिच की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा। उन्होंने कहा सिर्फ स्पिनरों ने ही नहीं बल्कि उनके (न्यूजीलैंड के) सभी गेंदबाजों ने पिच की धीमी गति का अच्छी तरह से इस्तेमाल किया। ऐसा लगा कि भारत न्यूजीलैंड को लगभग 260 या 270 रन पर रोक पाएगा। मुझे लगा था कि यह भारत के लिए एक आसान जीत होगी। गावस्कर ने मिचेल की भी सराहना की जिन्होंने विल यंग (87) के साथ 162 रन की साझेदारी करके मेहमान टीम की जीत सुनिश्चित की। गावस्कर ने कहा कि श्रृंखला के निर्णायक मैच में भारत पर दबाव होगा और टीम के पास यशस्वी जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को आजमाने की गुंजाइश नहीं है जिन्हें राजकोट में श्रृंखला जीतने की स्थिति में इंदौर में मौका दिया जा सकता था।

उन्होंने कहा अगर वे (भारत) यह मैच जीत जाते तो उन्हें थोड़ा प्रयोग करने की आजादी होती। शायद उन खिलाड़ियों को मौका देते जो अब तक नहीं खेले हैं। जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को भी थोड़ा मौका मिल सकता था। गावस्कर ने कहा यह सब संभव हो सकता था लेकिन अब वे कोई जोखिम नहीं ले सकते। उन्हें अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश के साथ खेलना होगा। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी साइमन डूल ने मिचेल की पारी और उन्होंने जिस तरह से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की भारतीय स्पिन जोड़ी का सामना किया उसकी तारीफ की। कुलदीप ने अपने 10 ओवर में 82 रन दिए और सिर्फ एक विकेट ले पाए तो वहीं जडेजा ने आठ ओवर में बिना कोई विकेट लिए 44 रन दिए। डूल ने कहा मिचेल के भारत के खिलाफ बहुत अच्छे आंकड़े हैं... हम इसे बार-बार देखते हैं, रिवर्स स्वीप, अपने पैरों का इस्तेमाल करना। कुलदीप के खिलाफ बहुत जल्द वह आगे बढ़कर खेले और पहले ही ओवर में उन पर दबाव डाला। उस पल से कुलदीप ने अपनी लय खो दी जो अक्सर नहीं होता है।

धूल भरी पिचों पर तैयारी करने से मुझे रणनीति बनाने में मदद मिली : मिचेल

राजकोट। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा कि लिंकन में न्यूजीलैंड क्रिकेट की खास तौर पर तैयार की गई धूल भरी पिच में तैयारी करने से उन्हें उपमहाद्वीप की स्पिन की अनुकूल पिचों पर खेलने में महारत हासिल करने में मदद मिली। एकदिवसीय बल्लेबाजों की आईसीसी रैंकिंग में बल्लेबाज विराट कोहली से सिर्फ एक रेटिंग अंक पीछे चल रहे मिचेल ने भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए पिछले चार मैच में 130, 134, 84 और नाबाद 131 रन बनाए हैं।चौंतीस साल के मिचेल ने बुधवार को यहां 117 गेंद में नाबाद 131 रन बनाकर न्यूजीलैंड की सात विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई जिससे टीम ने तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

कर्नाटक को 6 विकेट से हराकर विदर्भ विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

दर्शन नालकंडे की घातक गेंदबाजी के बाद अमन मोखाड़े ने खेली शतकीय पारी

बेंगलुरु, एजेंसी

दर्शन नालकंडे (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद अमन मोखाड़े (138) की शतकीय तथा रविकुमार समर्थ (नाबाद 76) रनों अर्धशतकीय पारी की बदौलत विदर्भ ने गुरुवार को कर्नाटक को 22 गेंदें शेष रहत छह विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है।

281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में अर्थव तायडे (छह) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद अमन मोखाड़े और ध्रुव शौरी की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 98 रन जोड़े। 24वें ओवर में अभिलाष शेट्टी ने ध्रुव शौरी (47) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रविकुमार समर्थ के साथ अमन मोखाड़े ने तीसरे विकेट के लिए 147 रन जोड़े। इस दौरान मोखाड़े ने अपना शतक भी पूरा किया। 42वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप अमन मोखाड़े को विद्याधर पाटिल ने आउट किया। अमन मोखाड़े ने 122 गेंदों में 12 चौके और दो छक्को की मदद से 135 रनों की पारी खेली। विदर्भ ने 46.2 ओवर में चार विकेट पर 284 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। रविकुमार समर्थन ने 69 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 76 रन बनाये। कर्नाटक के लिए अभिलाष शेट्टी ने तीन विकेट लिये। विद्याधर पाटिल को एक विकेट मिला। इससे पहले करूण नायर (76) और कृष्णन श्रीजीत (54) की शानदार पारियों के दम पर कर्नाटक ने पहले सेमीफाइनल में विदर्भ को जीत के लिए 281 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां टॉस जीतकर कर्नाटक ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कर्नाटक की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 20 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। कप्तान मयंक अग्रवाल (नौ) और देवदत्त पड़िक्कल (चार) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद ध्रुव प्रभाकर ने करूण नायर के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़े। 17वें ओवर में दर्शन नालकंडे ने ध्रुव प्रभाकर (28) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कृष्णन श्रीजीत ने भी करूण नायर के साथ 113 रन जोड़ कर टीम को सम्मानजनक स्कोर की ओर ले गये। 34वें ओवर में दर्शन नालकंडे ने करूण नायर को आउटकर कर्नाटक को बड़ा झटका दिया। करूण नायर ने 90 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए 76 रनों की पारी खेली। 35वें ओवर में यश कदम ने कृष्णन श्रीजीत को अपना शिकार बना लिया। श्रीजीत ने 53 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 54 रन बनाये। श्रेयस गोपाल (36), अभिनव मनोहर (26) और विद्याधर पाटिल (एक) को दर्शन नालकंडे ने आउट किया।

यश ठाकुर ने विजयकुमार वैशक 50वें ओवर की चौथी गेंद पर विजयकुमार वैशक 17 को आउटकर 280 के स्कोर पर कर्नाटक की पारी का अंत कर दिया। विदर्भ की ओर सेदर्शन नालकंडे ने 10 ओवर में 48 रन देकर पांच विकेट लिये। यश ठाकुर को दो विकेट मिले। नचिकेत भूटे और यश कदम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

कर्नाटक	280/10 (49.4 ओवर)
विदर्भ	284/4 (46.2 ओवर)

138 रनों की पारी के दौरान अमन मोखाड़े ने 12 चौके और दो छक्के लगाए

शॉट लगातीं मुंबई इंडियंस की बल्लेबाज नटाली साइवर ब्रंट। एजेंसी

मुंबई ने यूपी को दिया 162 रनों का लक्ष्य

महिला प्रीमियर लीग

- नटाली साइवर ब्रंट ने खेली शानदार 65 रनों की पारी

नवी मुंबई, एजेंसी

नटाली साइवर ब्रंट (65 रन) ने बृहस्पतिवार को यहां अपने चिर परिचित अंदाज में खेलते हुए तेज अर्धशतक जड़ा जिसकी मदद से मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ पांच विकेट पर 161 रन बनाए।

मुंबई इंडियंस हालांकि धीमी पिच पर पहले 10 ओवर में रन गति नहीं बढ़ा सकी लेकिन नटाली साइवर ब्रंट ने 43 गेंद की पारी के दौरान नौ चौके और एक छक्का लगाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अमनजोत कौर (38 रन) और गुणालन कमालिनी (05) स्पिनरों की मददगार पिच पर तेज शुरूआत नहीं करा सकीं। लेकिन सलामी बल्लेबाजों के लगातार ओवरों में आउट होने के बाद नटाली साइवर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर (11 गेंद में 16 रन) जिम्मेदारी से खेलीं। टीम ने पहले 10 ओवर में दो विकेट पर 54 रन बनाए। पर नटाली साइवर ब्रंट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से पारी की दिशा ही बदल दी। उनकी पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में कामयाब रही जिसमें आखिरी 10 ओवर में 107 रन बने। आशा शोभना की गेंद पर स्वीप शॉट खेलकर हरमनप्रीत के आउट होने के बाद निकोला कैरी (नाबाद 32 रन) ने नटाली साइवर ब्रंट का अच्छा साथ निभाया। नटाली साइवर ब्रंट ने शोभना के ओवर में 17 रन जुटाए जिसमें दो चौके और एक छक्का जड़ा था। यूपी वॉरियर्स के लिए शिखा पांडे, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन और शोभना आशा ने एक एक विकेट झटका।

चीन की ली यी जिंग और लुओ जू मिन के खिलाफ शॉट लगातीं भारत की गायत्री गोपीचंद (बाएं) और त्रीसा जॉली। एजेंसी

लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत व प्रणय बाहर

इंडिया ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपने मजबूत डिफेंस और तेज खेल की बदौलत जापान के केंटा निशिमोटो को हराया, जबकि किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय का शानदार प्रदर्शन योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के दूसरे राउंड में काफी नहीं रहा।

यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। सेन ने निशिमोटो को 21-19, 21-11 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि श्रीकांत फ्रांस के वर्ल्ड टूर फाइनल्स विजेता क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए, और प्रणय सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार गए। महिला सिंगल्स में भी भारत की चुनौती खत्म हो गई, जब चीनी पांचवीं वरीयता प्राप्त हान यू ने मालविका बंसोड़ को 21-18, 21-15 से हरा दिया। निशिमोटो के खिलाफ पहले गेम के शुरुआती चरणों में सेन के लिए भी राह मुश्किल थी, क्योंकि भारतीय खिलाड़ी अपनी लय और स्ट्रोक की लंबाई खोजने में संघर्ष कर रहा था। इंडियन ऑयल के कर्मचारी पहले गेम में जापानी खिलाड़ी से 11-16 और फिर 14-18 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और रोकने के लिए कुछ शानदार डिफेंसिव स्ट्रोक लगाए।

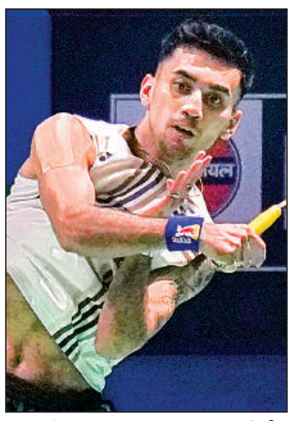

लक्ष्य सेन। एजेंसी

खिलाड़ियों के विद्रोह से बीपीएल अधर में, नजमुल पर हुई कार्रवाई

ढाका, एजेंसी

संकट से जूझ रहे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पर उसकी शीर्ष टी20 लीग के रुकने का खतरा मंडरा रहा था जब सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने निदेशक नजमुल इस्लाम को अपमानजनक टिप्पणियों के लिए बर्खास्त नहीं करने पर बोर्ड के खिलाफ विद्रोह कर दिया। बीसीबी ने हालांकि उन्हें अपनी वित्त समिति के प्रमुख के पद से हटा दिया।

बीसीबी के अहम पद से नजमुल को हटाए जाने के बावजूद बृहस्पतिवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए गए और खिलाड़ियों के कड़े रुख के कारण टूर्नामेंट अनिश्चितताओं से घिर गया है। बीपीएल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी बीसीबी निदेशक के पद से नजमुल को तुरंत हटाने की अपनी मांग पर एकजुट थे। खिलाड़ियों और जनता के दबाव में बीसीबी को कार्रवाई करनी पड़ी और नजमुल को बोर्ड की वित्त समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। नजमुल हालांकि बोर्ड के निदेशक बने हुए हैं और अनुशासनात्मक कारणों से उन्हें इस पद से हटाया जा सकता है। यह हंगामा तब शुरू हुआ जब नजमुल ने 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से बांग्लादेश के इनकार को दोहराते हुए देश के टूर्नामेंट से हटने पर खिलाड़ियों की पारिश्रमिक से जुड़ी चिंताओं को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने अब तक मिले समर्थन को सही साबित नहीं किया है और एक भी आईसीसी प्रतियोगिता नहीं जीत पाए हैं। इस बयान से काफी हंगामा हुआ और सीडब्ल्यूएबी ने उन्हें तुरंत हटाने की मांग की। बीसीबी ने नजमुल को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया। बीसीबी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड बोर्ड के एक सदस्य द्वारा हाल ही में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों पर अपना खेद फिर दोहराता है। बीसीबी इन टिप्पणियों से हुई चिंता को स्वीकार करता है और क्रिकेटरों के प्रति सम्मान के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है।

> बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यह सूचित करना चाहता है कि हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में बीसीबी अध्यक्ष ने नजमुल इस्लाम को वित्त समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से तत्काल प्रभाव से मुक्त करने का फैसला किया है। अगले आदेश तक बीसीबी अध्यक्ष वित्त समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष का पद संभालेंगे। बीसीबी दोहराता है कि क्रिकेटरों के हित उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र के तहत खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।
>
> **-बीसीबी**

ऑस्ट्रेलियन ओपन

रविवार से शुरू हो रहा वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट, इतिहास में दर्ज हो सकता है दोनों का मुकाबला

कोको गॉफ और वीनस विलियम्स भिड़ सकतीं दूसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

कोको गॉफ और वीनस विलियम्स रविवार से शुरु हो रहे टेनिस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में आमने-सामने हो सकती हैं और यह मुकाबला फिर इतिहास में दर्ज हो सकता है।

पंद्रह साल की गॉफ ने जब ग्रैंड स्लैम में पदार्पण किया था तो उन्होंने विंबलडन में सात बार की मेजर विजेता वीनस को हरा दिया था। गॉफ ने 2019 में ऑल इंग्लैंड क्लब में उस जीत के बाद वीनस को अपने करियर के लिए बड़ी प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद दिया था और कहा था अगर वह नहीं होतीं तो मैं यहां नहीं होती। इसके बाद गॉफ ने 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहले दौर में जीत हासिल की। अब वह तीसरी वरीय हैं। वहीं 45 साल की वीनस को ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला और वह पांच साल बाद इसमें खेल रही हैं।

मेलबर्न पार्क में शुरू होने वाले ग्रैंडस्लैम का बृहस्पतिवार को ड्रॉ निकाला गया जिसमें गॉफ का मुकाबला 91वीं रैंकिंग की कामिला रखिमोवा से होगा जबकि 576 रैंकिंग की वीनस (1998 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पदार्पण करने वाली और दो बार फाइनल में पहुंचने वाली) का मुकाबला पहले दौर में 68 रैंकिंग की ओल्गा डैनिलोविच से होगा। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनने वाली हैं और वह जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड तोड़ देंगी जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 साल की थीं। गॉफ को फिर से वीनस से भिड़ने के लिए पहले दौर में जीत हासिल करनी होगी। पिछले दो हफ्तों में वीनस न्यूजीलैंड और होबार्ट में हुए टूर्नामेंट में खेलीं लेकिन दोनों में ही पहले दौर में हार गईं।

गॉफ और वीनस ड्रॉ के उसी हाफ में हैं जिसमें शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका हैं, जो पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से हारने से पहले लगातार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत चुकी थीं। सबालेंका ने पिछले हफ्ते ब्रिस्बेन में खिताब जीतकर अपने सत्र की शुरुआत की थी और तीसरे दौर में उनका सामना 2021 अमेरिकी ओपन विजेता एमा राडुकानु से हो सकता है।? गत चैंपियन कीज को छठे नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला और चौथे नंबर की खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा के साथ उसी क्वार्टर में रखा गया है।

वहीं दूसरी रैंकिंग की इगा स्वियातेक मेलबर्न पार्क में अपना पहला खिताब जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम हासिल करना चाहती हैं। वह चौथे दौर में चार बार की मेजर विजेता नाओमी ओसाका से भिड़ सकती हैं। वहीं यानिक सिनर और नोवाक जोकोविच भी ड्रॉ के एक ही हाफ में हैं जिससे गत चैंपियन और 24 बार के मेजर विजेता के बीच संभावित सेमीफाइनल देखने को मिल सकता है। जोकोविच ने 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीते हैं, लेकिन 2023 के बाद से मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

स्लोएन स्टीफंस ने क्वालीफाई किया

मेलबर्न। स्लोएन स्टीफंस ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए क्वालीफाई कर लिया है जो एक साल पहले मेलबर्न पार्क में शीर्ष रैंक वाली एरिना सबालेंका से पहले दौर में हारने के बाद उनका पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट है। अमेरिकी ओपन 2017 चैंपियन स्लोएन ने बाएं पैर की चोट से उबरने के बाद सत्र की पहली ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता के क्वालीफाइंग दौर में 1,097वीं रैंकिंग के साथ प्रवेश किया था। उन्होंने मेलबर्न पार्क में क्वालीफाइंग में लगातार तीन जीत हासिल की और बृहस्पतिवार को तीसरे दौर में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-5 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह पक्की की। इस 32 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग हासिल की थी। इसे वह अपने करियर के लिए बड़ी उपलब्धि मानती हैं।